@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 10 दिसम्बर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 36 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एनडीए संसदीय दल की मीटिंग में पीएम मोदी ने कहा-

देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेज में

● एनडीए संसदीय दल की बैठक में बिहार चुनाव में हुई ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री का हुआ अभिनंदन

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल के नेताओं से कहा कि भारत पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' चरण में आ गया है, जिसमें तेज और नागरिकों केंद्रित शासन बदलाव होंगे। सांसदों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार सिर्फ आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देने या रेवेन्यू बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि आम लोगों की जिंदगी को असल में आसान बनाने के लिए रिफॉर्म कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य नागरिकों के सामने आने वाली रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है

ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कर सकें।' उन्होंने सांसदों से अपील की कि वे जनता की ओर से लाए गए जमीनी मुद्दों को सक्रिय रूप से शेयर करें, ताकि सरकार उन्हें तेजी से हल कर सके। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि सरकार उन नौकरशाही रुकावटों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है जो नागरिकों पर बोझ डालती हैं, जिनमें लंबे आवेदन फॉर्म और बार-बार होने वाले पेपरवर्क शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद एक ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ना है जहां सर्विस लोगों के घर तक पहुंचाई जाएं, जिससे अलग-अलग विभाग में एक ही डेटा बार-बार जमा करने की जरूरत खत्म हो जाए। अलग-अलग सेवाओं और योजनाओं के लिए स्वयं प्रमाणन की इजाजत देने के सरकार के फैसले को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव नागरिकों के भरोसे पर आधारित है। एक ऐसा भरोसा जो पिछले 10 सालों से मजबूत बना हुआ है। इससे पहले, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सभी एनडीए सांसदों ने बिहार विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी। मंगलवार को एनडीए संसदीय पार्टी की मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा, 'संसदीय पार्टी की मीटिंग में एनडीए की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जीत की माला पहनाकर सम्मानित किया गया और बिहार इलेक्शन में शानदार जीत के लिए बधाई दी गई। ' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने मीटिंग के दौरान राज्य और इलाके के लिए काम करने के तरीके पर मार्गदर्शन किया।

दिल्ली में प्रदूषण नियन्त्रण की निगरानी होगी और मजबूत: सिरसा

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण को अधिक पारदर्शी, तकनीक-आधारित और जवाबदेह बनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में माननीय पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने डस्ट पोर्टल 2.0 और अपडेटेड ग्रीन दिल्ली ऐप की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। दोनों पहलें दिल्ली में रियल-टाइम प्रदूषण मॉनिटरिंग और नागरिक शिकायत निवारण को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही हैं। नया डस्ट पोर्टल GIS के ज़रिए निर्माण स्थलों की सीमा को स्वतः चिन्हित करेगा, नियमों की ऑटोमेटिक जांच करेगा और एयर क्वालिटी के स्तर के अनुसार कलर-कोडेड अलर्ट जारी करेगा। हर पंजीकृत निर्माण स्थल को एक यूनिक क्यूआर कोड दिया जाएगा, जिसमें उसके पूरे कम्प्लायंस रिकॉर्ड की डिजिटल जानकारी उपलब्ध होगी। यह जानकारी मोबाइल स्कैन के ज़रिए निरीक्षण टीमों को तुरंत मिल पाएगी। पोर्टल को MCD, PWD और DDA के सिस्टम से जोड़ने की प्रक्रिया भी जारी है, ताकि सभी एजेंसियाँ एक ही प्लेटफॉर्म पर समन्वय कर सकें। प्रदूषण नियन्त्रण में तकनीक सबसे बड़ी ताकत है। डस्ट पोर्टल 2.0 जैसे टूल से हम रियल-टाइम में उल्लंघन पकड़ सकेंगे और तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित कर पाएंगे। इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी, श्री सिरसा ने कहा। माननीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पोर्टल का बीटा वर्ज़न कुछ ही सप्ताह में परीक्षण के लिए तैयार किया जाए और उसके बाद अंतिम लॉन्च समयबद्ध तरीके से किया जाए। इसके साथ ही ग्रीन दिल्ली ऐप नागरिकों

को 17 श्रेणियों में शिकायतें दर्ज करने की सुविधा देता है जैसे मलबा फेंकना, सड़क धूल, खुले में जलाना, औद्योगिक धुआँ आदि। सभी शिकायतों की मॉनिटरिंग और समाधान संबंधित विभागों के डैशबोर्ड से सीधे जुड़ा हुआ है। माननीय मंत्री ने लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए और कहा कि शिकायत के समाधान की पुष्टि के लिए संबंधित अधिकारी का 200 मीटर के दायरे में मौजूद होना अनिवार्य होगा। इससे समाधान की सटीकता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। दिल्ली सरकार सिर्फ तकनीक का इस्तेमाल नहीं कर रही, बल्कि ऐसी मज़बूत व्यवस्थाएँ बना रही है जो सालभर काम करें। हमारा फोकस ग्राउंड पर नतीजों और लोगों के भरोसे पर है, श्री सिरसा ने कहा। नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि ग्रीन दिल्ली ऐप पर की गई हर शिकायत दिल्ली को स्वच्छ हवा की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ाती है। लोगों की भागीदारी ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मिलकर ही दिल्ली की हवा और रहने योग्य बन सकती है, माननीय मंत्री ने कहा। डस्ट पोर्टल 2.0 और ग्रीन दिल्ली ऐप के आधुनिकीकरण के साथ दिल्ली एक ऐसी एकीकृत और डेटा-आधारित प्रदूषण प्रबंधन प्रणाली की ओर बढ़ रही है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और निरंतर सुधार को केंद्र में रखती है।

'वंदे मातरम्' पर चर्चा से आगामी पीढ़ियों को इसके असली महत्व को समझने में मिलेगी मदद : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि संसद के दोनों सदनों में इस अमर कृति पर विमर्श आने वाली पीढ़ियों को इसके वास्तविक महत्व, गौरव और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति भक्ति, कर्तव्य और समर्पण की भावना का शाश्वत प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में देश की आत्मा को जागृत किया।

शाह ने कहा कि उस दौर में वंदे मातरम् देश को आजाद कराने का कारण बना था और अमृतकाल में

यह देश को विकसित तथा महान बनाने का नारा बनेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा को बंगाल चुनाव से जोड़ने वाले लोग इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को कम आंकने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह विषय राजनीति से परे राष्ट्रीय गौरव का विषय है।

गृहमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् की प्रासंगिकता उसकी रचना के समय भी थी, आजादी के आंदोलन में भी थी, आज भी है और 2047 में विकसित भारत के निर्माण के समय भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां भी देशभक्त एकत्र होते थे, उनकी हर बैठक की शुरुआत वंदे मातरम् के साथ होती थी। आज भी सीमा पर जब वीर जवान सर्वोच्च बलिदान देते हैं, तब उनकी जुबान पर एक ही शब्द होता है—वंदे मातरम। अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में जब वंदे मातरम् का गान होता है, तब इंडी गठबंधन के कई सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं। उन्होंने 1992 का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भाजपा सदस्य राम नाईक की पहल और लालकृष्ण आडवाणी के आग्रह पर लोकसभा में वंदे मातरम् का सामूहिक गान फिर शुरू हुआ, तब भी कई विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति ने राष्ट्रीय गीत को भी बांट दिया। शाह ने कहा, 'मेरे जैसे कई लोगों का मानना है कि अगर कांग्रेस ने तुष्टीकरण की नीति के तहत वंदे मातरम् को दो हिस्सों में नहीं बांटा होता, तो देश का विभाजन नहीं होता और भारत आज भी पूरा होता।

वंदे मातरम् को नारा बनाने वाली कांग्रेस ही थी: खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने वंदे मारतरम् को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू पर हमला करने से पहले भाजपा को इतिहास पढ़ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को नारा बनाने वाली कांग्रेस ही थी। कांग्रेस की परंपरा है कि वह अपने कार्यक्रमों की शुरुआत वंदे मातरम के साथ करे और भाजपा को भी ऐसा ही करके दिखाने की चुनौती दी। राज्यसभा में वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान मंगलवार को खरगे ने कहा, कांग्रेस के नेता भारत माता की जय, महात्मा गांधी की जय, वंदे मातरम के नारे लगाए और जेल गए, लेकिन भाजपा नेताओं ने अंग्रेजों के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जवाहरलाल नेहरू और अन्य कांग्रेस नेताओं का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जब व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए वंदे मातरम के केवल पहले दो पैराग्राफ गाने का निर्णय तत्कालीन कांग्रेस कार्यसमिति का सामूहिक निर्णय था, तो केवल जवाहरलाल नेहरू को ही क्यों निशाना बनाया गया? भाजपा ने नेहरू पर हमला करके समिति के सभी नेताओं और रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान किया है। भाजपा को राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों का अपमान करने के लिए देश से माफ़ी मांगनी चाहिए। खरगे ने कहा कि भाजपा को राष्ट्रीय गीत के प्रति नया प्रेम पैदा हुआ है। यह बहस बंगाल चुनाव को ध्यान में रखकर की जा रही है।

धामी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से की मुलाकात

1,700 करोड़ रुपए की राशि की मंजूरी

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नईदिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंटकर प्रदेश की कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, ग्रामीण विकास को गति देने तथा हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित अवसंरचना के पुनर्निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक के दौरान राज्य की 184 ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए 1,700 करोड़ रुपए की मंजूरी प्रदान की गई, जिनकी कुल लंबाई 1,228 किलोमीटर होगी। सीएम धामी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की हैं। सीएम धामी ने केंद्रीय मंत्री के साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल की प्राकृतिक आपदा में प्रदेश की 946 सड़कें और 15 पुल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनके पुनर्निर्माण के लिए लगभग

650 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों वाले पर्वतीय राज्य के लिए यह क्षति अत्यंत चुनौतीपूर्ण है और ऐसी स्थिति में केंद्र से विशेष सहयोग अपेक्षित है, ताकि प्रभावित अवसंरचना का त्वरित पुनर्निर्माण किया जा सके।मुख्यमंत्री ने हाल की आपदा से क्षतिग्रस्त लगभग 5,900 घरों की मरम्मत के लिए भी उत्तराखंड को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य के लगभग 90 प्रतिशत किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी के हैं और फसलों को जंगली जानवरों से होने वाली क्षति एक गंभीर चुनौती है। इस संदर्भ में उन्होंने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत घेराबंदी कार्यों को शामिल किए जाने पर केंद्र सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने फसलों की सुरक्षा और उत्पादन वृद्धि के लिए अलग से बजट की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए आगामी पांच वर्षों तक प्रतिवर्ष 200 करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था करने का आग्रह किया।

इस पर केंद्रीय मंत्री ने शीघ्र ही अग्रिम धनराशि आवंटित करने का आश्वासन दिया, जिससे घेराबंदी कार्य व्यापक स्तर पर शुरू किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने पीएम-आरकेवीवाई योजना के अंतर्गत स्वच्छता एक्शन प्लान नमामि गंगे क्लीन अभियान हेतु वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत 98 करोड़ रुपए शीघ्र जारी करने का भी आग्रह किया।

एसआईआर की समय-सीमा बढ़े, बैलेट पेपर वापस लाए जाएं : मायावती

जहां करोड़ों मतदाता हैं, वहां एसआईआर प्रक्रिया को जल्दबाजी में पूरा करने का प्रयास उचित नहीं है : (बसपा) सुप्रीमो

एजेंसी

लखनऊ । संसद में चुनाव सुधार पर जारी चर्चा के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण सुधारों की मांग की है। पार्टी का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वर्तमान समय-सीमा बेहद कम है, जिससे बीएलओ पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है और इससे वैध मतदाताओं, विशेषकर गरीब और प्रवासी मजदूरों, के नाम मतदाता सूची से छूटने का जोखिम बढ़ गया है। मायावती ने कहा कि जहां करोड़ों मतदाता हैं, वहां एसआईआर प्रक्रिया को जल्दबाजी में पूरा करने का प्रयास उचित नहीं है, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां 15.40 करोड़ से अधिक मतदाता हैं और निकट भविष्य में कोई चुनाव भी निर्धारित नहीं है। पार्टी ने स्पष्ट कहा कि जल्दबाजी के चलते अनेक वैध मतदाता—जो बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रदत्त संवैधानिक मतदान अधिकार के पात्र हैं—सूची से वंचित

हो सकते हैं, जो पूर्णतः अनुचित है, इसलिए एसआईआर की समय-सीमा को अवश्य बढ़ाया जाना चाहिए।

मायावती ने आपराधिक मामलों के खुलासे से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार प्रत्याशी को अपने आपराधिक इतिहास का पूरा विवरण हलफनामे और स्थानीय अखबारों में प्रकाशित करना होता है, जबकि पार्टी को भी वही जानकारी राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित करने की ज़िम्मेदारी दी गई है।उन्होंने कहा कि कई बार प्रत्याशी अपना आपराधिक इतिहास पार्टी से छुपा लेते हैं और यह जानकारी स्क्रूटनी के दौरान सामने आती है, जिससे अनावश्यक दायित्व पार्टी पर आ जाता है। पार्टी ने सुझाव दिया है कि आपराधिक मामलों के संबंध में सभी औपचारिकताओं की जिम्मेदारी सीधे प्रत्याशी पर ही डाली जानी चाहिए, न कि राजनीतिक दलों पर। अगर कोई प्रत्याशी अपने आपराधिक मामले छुपाता है, तो उससे जुड़ी सभी कानूनी जिम्मेदारियां भी उसी पर तय हों, पार्टी पर नहीं।

आठ चीते 26 जनवरी को बोत्सवाना से मध्य प्रदेश पहुंचेंगे, सरकार ने दी जानकारी

खजुराहो। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश कैबिनेट ने मंगलवार को कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) से कुछ चीतों को नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। राज्य सरकार ने यह महत्वपूर्ण कदम बोत्सवाना (दक्षिण अफ्रीका) से चीतों के नए जत्थे के अगले महीने मध्य प्रदेश पहुंचने से लगभग एक महीने पहले उठाया। चीतों को केएनपी में क्वारंटाइन किया जाएगा। मध्य प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री दिलीप अहिरवार ने मंगलवार को खजुराहो में कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि बोत्सवाना से आठ चीतों का नया जत्था 26 जनवरी को मध्य प्रदेश पहुंचेगा। मंत्री अहिरवार ने कहा कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान से कुछ चीतों को नौरादेही स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सिर्फ भ्रम फैलाने का काम करते हैं: प्रदीप कुमार सिंह

नई दिल्ली। भाजपा नेता प्रदीप कुमार सिंह ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दोनों नेता सिर्फ भ्रम फैलाना ही जानते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि बिहार विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान तेजस्वी यादव सदन में नदारद रहे और लोकसभा में 'वंदे मातरम' की चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गायब रहे। ऐसे में यह दिखाता है कि दोनों नेता सदन के प्रति गंभीर नहीं हैं। ये सिर्फ भ्रम फैलाना जानते हैं, लेकिन जनता ने इन्हें नकार दिया है। नई दिल्ली में प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सिर्फ चुनाव में भ्रम फैलाने का काम करते हैं।

भारत पाकिस्तान या बांग्लादेश नहीं, जहां इस्लामिक कानून चलता हो : गिरिराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली ।मौलाना अरशद मदनी के 'वंदे मातरम' पर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तीखा पलटवार किया और कहा कि मदनी हों या गजनी, यह पाकिस्तान नहीं, बांग्लादेश नहीं, जहां इस्लामिक कानून चलता हो। यह भारत है। गिरिराज सिंह ने मौलाना अरशद मदनी पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत में सभी को संविधान से ही चलना होगा, वह चाहे गजनी हो या मदनी। जो नहीं मानेगा, उसके लिए कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम से सिर्फ उसी को ऐतराज होगा, जो भारत के संविधान को नहीं मानता हो। कानून किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं बनता, कानून देश के लिए बनता है।

सोनिया गांधी को भारत की नागरिकता मिलने से पहले मतदाता बनने के सवाल पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह जांच का विषय है। इतने बड़े परिवार के लोग दोहरी नागरिकता रखें, यह जांच का विषय है। मौलाना अरशद मदनी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर कहा था कि हमें किसी के 'वंदे मातरम' पढ़ने या गाने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन मुसलमान केवल एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इबादत में अल्लाह के सिवा किसी दूसरे को शामिल नहीं कर सकता। उन्होंने आगे लिखा कि वंदे मातरम के चार छंदों में देश को देवता मानकर दुर्गा माता से तुलना की गई है। यह किसी भी मुसलमान की धार्मिक आस्था के खिलाफ है। इसलिए किसी को उसकी आस्था के खिलाफ कोई नारा या गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र सरकार ने गरीबों को 95.5 लाख घर दिए

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की दो स्कीमों के तहत लाभार्थियों को 95.54 लाख घर दिए गए। आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने संसद को यह जानकारी दी। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सप्लीमेंट्री सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने बताया कि 2020 के एक स्लम सर्वे से पता चला है कि देश भर में 1.39 करोड़ घरों वाले 6.5 करोड़ लोग स्लम में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि जमीन और कॉलोनी बनाना राज्य के विषय हैं और स्लम रिहैबिलिटेशन से जुड़ी पॉलिसी और प्रोग्राम संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास हैं। इसलिए, स्लम रिहैबिलिटेशन या रीलोकेशन से जुड़ा डेटा मंत्रालय नहीं रखता है।

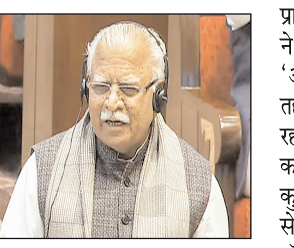

हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीटीडी) में झुग्गी पुनर्वास और विध्वंस कार्य विभिन्न भूमि स्वामित्व वाली एजेंसियों जैसे दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) आदि द्वारा विभिन्न लागू अधिनियमों के प्रावधानों के तहत किए जाते हैं। मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'अपने स्लम रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के तहत, डीडीए ने योग्य झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों का ठीक से रिहैबिलिटेशन करने के बाद तोड़-फोड़ की है। इसमें कुल 5,158 परिवार शामिल हैं, जिनमें से कुल 3,414 डीयूएसआईबी पॉलिसी के अनुसार दूसरे रिहैबिलिटेशन के लिए योग्य पाए गए। 'पात्र निवासियों को सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ वैकल्पिक पुनर्वास प्रदान किया गया है। मंत्री ने बताया कि झुग्गी-झोपड़ी के पुनर्वास और पुनर्स्थापन के दौरान, जमीन मालिक एजेंसियां, लागू करने वाली एजेंसियां और प्रभावित परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) और पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय 25 जून 2015 से पीएमएवाई-यू के तहत पात्र परिवारों, जिनमें झुग्गीवासी भी शामिल हैं, के लिए मकान निर्माण हेतु केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के प्रयासों को पूरक बना रहा है।

वाराणसी में मानव तस्करी के दो दोषियों को उम्रकैद

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) ने बच्चे चुराकर राजस्थान और झारखंड में बेचने के मामले में दो युवकों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला साक्ष्य, गवाहों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर किया गया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत ने सोमवार को दोषी कुलदीप पासवान (झारखंड, कोडरमा निवासी), नंदलाल राम (पश्चिम बंगाल, 24 परगना निवासी) को आजीवन कारावास और 15,000 का जुर्माना प्रत्येक पर लगाया है। 29 अप्रैल 2023 की रात दो बजे राजघाट निवासी पिंकी का एक साल का बच्चा घर से चोरी हो गया। इसके बाद 19 जुलाई 2023 को पुलिस ने कोडरमा से कमलेश पासवान को गिरफ्तार किया। कमलेश ने पूछताछ में बताया कि अनुराधा देवी (कोडरमा) ने उसके माध्यम से बच्चे को पश्चिम बंगाल के नंदलाल राम को बेचा। 20 जुलाई 2023 को पुलिस ने कुलदीप पासवान को लेकर नंदलाल राम के ठिकाने पर पहुंची, बच्चे को सकुशल बरामद किया और नंदलाल राम को गिरफ्तार किया। कोर्ट ने गवाह, साक्ष्य और पुलिस चार्जशीट के आधार पर दोनों को दोषी पाया। बच्चे को अगवा करने वाली कार भी बरामद कर जब्त की गई थी। अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण आठ अन्य आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। उसमें जगबीर बरनवाल, संतोष साव, अनुराधा देवी, गुड़िया, संगीता देवी, मनीष जैन, संतोष गुप्ता, शिखा देवी का नाम शामिल है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बच्चों की चोरी करके दलालों के माध्यम से राजस्थान, झारखंड और बिहार में निसंतान दंपती या जरूरतमंद लोगों को दो से पांच लाख रुपये में बेच देता था। इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाते ही बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत, 4 की मौत... बाकी का इलाज जारी

छतरपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के छतरपुर के खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां से गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को ग्वालियर रेफर किया गया। जहां 4 कर्मचारियों की मौत हो गई। बाकी का इलाज हो रहा है। जानकारी के अनुसार, ग्वालियर जाने के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। दो की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, 5 का इलाज जारी है। इसमें दयाराम, हार्दिक, रवि, रोशनी और गोलू शामिल हैं। इसमें रवि, रोशनी और गोलू वेंटिलेटर पर हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है। डॉक्टर ने फूड पॉइजनिंग के लक्षण बताए हैं। पहले जानकारी मिली थी कि 9 कर्मचारियों को छतरपुर जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल रेफर किया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर 4 लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया, जहां चारों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीन कर्मचारियों की मौत हुई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने इनके परिजनों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रशासन ने रिसॉर्ट सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि रिसॉर्ट मालिक विनोद कुमार गौतम बेल्जियम में रहते हैं। वहीं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पोस्ट कर लिखा, जिस खजुराहो में कैबिनेट, उसी जिले में 4 मौत हो गई, लेकिन सत्ता के महलों में बैठे मंत्री मौन हैं। 9 पीड़ित अस्पताल पहुंचाए गए, किंतु निर्लज्जता से भरी हुई निर्मम सरकारी कुर्सियां, उसी इलाके में सरकारी खर्चे पर मौज करती रहीं।

राज्यसभा में आप सांसद संजय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा में एक नोटिस पेश किया, जिसमें यूपी में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की। संसद का निचला सदन चुनाव सुधारों के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसमें कई राज्यों में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा शामिल होगी। विपक्षी दल महीनों से एसआईआर पर बहस की मांग कर रहे हैं, कांग्रेस मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एसआईआर के मुखर आलोचक रहे हैं और उनका आरोप है कि सरकार इस प्रक्रिया का इस्तेमाल असली मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कर रही है। केसी वेणुगोपाल चुनाव सुधारों पर बहस में भाग लेने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। अन्य नेताओं में मनीष तिवारी, वर्षा गायकवाड़, मोहम्मद जावेद, उज्ज्वल रमन सिंह, ईसा खान, रवि मल्लू, इमरान मसूद, गोवाल पदवी और एस ज्योतिमणि शामिल हैं। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर चर्चा शुरू करने की संभावना है। लोकसभा और राज्यसभा में पूरी चर्चा के लिए कुल 10 घंटे तय किए गए हैं। राहुल गांधी एसआईआर अभियान की लगातार आलोचना करते रहे हैं, उन्होंने मतदाता सूची में विसंगतियों और बीएलओ पर दबाव का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर एक सोची-समझी चाल है। जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और अनावश्यक दबाव से बीएलओ की मौतों को सह-क्षति बताकर खारिज कर दिया है। यह कोई विफलता नहीं, बल्कि एक साजिश है। सत्ता में बैठे लोगों को बचाने के लिए लोकतंत्र की बलि चढ़ाई गई है।

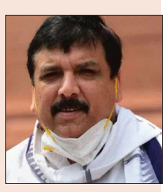

घटना के फौरन बाद फुकेत भाग गए नाइट क्लब के मालिक, आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने कहा है कि नाइट क्लब के मालिकों का देश छोड़कर थाईलैंड भाग जाना, पुलिस जांच से बचने की उनकी मंशा को दिखाता है। नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना तब हुई है, जिसमें दिल्ली स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा आग लगने की घटना शुरू होने के करीब छह घंटे बाद इंडिगो की उड़ान से फुकेत भाग गए थे। पुलिस उपाधीक्षक और जनसंपर्क अधिकारी नीलेश राणे ने बताया मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क करने पर पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे, यानी घटना के तुरंत बाद, उड़ान (नई दिल्ली से फुकेत) में सवार हुए थे। इससे पुलिस जांच से बचने की उनकी मंशा का पता चलता है। इंडिगो की उड़ान रद्द होने की खबर उस समय में आई है जब पूरे भारत में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है, इस हफ्ते कई हवाई अड्डों पर हज़ारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर अदालत सख्त, कहा-चुनाव आयोग संज्ञान में लाए, हम आदेश पारित करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

पश्चिम बंगाल में पांच आईएएस नियुक्त

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए एसआरओ होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया की जांच मजबूत होगी। राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण 4 नवंबर को शुरू हुआ था। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के लिए मिला करीब तीन करोड़ रुपये का चंदा

हुमायूं कबीर के करीबियों ने बताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद के लिए मिले चंदे की राशि करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विधायक के सहयोगियों ने बताया कि कबीर ने रेजिनगर में इस मस्जिद का शिलान्यास किया था।

कबीर के अनुसार, स्थल पर 12 दान पेटियां रखी गई थीं। अब तक इन पेटियों से 57 लाख रुपये की गिनती हुई है, जबकि क्यूआर कोड भुगतान के माध्यम से 2.47 करोड़ रुपये मिले हैं। योगदान के लिए शिलान्यास स्थल पर एक दान पेटी अब भी रखी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया था कि मस्जिद बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करीब 1.3 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चंदे के लिए जगह-जगह लगाए गए दानपात्र करीब भर चुके हैं और नकदी गिनने वाली मशीनों की मदद से रात भर चंदे की गिनती चलती रही। उन्होंने बताया कि लोग दान नकदी और ऑनलाइन दोनों तरीके से दे रहे हैं। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चार दान पेटियों और एक बोरी से अब तक कम से कम 37.33 लाख रुपये नकद गिने गए हैं, जबकि क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन योगदान 93 लाख रुपये तक पहुंच गया है, जिससे कुल राशि 1.30 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि सात और सीलबंद पेटियों को खोला जाना बाकी है।

भारत घूमने आया चीनी शख्स, बिना अनुमति कश्मीर-लद्दाख के संवेदनशील क्षेत्रों में घूमता मिला

-पुलिस ने पकड़ा, मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा, जांच एजेंसियां अलर्ट

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर में पकड़े गए एक चीनी नागरिक मामले ने सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। यह युवक पर्यटक वीज़ा पर भारत आया था, लेकिन जिस तरह वह बिना अनुमति संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्रों में घूमता रहा, उसने जांच एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। अब उसके मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं उसने कोई गोपनीय जानकारी तो साझा नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हू कॉनताई नाम का यह 29 साल का शख्स 19 नवंबर को दिल्ली आया था। उसके वीज़ा में केवल कुछ चुनिंदा बौद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा की अनुमति थी- जैसे वाराणसी, आगरा, दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर। इसके बावजूद वह लद्दाख के लेह, जांस्कर और कश्मीर घाटी के कई संवेदनशील इलाकों में घूमता रहा। जांस्कर में उसने तीन दिन बिताए और ऐसे स्थानों का दौरा किया जिन्हें रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है। वह न केवल वहां घूमता रहा, बल्कि उसने किसी भी एफआरआरओ कार्यालय में पंजीकरण भी नहीं करवाया, जो विदेशी नागरिकों के लिए जरूरी है।

यह चीनी शख्स ट्रैवल रूट कई ऐसी जगहों से होकर गुज़रा, जहां आमतौर पर सुरक्षा कारणों से विदेशी पर्यटकों को रोक दिया जाता है। उसने दक्षिण कश्मीर के हावड़वान स्थित बौद्ध मठ और अवंतीपोरा के बौद्ध अवशेष देखे-जो सेना की विक्टर फ़ोर्स मुख्यालय के बेहद करीब हैं। इसके अलावा उसने हज़रतबल, शंकराचार्य हिल, डल झील और मुगल गार्डन जैसे स्थानों का भी दौरा किया।

भारत आने के तुरंत बाद उसने खुले बाजार से भारतीय सिम कार्ड भी हासिल किए, जो शक को और गहरा कर रहे हैं। उसके फोन में सीआरपीएफ तैनाती और अनुच्छेद 370 हटाए जाने से जुड़े विषयों की ऑनलाइन खोजें मिली हैं। जांचकर्ता यह भी पता लगाने में जुटे हैं कि क्या उसने कुछ ब्राउज़िंग डेटा हटाया है। पूछताछ में उसने बार-बार यह कहने की कोशिश की कि उसे वीज़ा नियमों की जानकारी नहीं थी। वह खुद को एक शौकिया यात्री बता रहा है और दावा करता है कि उसने बोस्टन यूनिवर्सिटी में फिजिक्स पढ़ी है और पिछले नौ साल से अमेरिका में रह रहा था। उसके पासपोर्ट पर अमेरिका, न्यूज़ीलैंड, ब्राज़ील, फिजी और हांगकांग जैसे देशों की यात्रा मुहरें भी मिली हैं।

मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी का कहर बढ़ाया, राजस्थान में फिर से शीतलहर का दौर शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी का कहर बढ़ा दिया है। शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम तापमान 4.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। कई शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे जा सकता है।

राजस्थान के 19 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। फतेहपुर में सबसे कम, 4.4 डिग्री पारा दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने राज्य में 10 दिसंबर से शीतलहर चलने की आशंका जाहिर की है। दूसरी तरफ, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। उत्तराखंड के चमौली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ सहित कई जिलों में तेज बर्फबारी हुई। पहाड़ पूरी तरह से सफेद नजर आए।

कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। बड़ी संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग बर्फबारी का मजा लेते हुए दिखे। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला स्थित रोहतांग दर्रे में बर्फबारी हुई। इसके कारण मनाली-लेह सड़क बंद कर दिया गई।

राजस्थान में फिर से शीतलहर का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, 10 दिसंबर से शीतलहर का प्रभाव महसूस होगा। शेखावाटी और उसके आसपास के एरिया में सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर में 2 दिन का यलो अलर्ट है। तापमान में 1 से 2 डिग्री तक गिरावट देखने को मिल सकती है। उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ में पहाड़ों पर बर्फ की सफेद परत बिछ गई है। यहां नदी, नाले और झरने भी जम गए हैं। केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस और बद्रीनाथ में माइनस 14 डिग्री सेल्सियस चला गया है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के रोहतांग दर्रे और अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में सोमवार को बर्फबारी हुई। खराब मौसम के कारण मनाली-लेह मार्ग को दारचा से आगे बंद कर दिया गया है।

अभिनेता विजय की रैली में बंदूक लेकर घुसा शख्स... रैली में मचा हड़कंप

-युवक-युवतियां और महिलाएं बैरिकेड फांदकर अंदर घुस गई

पुडुचेरी (एजेंसी)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय ने पुडुचेरी स्थित उप्पलम के एक्सपो ग्राउंड (न्यू पोर्ट) में विशाल रैली की। इस दौरान तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने बंदूक लेकर घुसने की कोशिश की, इससे रैली में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पास लाइसेंसी रिवॉल्वर है। शख्स ने बताया कि वह एक निजी सुरक्षा अधिकारी है, लेकिन समय पर नहीं पहुंचने के कारण अपनी टीम के साथ नहीं जा पाया।

दूसरी तरफ अभिनेता विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई। रैली में सिर्फ 5,000 लोगों की एंट्री की अनुमति दी गई थी। लेकिन, बड़ी संख्या में लोग रैली स्थल पर पहुंच गए। युवक-युवतियां और महिलाएं बैरिकेड फांदकर अंदर घुस गई। रैली में पहुंचे लोग विजय की झलक पाने के लिए पास के पेड़ों पर भी चढ़ गए।

भीड़ काबू करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। 27 सितंबर को करूर में टीवीके की रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी। भगदड़ के बाद विजय की यह पहली जनसभा थी। तमिलनाडु सरकार ने विजय को रैलियां निकालने की अनुमति देने से इंकार किया था।

विजय ने कहा कि केंद्र तमिलनाडु और पुडुचेरी को अलग-अलग मानती है, लेकिन हमारे लिए दोनों एक हैं। विजय ने कहा कि केंद्र ने पुडुचेरी के विकास में उसका साथ नहीं दिया है। पुडुचेरी विधानसभा ने सालों से राज्य का दर्जा देने की मांग वाले 16 प्रस्ताव पारित किए हैं। लेकिन केंद्र ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

ओवैसी ने बनाई दूरी अब हुमायूं कबीर के साथ गठबंधन नहीं करेगी एआईएमआईएम

हैदराबाद (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के साथ किसी भी चुनावी गठजोड़ से सोमवार को इनकार किया। साथ ही उनके प्रस्तावों को राजनीतिक रूप से संदिग्ध और वैचारिक रूप से असंगत बताया। एआईएमआईएम की ओर से यह बात ऐसे समय में कही गई है जब हुमायूं कबीर ने कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक समारोह में मस्जिद की नींव रखी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने कहा कि कबीर को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है। वकार ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कबीर को अधिकारी के राजनीतिक तंत्र का हिस्सा माना जाता है। और यह सर्वविदित है कि अधिकारी भाजपा के राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व के मुख्य रणनीतिक ढांचे के भीतर काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय उकसावे से प्रेरित राजनीति का समर्थन नहीं करता। एआईएमआईएम नेता ने कहा, मुस्लिम समुदाय राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है, उसे तोड़ने में नहीं। वह देश को मजबूत करने वाली ताकतों के साथ खड़ा है और अशांति और विभाजन पैदा करने वालों को नकारता है।

पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का उल्लेख करते हुए वकार ने कहा, ओवैसी साहब की राजनीति संवैधानिक मूल्यों, शांति और सामाजिक सद्भाव पर आधारित है। वह ऐसे किसी भी व्यक्ति से नहीं जुड़ सकते जिसके कार्य एकता को खतरे में डालते हों, सामाजिक मतभेदों को गहरा करते हों या विनाश की राजनीति को बढ़ावा देते हों। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान कबीर के हालिया कदमों के पीछे की राजनीतिक मजबूरियों से पूरी तरह वाकिफ हैं। वकार ने कहा, लोग साफ तौर पर समझते हैं कि वह किसके इशारे पर, किस हद तक और किस मकसद से काम कर रहे हैं। कबीर को पिछले सप्ताह पार्टी नेतृत्व के साथ बार-बार टकराव के बाद टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नया राजनीतिक दल बनाने की योजना की घोषणा की है।

आदित्य ठाकरे का दावा- एकनाथ शिंदे के 22 विधायक बदलेंगे पाला?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में आए दिन उथल पुथल की खबरें सुनाई देती हैं। हालांकि इसमें सच कितना है ये तो सियासतदार ही जाने पर जिस तरह के बयान आते हैं वो ठहरे हुए पानी में कंकर का काम कर ही देते हैं। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि महायुति के एक सहयोगी दल के 22 विधायक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी हो गए हैं और पाला बदलने को तैयार हैं। उनका परोक्ष तौर पर इशारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना की ओर था। हालांकि, सीएम ने इस दावे से इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि शिंदे सेना सहयोगी दल है।

जून 2022 में, शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के विद्रोह के बाद शिवसेना विभाजित हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में, जनवरी 2024 में, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा था कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट असली शिवसेना है, जो भाजपा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ राज्य में सत्तारूढ़ महायुति का एक घटक है। आदित्य ठाकरे ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का नाम लिए बिना दावा किया, सत्ता पक्ष की एक पार्टी है और दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक मुख्यमंत्री के करीबी हो गए हैं। उनके पास अच्छा धन है और वे मुख्यमंत्री के इशारों पर नाचने लगे हैं। उन्होंने विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि 22 विधायक पाला बदलने को तैयार हैं। वर्ली से विधायक ठाकरे ने कहा कि इन 22 विधायकों में से एक खुद को उप-कप्तान कहता है। उनका परोक्ष तौर पर इशारा उद्योग मंत्री उदय सामंत की ओर था। अतीत में, शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया था कि शिंदे और अजित पवार के साथ सामंत राज्य के तीसरे मुख्यमंत्री हो सकते हैं। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं की नियुक्ति को लेकर निष्क्रियता के मुद्दे पर, आदित्य ठाकरे ने सवाल किया कि सरकार विपक्ष के नेताओं से क्यों डरती है। फडणवीस ने कहा, अगर कोई ऐसा कहता है, तो कल कोई और दावा कर सकता है कि आदित्य ठाकरे के 20 विधायक भी भाजपा के साथ हैं। सिर्फ कह देने से कुछ नहीं होता। उन्होंने साफ किया है कि भाजपा को उनके विधायक लेने की कोई जरूरत नहीं है।

2026 में पांच राज्यों में होंगे विधानसभा चुनाव, कई क्षेत्रों में उपचुनाव की भी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त होने के साथ ही देश एक नए चुनावी दौर में प्रवेश कर रहा है। आने वाले महीनों में देश के कई राज्यों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होंगी, क्योंकि वर्ष 2026 में पांच प्रमुख राज्यों- असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इन राज्यों में चुनावी तैयारियां धीरे-धीरे गति पकड़ने लगी हैं और क्षेत्रीय दलों से लेकर राष्ट्रीय पार्टियों ने अपनी रणनीतियों को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

असम में विधानसभा की 126 सीटें हैं, जहां चुनाव आमतौर पर जातीय संतुलन, विकास कार्यों और क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों पर केंद्रित रहते हैं। केरल की 140 सीटों वाली विधानसभा में वाम मोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन हर चुनाव में कड़ा मुकाबला देते हैं, जिससे यह राज्य देश की राजनीति में अलग पहचान रखता है। वहीं, दक्षिण का सबसे बड़ा राज्य तमिलनाडु, जिसकी विधानसभा में 234 सीटें हैं, द्रविड़ राजनीति का गढ़ माना जाता है और यहां एआईएडीएमके तथा डीएमके के बीच मुख्य मुकाबला रहता है। पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल 294 सीटों वाली विधानसभा के साथ राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले चुनावों में यहां तीखे राजनीतिक टकराव देखने को मिले थे, और 2026 में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है। पुडुचेरी, जहां विधानसभा की 30 सीटें हैं, आकार में भले छोटा हो, लेकिन दक्षिण भारतीय राजनीति में इसकी भूमिका अहम मानी जाती है।

यहां हो सकते हैं उपचुनाव

इसी बीच, देश के विभिन्न हिस्सों में कई विधानसभा सीटें विधायकों के निधन के कारण रिक्त हो गई हैं, जिन पर उपचुनाव कराए जाने हैं। गोवा की पोंडा सीट 15 अक्टूबर को भाजपा विधायक रवि नाइक के निधन के बाद खाली हुई। कर्नाटक की बागलकोट सीट कांग्रेस विधायक एच.वाई. मेती के 4 नवंबर को निधन के बाद उपचुनाव की प्रतीक्षा में है। महाराष्ट्र की राहुरी सीट भी भाजपा विधायक शिवाजी कर्डिले के 17 अक्टूबर को निधन के बाद रिक्त है। मणिपुर की ताडुबी सीट 18 जनवरी से खाली है, जहां पहले एनपीपी के एन. काियसि विधायक थे। इसके अलावा नागालैंड की कोरिडांग सीट भी 11 नवंबर को भाजपा विधायक इमकोंग एल. इमचेन के निधन के बाद खाली हो चुकी है।

चुनाव आयोग इन उपचुनावों की तिथियों की घोषणा जल्द कर सकता है। इस प्रकार देश आने वाले नए साल के चंद महीनों में ही एक बार फिर व्यापक चुनावी सरगर्मी से गुजरने वाला है। ऐसे में इन चुनावों में जहां राजनीतिक दलों की सक्रियता देखने को मिलेगी वहीं जनता की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण होगी।

ग्रेटर नोएडा में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का पहला भारत कैंपस होगा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली- 09 दिसंबर। ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने आज वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ उत्तर प्रदेश का पहला विदेशी यूनिवर्सिटी कैंपस नोएडा में स्थापित करने के लिए अपनी पार्टनरशिप को औपचारिक रूप दिया। यह समझौता त्हद्धष्ठ के क्षेत्र को वैश्विक शिक्षा और इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में आगे बढ़ाने के विजन के अनुरूप है। इस समझौते पर हस्ताक्षर नई दिल्ली के आईटीसी मौर्या में ऑस्ट्रेलिया सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और भारत के उच्च शिक्षा समुदाय के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में हुए। प्रमुख उपस्थित लोगों में उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास और निगम आलोक कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार एमपी अग्रवाल, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और वाइस प्रेसिडेंट प्रोफेसर जॉर्ज विलियम्स, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की प्रोवोस्ट प्रोफेसर डेबोरा स्वेनी, डेलॉइट के निदेशक अरविंद गुप्ता और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के ACEO सौम्या श्रीवास्तव शामिल थे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया सरकार के शिक्षा मंत्री मा0 जेसन क्लेयर सांसद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी और VNMKV, IIT रोपड़ और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक नेता भी शामिल थे। यह पार्टनरशिप ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी परिसर के भीतर WSU के नए कैंपस की स्थापना का समर्थन करती है और सस्टेनेबिलिटी, जल प्रबंधन, कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिजनेस इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में वैश्विक शिक्षण, अनुसंधान और उद्योग-जुड़े शिक्षण तक पहुंच को मजबूत करेगी। अपने चरणबद्ध लॉन्च के हिस्से के रूप में, यूनिवर्सिटी पहले साल में बिजनेस एनालिटिक्स, मार्केटिंग, डेटा साइंस, सस्टेनेबल वॉटर फ्यूचर्स और एग्रीकल्चर में प्रोग्राम पेश करने की योजना बना रही है, जिसके बाद दूसरे साल में इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में स्क्र प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा, उत्तर प्रदेश शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों में तेजी से बढ़ रहा है, और इस तरह की पार्टनरशिप यह दिखाती हैं कि दुनिया अब हमारे राज्य के विकास एजेंडा पर कितना भरोसा करती है। एक प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी का आना सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, यह हमारे युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए अवसरों का एक नया क्षितिज खोलता है, जो असाधारण उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। यह कैंपस उन्हें उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेगा, जिन्हें राज्य के भीतर हासिल करना पहले मुश्किल था। जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, इस तरह

के सहयोग कुशल, भविष्य के लिए तैयार प्रतिभा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे जो भारत की विकास गाथा में सार्थक योगदान देगी। इस सहयोग पर विचार करते हुए, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास और निगम के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा यह सहयोग हमारे युवाओं की आकांक्षाओं और राज्य में उनके लिए उपलब्ध अवसरों के बीच के अंतर को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश में देश की सबसे युवा आबादी में से एक है, और ग्रेटर नोएडा ने पहले ही खुद को प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और नवाचार के लिए एक संपन्न केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया है। मुझे विश्वास है कि वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की उपस्थिति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और उभरते क्षेत्रों में वैश्विक विशेषज्ञता लाकर इस इकोसिस्टम को और मजबूत करेगी। यह रणनीतिक साझेदारी उच्च-गुणवत्ता वाले शैक्षणिक रास्ते और उद्योग-संरेखित कौशल बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है जो छात्रों को कल की अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार करते हैं। ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करते हुए, ऑस्ट्रेलिया सरकार के शिक्षा मंत्री, मा0 जेसन क्लेयर स्क्र ने कहा यह साझेदारी शानदार तरीके से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच युवाओं को एक स्थायी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए ज़रूरी कौशल हासिल करने में मदद करने की साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख संस्थानों में से एक है, और भारत में इसकी उपस्थिति हमारे शैक्षिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुझे यह नया अध्याय शुरू होते देखकर गर्व हो रहा है, क्योंकि यह सिर्फ एक अकादमिक साझेदारी से कहीं ज़्यादा है, यह विश्वास, सम्मान और अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। नए कैंपस के लिए ङ्करू के विज़न को साझा करते हुए, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और वाइस प्रेसिडेंट, प्रोफेसर जॉर्ज विलियम्स ने कहा, ग्रेटर नोएडा हमारे पहले कैंपस के लिए भारत में स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरा क्योंकि यह वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के मिशन और विकास की महत्वाकांक्षाओं के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। इसके नियोजित इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर इसकी मज़बूत कनेक्टिविटी और बढ़ते इनोवेशन इकोसिस्टम तक, यह क्षेत्र उच्च-गुणवत्ता वाली वैश्विक शिक्षा के लिए आदर्श आधार प्रदान करता है। हमारा लक्ष्य इन क्षेत्रों में भारत की प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए सस्टेनेबिलिटी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रौद्योगिकी और उद्योग-एकीकृत शिक्षा में गहरी विशेषज्ञता लाना है। हम एक ऐसा कैंपस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो भारत और उसके बाहर के छात्रों के लिए विश्व स्तरीय कादमिक अनुभव, मज़बूत उद्योग साझेदारी और परिवर्तनकारी अवसर प्रदान करे। अपने संबोधन में, ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की ष्टश्वह्र, सौम्या श्रीवास्तव ने कहा, त्हद्धष्ठ को वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के लिए हमारे परिसर में लगभग चालीस हज़ार वर्ग फुट जगह आवंटित करते हुए खुशी हो रही है। यह साझेदारी वैश्विक संस्थानों और दूरदर्शी शैक्षिक पहल के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में ग्रेटर नोएडा की तेज़ी से बढ़ती प्रतिष्ठा की पुष्टि करती है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति हमारे अकादमिक परिदृश्य को काफी समृद्ध करेगी। साथ ही, यह अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग एकीकरण में गहरे सहयोग के अवसर भी पैदा करेगा, जो एक विश्व स्तर पर जुड़े और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में ग्रेटर नोएडा की भूमिका को मज़बूत करेगा। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की प्रोवोस्ट, प्रोफेसर डेबोरा स्वीनी ने सभी भागीदारों की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए और नए कैंपस की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए समारोह का समापन किया जो भारत की अगली पीढ़ी के शिक्षार्थियों और नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाएगा। यह कार्यक्रम वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी और GNIDA के बीच औपचारिक दस्तावेज़ों के आदान-प्रदान के साथ समाप्त हुआ, जो शिक्षा, अनुसंधान और भविष्य के लिए तैयार स्किल्स पर आधारित एक लंबे समय के सहयोग की शुरुआत है।

Public Notice

LR No: 3414297/2025
MAHINDER SINGH,S/O SH. GOPI LAL, HOUSE NO-9587/10, GAWSHALA BARADARI KAMALA NAGAR MALKA GANJ, NORTH WEST, 110007
sonasystemsdelhi@gmail.com(AADHAR NO-676624638199 (c) Place of Loss RITHALA, RITHALA METRO, NORTH WEST delhi 110007, PROPERTY DOCUMENT, I LOST MY ORIGINAL PROPERTY DOCUMENT
(1)Document No 1921 Year 18.07-2005. ItemNo 1 S/No 99/2 Land Measuring 37 Guntas. ItemNo 2 S/No 99/4 Land Measuring 21 Guntas. (2) Document No 2569 Year 22.08.2005. Item No 1 S/No 99/2 Land Meauring 18 1/2 Guntas. DNH-1-01921-2005-06 Stored InCDNO DNHD55 In the Office of the Sub -Register- Devanahalli. (3) DNH-1-02569-2005-06 Stored InCDNo DNHD58 in the Office ofthe Sub Registrar Devenahalli. Lands Situated InDevanahalli Village, Kasaba Hobli, Devanahalli Taluk Bangalore Rural District Karnatka. pH no 9958168128.

Public Notice

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Rashmi Mahajan** is the owner of Built Up Mezzanine Floor and Ground floor, admeasuring 29.33 Sq. Mtrs. (Each Floor),(without Terrace/Roof Rights), Property Bearing No. 76 (Old), New No. 5511, Situated at G.B. Road, Shardhanand Marg, Delhi-110006 vide 2 Gift Deeds dated 07.06.2024 which is registered as doc. no. 2024/24/I/5911, book no.1, vol. no. 20927, Page no. 57 to 72, on 10.06.2024, SRO-Central Asaf Ali. And other one is registered as Doc. No.2024/24/I/5910, Book No. I, Vol. No. 20927, Pages No. 41 to 56, Dated 10.06.2024, SR-Central Asaf Ali and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot no. 100, First Floor
Okhla Phase III,
Okhla Industrial Estate,
New Delhi – 110 020
Contact #011-49774545

Public Notice

It is for general information that I, Shaji Chirakkakam Samuel S/O John R/O G-91, Sector -20, Noida, PO: Noida , Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301, declare that name of mine and my wife have been Wrongly Written as Shaji and Sowmiya in my minor daughter's namely Vajana C Shaji aged 15 years in her School record. The actual name of mine and my wife are Shaji Chirakkakam Samuel and Soumya Soman.

NAME CHANGE

I, Akash C/O Mukesh R/O 609, south krishnapuri, Muzaffarnagar, PO: Muzaffar Nagar City, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251002, have changed the name of my minor son Deepanshu 9 years and she shall hereafter be known as Vivan Singhal.

NAME CHANGE

I, Akash C/O Mukesh R/O 609, south krishnapuri, Muzaffarnagar, PO: Muzaffar Nagar City, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251002, have changed the name of my minor daughter Divya 11 years and she shall hereafter be known as Aaradhya Singhal.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बाबू लाल, निवासी: मकान नम्बर-377, गली नम्बर-2, ब्लॉक-बी, बाबा कॉलोनी, बुराड़ी, उत्तरी दिल्ली-110084 ने अपने बेटे अशोक सुपुत्र श्री सुरेश कुमार एवम अंजू पत्नी श्री अशोक (पुत्रवधु) को लडाई-झगडा करने, गाली-गलौच करने तथा गलत आचरण एवम दुर्व्यहार व किसी प्रकार की अच्छी बात नहीं मानने के कारण मेरे मुवक्किल ने दोनों को अपनी समस्त चल और अचल सम्पति से अपने बेटे अशोक एवम पुत्रवधु अंजू को बेदखल कर रहा हैं और इन दोनों से अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर रहा हैं और भविष्य में कोई भी व्यक्ति इनके साथ किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन करता है या फिर किसी अपराधिक गतिविधि में लिप्त पाया जाता है, तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगें। इसमें मेरी मुवक्किल की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी।

ARVIND KUMAR JHA
ADVOCATE
225, Gajanand Block
Tis Hazari Courts, Delhi-54

Public Notice

It is for general information that I Suhana Kauser D/O: Mohammad Bilal, R/O E-11 F/F, KH No. 654, Main 60ft Road, Shri Ram Colony, Rajiv Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi 110094, declare that name of my Father and my Mother has been wrongly written as Mohd Bilal and Hina Kauser in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my Father and my Mother are Mohammad Bilal and Hina Kausar

Public Notice

It is for general information that I Saba Malik D/O: Mohammad Bilal, R/O E-11 F/F, KH No. 654, Main 60ft Road, Shri Ram Colony, Rajiv Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi 110094, declare that name of my Father has been wrongly written as Mohd Bilal in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my Father is Mohammad Bilal , respectively which May Be amended accordingly.

Public Notice

NOTICE is hereby given to public at large that my client **SRF RIBBONS & Mr. Neelu Kumar** is purchasing the Built Up Plot No. E-24, admeasuring 500 Sq. yards, out of Khasra no. 341, Logi Extension International Park By Teja Buildtech, Village Madapur, Mustafabad, Reliance Road, Tehsil Dhaulana, District Hapur, U.P from M/s. Radha Brij Build Tech Pvt. Ltd. who is the owner of entire land vide Sale Deed dated 05.06.2024 which was registered as doc. no. 8849, book no.1, vol. no. 6549, Page no. 115 to 130, on 05.06.2024, SRO- Dhaulana, Hapur and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot no. 100, First Floor
Okhla Phase III,
Okhla Industrial Estate,
New Delhi – 110 020
Contact #011-49774545

NAME CHANGE

I, CHETNA SHARMA W/O RAHUL CHAWLA R/O WZ-39 1ST FLOOR GALI NO-18 PHASE-3 OM VIHAR UTTAM NAGAR DELHI-110059 . have changed my name to CHETNA CHAWLA for all future purposes.

Public Notice

It is for general information that I, Anoj S/O Dhanpal Singh R/O House N. -64,Gali N.-2,Jagat Pur , Burari, North Delhi, Delhi -110084, declare that name of mine has been wrongly written as Anoj Kumar in my minor daughter namely Himanshi Dedha aged 17 years in her 10th educational documents. The actual name of mine is Anoj

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्वकिल धनि राम सुपुत्र स्वर्गीय श्री लाल चन्द और रामेश्वरी पत्नी श्री धनि राम निवासीगण ई-504, ब्लॉक-ई, जे.जे. कॉलोनी, कैंप नं0-2, नांगलोई, नई दिल्ली-110041, ने अपने पुत्र दीपांकर को उसके द्वारा नियंत्रण से बाहर होने, परेशान करने व उसके द्वारा किये गये दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर उससे अपने सभी रिश्ते नाते समाप्त कर पारिवारिक संबंध-विच्छेद कर लिए हैं । दीपांकर पर हुए लेन देन, पुलिस केस, मुकदमेबाजी आदि की जवाबदेई मेरे मुव्वकिल, मुवक्किला व उनके परिवार की नही होगी तथा इसके लिये ये स्वयं जिम्मेदार माने जायेंगे।

Ly Madhur Agarwal.

Public Notice

General public is hereby informed that my client Sh. Udai Singh Shakatawat, S/o Sh. Khuman Singh Shakatawat and Smt. Lalakunvar W/o Udai Singh Shakatawat both R/o 522, Adarsh Colony, titardi, th. Girwa Udaipur, Girwa, Udaipur, Rajasthan-313001. have disowned and disinherited his/her disobedient Son namely, Rajpal Singh Shaktawat from all his/her movable and immovable properties and have served and disconnected all their relations with him. Any person dealing with said Rajpal Singh Shaktawat shall be doing so at own risk and responsibility.

Krishan Somawat
(Advocate)
Chamber No. 688, Lawyer's Chamber Block, Dwarka Court,
New Delhi-1175
M-9810256781

NAME CHANGE

I Hemant Lal S/o Kundan Lal R/o A-4/422, Paschim Vihar-110063 Have Change My To Hemant Lal Nawal For All Future Purposes

NAME CHANGE

I Dimple W/o Hemant Lal Nawal R/o A-4/422 paschim Vihar-110063 Have Changed My Name to Dimple Nawal For all Future Purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, KUNAL S/o RAM PRAVESH, R/o 47/18, Gali No.-10, Mohan Baba Nagar, Tajpur, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044, declare that name of my father has been wrongly written as RAM PRAWASH in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father is RAM PRAVESH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Lakshmi Chand Garg, S/o Churia Mal, R/O House no. 108, ward no. 07, assandh, Karnal, Haryana-132039, have changed my name to Lakhmi Chand.

NAME CHANGE

I, SUNIL GUPTA S/O MAHINDER PAL R/O RZ-77 GALI NO-6 MOHAN BLOCK WEST SAGAR PUR DELHI-110046. have changed my name to SUNIL KUMAR GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Prithvi Singh s/o Pritpal Singh R/o 29, Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014 have changed my name to Prithvipal Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PREM NATH TIWARI Father of JC-388641L Rank-SUB Name-SANTOSH KUMAR TIWARI residing at VILL-JHAUWA, PO-JHAUWA, TEHSIL&PS-AURAI, DIST-BHADOHI, UTTAR PRADESH-221402, have changed my name from PREM NATH TIWARI to PREM NATH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 08/11/1949 Vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SONKALI DEVI Mother of JC-388641L Rank-SUB Name-SANTOSH KUMAR TIWARI residing at VILL-JHAUWA, PO-JHAUWA, TEHSIL&PS-AURAI, DIST-BHADOHI, UTTAR PRADESH-221402, have changed my name from SONKALI DEVI to SONKALLI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 09/10/1951 Vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, PAWAN SHARMA S/O SURENDRA KUMAR SHARMA R/O 166, VIVEKANAND NAGAR, GHAZIABAD-201001, have changed the name of my minor daughter DIYA SHARMA aged 15 years and she shall hereafter be known as DIVYA SHARMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I Smt Ram Beti D/o Azad Babu Pal and W/o Ram Gopal Pal R/o 23, Gadriyan Purwa, Thana Naubasta, Kanpur, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh-208021, have changed my name to Nanhi.

NAME CHANGE

I, Mohammad Umar S/o Abdul Ghafoor R/o House no. K-8, Ist Floor, Abdul Fazal Enclave, Part-1, Jamia Nagar, South Delhi - 110025, have changed my name to Mohd Umar for all future purposes

NAME CHANGE

I Diwakar Sharma S/o Devendra Sharma R/o D-2/22, Mahindra Enclave, Shastri Nagar, Ghaziabad, Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed the name of my minor daughter Prakriti Vats alias Tanushree Vats aged 4 years and she shall hereafter be known as Tanushree Vats.

NAME CHANGE

I, Babeeta W/o Om Kumar, R/o Village-Garhi Chaukhandi, Sector-121, Near Trikona Park, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, have changed the name of my minor son Badar Kumar, aged 17 years and he shall hereafter be known as Amit Kumar.

NAME CHANGE

I hitherto known as HEMLATA SHARMA wife of SUBHASH SHARMA residing at H. No. 184, Nagla Ghanshyam, Pahasu(Dehat), Bulandshahr, Pahasu, Uttar Pradesh-203396, have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SHARMA.

NAME CHANGE

I, SARWAT W/O MOHAMMAD ISMAIL residing at A-19/147C, DDA FLAT INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SARVAT for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHD ISMAIL S/O MOHD YAHIYA residing at A-19/147C, DDA FLAT INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHAMMAD ISMAIL for all future purpose.

Public Notice

It is for general information that I, NASIRUN NISHA wife of Late FARIYAD ALI, residing at H. No. D-248, Sector-Omicron-1A, Greater Noida, Mathurapur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, declare that name of mine has been wrongly written as NASSEERUN NISHA in my Husband's PPO No.-PPO/CRRI/450/2008 dt. 12/2/08 The actual name of mine is NASIRUN NISHA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, TEJINDER SINGH S/O gurcharan singh khurana R/O FLAT NO-129, 4TH FLOOR, C BLOCK, MAX HEIGHT, SONIPAT, HARYANA-131029 have changed my name to tejinder singh khurana for all future purposes.

NAME CHANGE

I, TEJINDER SINGH S/O gurcharan singh khurana R/O FLAT NO-129, 4TH FLOOR, C BLOCK, MAX HEIGHT, SONIPAT, HARYANA-131029 have changed my minor daughter name from JASMEH KAUR to JASMEH KAUR KHURANA for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rajesh Kumar Bakshi S/o Ram Prakash Bakshi, R/o R Z-6, Block - M, New Roshan Pura, Najafgarh, South West Delhi, New Delhi-110043 have changed my name to Rajesh Bakshi for all future purposes and Legally issues.

NAME CHANGE

I Mohinder Pal S/o Om Prakash Garg R/o C - 114, Ashok Vihar, Phase - 1, Ashok Vihar, North West Delhi - 110052 have changed my name Mohinder Pal Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I Ram Kishan S/o Kamal Singh R/o C-27/X2 Block-C, Dilshad Garden, GTB Hospital, Jhilmil, PO : Dist. Shahdara, Delhi - 110095 have changed my name to Ram Kishan Raghav for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED, MRS. MEENA PATWAL ALIAS MRS. MEENA RAWAT, C/O MR. MEHARBAN PATWAL, R/O KHASRA NO. 874/1, LAL DORA, BURARI DELHI-110084, BOTH ARE SAME PERSON AND HAVING OWNERSHIP AND IN POSSESSION OF MIG THIRD FLOOR FLAT BEARING NO. TF-01, AREA MEASURING 65 SQ. YARDS BUILT ON PLOT BEARING NO. E-19 OUT OF KHASRA NO. 1149, SITUATED AT HINDON YAMUNA SAHKARI AWAS SAMITI LIMITED COLONY KNOWN AS HINDON VIHAR, VILLAGE BAROLA, NOIDA, U.P. (SAID PROPERTY) AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 27.12.2013 EXECUTED BY MRS. LATA SINGH IN FAVOUR OF MRS. MEENA PATWAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY, (DOC. NO. 15060, IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 5722, ON PAGES 319-352, ON DT. 27.12.2013, SRO-2-NOIDA). NOW MS. PURVA GIRI GOSWAMI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY FROM OWNER / SELLER MRS. MEENA PATWAL ALIAS MRS. MEENA RAWAT, C/O MR. MEHARBAN PATWAL, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

Public Notice

Notice is hereby given to public at that my client Sh. Shiv Shankar S/o Sh. Ram Murti Lal, R/o E-6/169-B, Sangam Vihar, Deoli, South Delhi, has disowned and debarred his son RAHUL GUPTA and his daughter-in-law SMT. KOMAL GUPTA W/o Sh. Rahul Gupta from his all movable and immovable properties and severed all the relations due to their misbehaviour/misconduct towards my client, and if any one deals with them in future, my client shall not be responsible in any manner for any of their acts/deeds.

SOHAIL CHAUDHARY
ADVOCATE
CHAMBER NO.243, SAKET COURTS, NEW DELHI-110017.

NAME CHANGE

I, RAJNI W/O MOHIT SHARMA R/o H.NO-398, KUMAHARAN MOHALLA, DHARUHERA, REWARI,HARYANA-123106, I HAVE CHANGED MY NAME TO RAJNI SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, VIJAY CHAWLA S/O MADAN LAL CHAWLA R/o HOUSE NO 642/17, NEAR BATRA HOSPITAL SHIVAJI NAGAR GURGAON HARYANA-122001I HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME DHRUTI CHAWLA TO SIDHHI CHAWLA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, LAXMI BULLI Mother of No-2619268W Rank-L/HAV Name-HANAMANT SADASHIV BULLI Presently residing at A/P-GOSABAL, TQ-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591227, have changed my name from LAXMI BULLI to LAKSHMAVVA BULLI for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SADASHIV S BULLI Father of No-2619268W Rank-L/HAV Name-HANAMANT SADASHIV BULLI Presently residing at A/P-GOSABAL, TQ-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591227, have changed my name from SADASHIV S BULLI to SADASHIV BULLI for all future purposes vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF VILLA NO. 56, LAND AREA MEASURING 60 SQ.YDS., WITH ROOF RIGHTS ON PLOT NO. 56, PART OF KHASRA NO. 704, SITUATED AT KRISHAN VATIKA, VILLAGE ACHHEJA, PARGANA AND TEHSIL DADRI, DISTT: GAUTAM BUDH NAGAR, U.P (SAID PROPERTY) I.E. ORIGINAL SALE DEED DATED 21.08.2018 EXECUTED BY MR. ASHOK KUMAR IN FAVOUR OF M/S. SURE INFRA PROJECTS PVT. LTD. THROUGH ITS DIRECTOR MR. SURENDER KUMAR SINGH IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY VIDE DULY REGD. AS DOC. NO. 16595, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 12312, ON PAGES NO. 371-390, ON DATED 21.08.2018, IN THE OFFICE OF SRO-DADRI, U.P. HAS BEEN LOST BY CURRENT OWNER I.E. MRS. VANDANA, C/O MR. DHEERAJ KUMAR SHARMA, R/O 56-A, MARIPAT STATION ROAD, VILLAGE ACHHAIJA, GHAZIABAD, U.P. AND SAID OWNER MRS. VANDANA PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DATED 23.10.2018 EXECUTED BY M/S. SURE INFRA PROJECTS PVT. LTD. NOW MRS. VANDANA WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

Religion Change

I, Rukhsar D/O Rijwan Ali R/O E-25C, Sector -11, Pratap Vihar, Ghaziabad, Vijai Nagar, Uttar Pradesh -201009, documents hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Hinduism religion and renounced Islam Religion with effect from 21.08.2025.and changed my name Rukhsar to Rishika

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों मौ0 शरीफुदीन पुत्र स्व0 दीदार मौहम्मद एवं श्रीमती सायरा बानों पत्नी मौ0 शरीफुदीन दोनों निवासीगण-एच-709-सी, गली नं 16, संगम विहार, नई दिल्ली ने अपने पुत्र मौहम्मद इस्लामुदीन व पुत्रवधू श्रीमती सोनम बानों व इनके बच्चों को इनके दुर्वव्यवहार व गलत आचरण व गलत संगत के कारण मेरे मुवक्किलों के नियन्त्रण से पूरी तरह से बाहर हो गये हैं, जिसके कारण मेरे मुवक्किलों ने अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है तथा अपने तमाम रिश्ते-नाते विच्छेद कर लिये हैं। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किलों के पुत्र, पुत्रवधू व इनके बच्चों से भविष्य में किसी प्रकार का कोई भी लेन देन या किसी प्रकार का कोई करार करते है या मेरे मुवक्किलों के पुत्र, पुत्रवधू किसी प्रकार का कोई अपराधिक कार्य करते हैं तो उसके लिये वे स्वंय जिम्मेदार होंगे और उसके लिए मेरे मुवक्किल व उनके परिवार के सदस्यों की किसी तरह की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

स्वर्ण सिंह अधिवक्ता
चैम्बर नं-610, साकेत कोर्टस,
नई दिल्ली-1110017

NAME CHANGE

I, MOHD AZAM KHAN S/O SALEEM KHAN R/O H NO-1070, GALI NO-35, MAIN ROAD, JAFARABAD NORTH EAST, DELHI-110053. have changed my name to MOHAMMAD AZAM KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NITIN S/O SATISH CHANDER R/O H NO-428-A, POCKET-II, MAYUR VIHAR PHASE-1, DELHI-110091. have changed my name to NITIN NAUTIYAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I,Jiwan Khan s/o Mohd Hazur R/o O-44, Chanakya Place-2, New Delhi-110059 have changed my name to Jeewan Khan for all future purposes

NAME CHANGE

I, Sanjay s/o Ratan Singh R/o 168, Devli Village, Devli, South Delhi-110062 have changed my name to Sanjesh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NAINTARA W/o Manoj Kumar R/o Flat No.82, MIG Metro Apartments, Jahangir Puri, Delhi-110033 have changed my name to NAYAN TARA permanently

NAME CHANGE

I, No-15731566N Rank-NK Name-PRABHJOT SINGH Presently residing at VPO-DHANAURI, TEH-CHAMKAUR SAHIB, DIST-RUPNAGAR, PUNJAB-140103, have changed my mother's name from BALJEET KAUR to BALJIT KAUR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 20/06/1966 instead of her correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public, Delhi.

Public Notice

It is for general information that I, Arshlan Ahmed S/o Ishtayaque Ahmed R/o House no. 648 A/ House name - Khurshid Manzil, Gali no. 8, I-Block , Near Gareeb Nawaz Masjid, Sangam Vihar, Devli, South Delhi, Delhi - 110080 Declare that name of mine and my father has been Wrongly written as Arshlan Ahmad and Ishtayaque Ahmad in my All Educational Documents. The actual name of mine and my father are Arshlan Ahmed and Ishtayaque Ahmed

NAME CHANGE

I, SANGEETA is legally spouse of No. JC 423982X Rank NB SUB Name BHAWANI SINGH presently residing at VPO-RANSIGAON, TEH–BILHRA, DIST-JODHPUR, STATE-RAJASTHAN, PIN-342601 have changed my name from SANGEETA to SANGITA KANWAR for all future purposes. Vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, KAVITHA SINI is legally wedded wife of No. 15705630H Rank HAV Name SINI DAS S presently residing MECHERIYIL HOUSE, PO-VADACKAL, DIST-ALAPPUZHA (KERALA)-688003 have changed my name from KAVITHA SINI to KAVITHA LAKSHMI O S for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 09/12/2025 before Notary Public New Delhi.

Public Notice

To be Known to all that I (Name of the Allottee/Mutatee) Chander Shekher Malhotra S/o Late Sh. Narain Das Malhotra R/o Flat No. 52, Pragati Apartments, West Enclave, Pitampura, Delhi-110034 has applied for conversion of the aforesaid Flat No. 52, Pragati Apartments, West Enclave situated in Pitampura, Delhi-110034 from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e Allotment Letter, Possession Letter, Mutation Letter & Lease Deed in issued by DDA of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Karol Bagh Police Station Delhi & LR No. 3294080/2025. Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (GH) or Director, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-314339X, Rank-NB SUB Name-T KARNAN residing at VILL-P SANGARALINGAPURAM, PO-T RAMANATHAPURAM, TEHSIL-PERAIYUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my mother's name from M GURUVAMMAL to GURUVAMMAL T for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of her correct date of birth as 28/07/1971 vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-314339X, Rank-NB SUB Name-T KARNAN residing at VILL-P SANGARALINGAPURAM, PO-T RAMANATHAPURAM, TEHSIL-PERAIYUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my father's name from M THANGAVEL to THANGAVEL M for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of his correct date of birth as 15/03/1964 vide Affidavit dated 09/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I ANJUM NISA W/O MOHD AAKIB R/O D1-80 GALI NO-02, D1-BLOCK, ASHOK NAGAR, NAND NAGRI, NORTH EAST DELHI-110093 HAVE CHANGED MY NAME TO ANJUM NISHA

NAME CHANGE

I, BHARAT SINGH NEGI S/O RAM CHANDER R/O House Number A-42, DEENDARPUR EXTENSION, Street NO-3,NAJAFGARH,DELHI-110043,HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER, NAME FROM PRIYANKA TO PRIYANKA NEGI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, MANSI D/O BHARAT SINGH NEGI R/O A-42,DEENDARPUR EXTENSION, STREET NO-3, NAJAFGARH, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO MANSI NEGI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I Mohammad Hakam s/o Himmat khan R/o village birsika post ujina tahseel nuh Distic nuh , Hariyana- 122107 .have changed my name to Hakam

NAME CHANGE

I, Narottam Sharma S/O Om Parkash R/O B-9/53-D, Udaygiri-II, Sec 34 Noida, Gautam Budha Nagar UP - 201301 Have changed my name to Narottam Saran for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sidhartha Nagabhushana S/O Hosakere Seetharama Nagabhushana R/O Jd-12,First Floor ,Flat No-4,Khirki Extension,Malviya Nagar,South Delhi-110017 Have changed my name to Sidhartha SN (Sidhartha Shimoga Nagabhushana) for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rajesh Singhania S/O Hari Kishan R/O A-2/98- 2nd floor paschim vihar delhi 110063 changed my name to Rajesh Kumar .

NAME CHANGE

I, KABITA GURUNG W/O DEEP KUMAR GURUNG R/O H.NO. 43, BASANT GAON, VASANT VIHAR, NEW DELHI-110057 have changed my name to KAVITA GURUNG

NAME CHANGE

I Sunil Kumar S/o Ram Prasad Bhatnagar R/o House No. 40/11, Nehru Colony, Rohtak Haryana - 124001have changed my name to Sunil Bhatnagar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANTOSH KUMAR S/o Prabhu Dyal Yadav R/o H.NO.508, Sector-3, , Ballabhgarh, Faridabad-121004, have changed my name to SANTOSH YADAV permanently.

Public Notice

It is for general information that I, Sanjeev Kumar S/o Mittar Sain Sharma R/o 173, Girdhar Enclave, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of mine has been wrongly written as Sanjiva Kumar in my Service Book. The actual name of mine is Sanjeev Kumar.

Public Notice

It is for general information that I, AYESHA PARVEEN W/o SUHAIL KHAN R/o FLAT NO.B-702, P NO.1439-40, AHINSA VATIKA RAM NAGAR, SHAHDARA, NORTH EAST DELHI, DELHI-110032 declare that name of my Minor daughter has been wrongly written as HIFZA KHAN in my minor daughter namely HIFZA aged 16 years in her 10th Class EDUCATIONAL DOCUMENTS. The actual name of my Minor daughter is HIFZA, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Saima Ali W/o Asad Ali R/o R-2/15, Gali No.21, Brham Puri, Delhi-110053 have changed my name to Sayma Parveen.

NAME CHANGE

I, Aman S/o Naresh Kumar R/o X-9/61, 10A, Near Moni Baba Temple, Brahampuri, Delhi-110053 have changed my name to Aman Kumar.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **रवि यादव पुत्रः** श्री रमेश यादव **पताः** बी9-गांव-भोवापुर गाजियाबाद (यूपी) ने **FIR No. 94/25 U/s 118 (1) BNS थानाः मधु विहार, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि यादव,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि यादव,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 94/25 U/s 118 (1) BNS थानाः मधु विहार, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **रवि यादव,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री उद्धव कुमार जैन
जेएमएफसी-04, कमरा नंबर-13
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16293/ED/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पानीपत में ऑपरेशन हॉट स्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत में ऑपरेशन हॉट स्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत तीन युवकों को जुआ खेलते, एक युवक को सट्टा खाईवाली करते व एक युवक को अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित थाना में अभियोग दर्ज कर आगामी कार्रवाई अमल में लाई गई। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि अभियान के तहत रविवार को थाना मतलौडा पुलिस की टीम ने मतलौडा अनाज मंडी रेलवे फाटक बाईपास के पास मंडी की दिवार की आँड में बैठकर जुआ खेल रहे मतलौडा निवासी राकेश, गंगाराम व अजय को गिरफ्तार किया है। मौके पर आरोपियों के कब्जे से एक जोड़ी ताश पत्ते व दाव पर लगी 1520 रूपए की नगदी बरामद हुई है। आरोपियों के खिलाफ गैम्बलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। इसी प्रकार थाना सदर पुलिस टीम ने रिफाइनरी के नजदीक पालाराम मार्केट में सट्टा खाईवाली कर रहे गुरूनानकपुरा कच्चा कैंप निवासी संजीव को गिरफ्तार किया। मौके पर आरोपी के कब्जे से सट्टे के नंबरों की पर्ची व दाव पर लगी 2480 रूपए की नगदी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ थाना सदर में गैम्बलिंग एक्ट के तहत अभियोग दर्ज किया गया। वही थाना समालखा पुलिस ने गांव राक्सेडा में अड्डे के नजदीक गली में अवैध कच्ची शराब के साथ राक्सेडा निवासी जगीर को गिरफ्तार किया।

जनता की सुनवाई सर्वोच्च प्राथमिकता, घर छोड़कर कार्यालय में उपलब्ध हों अधिकारीः डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया

पानीपत। पानीपत सचिवालय सभागार में आयोजित हरियाणा सरकार के जनता समाधान शिविर में शिकायतों की सुनवाई करते हुए उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने प्रशासनिक मशीनरी को स्पष्ट और सख्त शब्दों में चेताया कि जनता की समस्या का समाधान ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी विभाग की लापरवाही, देरी या बार-बार एक ही शिकायत दोहराने की नौबत बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. दहिया ने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि अब घर में बैठे-बैठे दफ्तर नहीं चलेगा। जनता की परेशानियों को सुनना और उनका समयबद्ध समाधान करना हर अधिकारी की जिम्मेदारी अनिवार्य है। उपायुक्त ने यह भी साफ कर दिया कि कोई भी विभागाध्यक्ष यदि शिविर में अनुपस्थित पाया गया या अपनी जगह किसी अन्य कर्मचारी को भेजने का प्रयास किया, तो उसे तुरंत बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। सचिवालय में विभागों की दैनिक हाजिरी अनिवार्य रहेगी और कार्यालयों का रोजाना निरीक्षण किया जाएगा। देर से आने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। शिविर में समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए है। एसडीएम मनदीप कुमार ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी नागरिक को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी शिकायतें समयबद्ध रूप से निपटें। उप पुलिस अधीक्षक सतीश वत्स ने कहा कि पुलिस विभाग जनता की सुरक्षा और कानून- व्यवस्था के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

किसानों की मांगों पर अधिकारियों से मिली पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति

हिसार। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा की जिला कमेटी ने सोमवार को डीडीए व एसओ से मुलाकात करके किसानों की मांगे व समस्याएं रखी। कमेटी ने किसानों की रिजेक्ट हुई फसली बीमा पॉलिसियों को मंजूर करवाने, जिन किसानों ने प्रीमियम भरकर फसली बीमा करवाया है, उन्हें बीमा पॉलिसी नंबर जारी करवाने, तथा यूरिया की कमी दूर करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।जिला प्रधान सतीश बेनीवाल की अध्यक्षता में सोमवार को मुलाकात करके कमेटी ने बताया कि इस बार ज्यादा बारिश के कारण फसलें बुरी तरह खराब हुई थीं, लेकिन नुकसान की भरपाई देने की बजाय बीमा कंपनियां किसानों की पॉलिसियां ही रिजेक्ट कर रही हैं। कई मामलों में बीमा कंपनियों ने बेतुके ऑब्जेक्शन लगाकर किसानों के दावों को अटकाया हुआ है। जिला प्रधान सतीश बेनीवाल ने बताया कि अनेक गांवों में बैंकों ने किसानों के खातों से बीमा प्रीमियम काट लिया, लेकिन अब तक बीमा पॉलिसी जारी ही नहीं की, जिसके कारण किसान अपना नुकसान पोर्टल पर दर्ज भी नहीं कर पाए। एसडीओ ने इन सभी मुद्दों को जल्दी ही सुलझाने का विश्वास दिलाया है। इस मुद्दे पर एलडीएम से बात की गई तो उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन किसानों के बैंक ने पॉलिसी जारी नहीं कि उनको क्लेम बैंक की तरफ से मिलेगा डीडीए राजवीर सिंह ने कहा कि यूरिया की कमी को जल्दी ही दूर किया जाएगा और दुकानदार के पास कितना स्टॉक है वह इसकी जानकारी दुकान के आगे बोर्ड पर लिखेगा वरना उनका लाइसेंस कैंसल कर दिया जाएगा।

ढिगाना व नंदगढ़ में एक करोड़ 12 लाख की लागत से बनेगें सब हेल्थ सेंटर

जींद। जुलाना क्षेत्र के ढिगाना और नंदगढ़ गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सब हेल्थ सेंटरों का शिलान्यास किया गया। भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने एक पेड़ मां के नाम लगा कर नींव रखी। शिलान्यास कार्यक्रम में कैप्टन बैरागी ने कहा कि गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना बेहद आवश्यक है ताकि ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार के लिए दूर शहरों का रुख न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर गांव में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने बताया कि नए सब हेल्थ सेंटर के बन जाने से ग्रामीणों को टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, सामान्य जांच, प्राथमिक उपचार और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से यहां स्वास्थ्य केंद्र की जरूरत महसूस की जा रही थी। केंद्र बनने से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

हरियाणा कैबिनेट का बड़ा फैसला

टूरिस्ट और अन्य परमिट वाहनों की चलने की अवधि में बदलाव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां हुई कैबिनेट की बैठक में हरियाणा मोटर व्हीकल्स रूल्स, 1993 के तहत टूरिस्ट परमिट के अनुसार चलने वाली टूरिस्ट गाड़ियों को चलाने की अवधि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन नियमों को हरियाणा मोटर व्हीकल्स (संशोधित) नियम, 2025 माना जाएगा। संशोधित नियम अनुसार, एनसीआर में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर पेट्रोल या सीएनजी पर चलने वाली गाड़ियों को 12 साल तक चलाने की इजाजत होगी, जबकि इसी परमिट कैटेगरी की डीजल गाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाने की इजाजत होगी। नॉन-एनसीआर एरिया के लिए, पेट्रोल या सीएनजी और डीजल पर चलने वाली ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट गाड़ियों की भी ज्यादा से ज्यादा 12 साल तक चलाया जा सकेगा। एनसीआर इलाके में स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत शेष सभी गाड़ियों के परमिट के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे इंधन पर चलने वाली गाड़ियों की ज्यादा से ज्यादा अवधि 15 साल तय की गई है। हालांकि, केवल एनसीआर इलाके में इस टाइप के परमिट के तहत चलने वाली डीजल गाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाया जा सकेगा।

गैर-एनसीआर इलाकों के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे स्वच्छ इंधन और डीजल पर चलने वाली स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत बाकी सभी परमिट की गाड़ियों को चलाने की ज्यादा से ज्यादा 15 साल तक की अवधि होगी।

पानीपत नई अनाज मण्डी व नई सब्जी से लेकर जीटी रोड तक सौन्दर्यकरण का काम जल्द होगा शुरू

एजेंसी

पानीपत। मार्किट कमेटी के नव नियुक्त चेयरमेन अवतार सिंह शास्त्री की अध्यक्षता में मिटिंग बुलाई गई जिसमें मार्किट कमेटी के सभी 19 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि नई अनाज मण्डी, नई सब्जी मण्डी व सबयार्ड बाबरपुर में अलॉट की गई दुकानों को (जिसमें अवैध कार्य किया जा रहा है।) जब्त करने की कार्यवाही की जाएगी और नई सब्जी मण्डी में से बिजली के खंबो को प्लॉट से बाहर निकाला जाएगा। नई अनाज मण्डी व नई सब्जी के मेन गेट से लेकर जीटी रोड़ तक सौन्द्रकरण करने के बारे में नगर निगम ने एनओसी जारी कर दी है। मिटिंग में सभी सदस्यों की सहमति से मिटिंग प्रतिमाह की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष बलवान शर्मा मार्किट कमेटी सचिव आशा रानी, अनिल कुमार लेखाकार, मैन्बर राजकिशान सैनी, चन्छ माहूजा, नरेश त्यागी, पंजाब सिंह, चर्मबीर सिंह, नरेश कुमार व अन्य ने भाग लिया।

वनवासी कल्याण आश्रम ने स्वतंत्रता आंदोलन में बिरसा मुंडा के योगदान को किया उजागर

एजेंसी

हिसार। वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा देवी भवन के गोयंका सदन में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में लोगों ने हिस्सालिया और विद्यार्थियों ने बिरसा मुंडा पर आधारित नाटिका प्रस्तुत करके खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर हकृवि के कुलपति डॉ. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे और वनवासी कल्याण आश्रम के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री डालचंद मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस

अवसर पर डॉ. अमित मेहता, डॉ. ललित मोहन बंसल, डॉ. सुनील अग्रवाल, वेदप्रकाश गोयल, राजेंद्र गुप्ता नलवा वाले, सीए संजय वर्मा, भीमसेन बंसल, पुनीत मैनी, डॉ. महेंद्रपाल मित्तल व राधेश्याम ऐरन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. बीआर कम्बोज ने भगवान बिरसा

मुंडा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान से परिचय करवाया। मुख्य वक्ता डालचंद ने कहा कि देश में अनगिनत स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं लेकिन बिरसा मुंडा के अप्रतिम योगदान के लिए उन्हें भगवान बिरसा मुंडा के रूप में पूजा जाता है। जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में सेवा भारती छात्रावास ने बच्चों ने देशभक्ति गीत, बिरसा मुंडा पर आधारित लघु नाटिका व शिव नृत्य प्रस्तुत करके सभी का मन मोह लिया। नाटिका में बिरसा मुंडा के जीवन से जुड़े विविध आयाम देखकर दर्शक भावविभोर हो गए और उन्होंने तालियां बजाकर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजीव अरोड़ा ने बताया कि वनवासी कल्याण आश्रम देशभर के वनवासी क्षेत्रों में रहने वाले बंधुओं को समाज की मुख्यधारा से जोडऩे के लिए प्रयासरत है। देशभर में 12 करोड़ वनवासी हैं और उनकी उन्नति के लिए शिक्षा, चिकित्सा व ग्राम विकास जैसे 22 हजार से अधिक सेवा प्रकल्प वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा देशभर में चलाए जा रहे हैं।

जहरमुक्त थाली समय की सबसे बड़ी जरुरत : अशोक गर्ग

एजेंसी

हिसार। सेवानिवृत मंडल आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने जहरमुक्त थाली को समय की सबसे बड़ी जरुरत बताया है। उनका कहना है कि लोगों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के फैलने का मुख्य कारण भोजन में कीटनाशकों के अवशेष मिलने के कारण हैं। अशोक कुमार गर्ग गुर्जर धर्मशाला में जहर मुक्त थाली उत्पादक-उपभोक्ता मिलन समारोह में संबोधन दे रहे थे। समारोह की अध्यक्षता डॉ. सतीश कुमार कालड़ा व अनीता शर्मा ने की। उन्होंने किसानों को जहरमुक्त खेती करने के लिए बधाई दी, किसान समाज की भलाई कर रहे हैं और अन्य किसानों को नया रास्ता दिखा रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करें ताकि वे जहरमुक्त खेती को और बेहतर तरीके से कर सकें। उन्होंने कहा वे भी इस अभियान को पूरासमर्थन और सहयोग प्रदान करेंगे। डायटीशियन डॉ. समता खटकड़ ने संतुलित और पौष्टिक भोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने

कहा कि आज के समय में भोजन की गुणवत्ता कम होती जा रही है और लोग पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं विशेषकर कीटनाशकों के अवशेष भोजन में शामिल हो रहे हैं, इसलिए हमें कौशिश करनी चाहिए कि हम जहरमुक्त भोजन का उपयोग करें। डॉ. सतीश कुमार कालड़ा ने अध्यक्षीय संबोधन में आयोजकों का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उत्पादकों और उपभोक्ताओं को एक मंच प्रदान किया है जिसमें वे अपने विचार सांझा कर सकें। इससे उनमें बेहतर तालमेल और विश्वास पैदा होगा। डॉ. बलजीत सिंह भ्याण ने कार्यक्रम का परिप्रेक्ष्य रखते हुए कहा कि जहरमुक्त थाली अभियान डॉ. सुरेन्द्र दलाल कीट साक्षरता मिशन की यात्रा का पड़ाव है। इस अभियान को लेकर किसानों में उत्साह है और इसमें अधिक से अधिक किसानों को शामिल करेंगे। उपभोक्ताओं ने अपने-अपने अनुभव सांझा किए और किसानों ने उसे सुनकर कमियों को दूर करने का आश्वासन दिया।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने खेल विश्वविद्यालय, राई के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने सोनीपत के राई में स्थित हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर प्रथम महिला मित्रा घोष, विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार, विधायक कृष्णा गहलावत, डीसी सुशील सारवान, पांचजन्य समाचार पत्र के संपादक हितेश शंकर, रजिस्ट्रार जसविन्दर सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने समारोह में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि खेलों में उत्कृष्टता अब केवल शारीरिक क्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि विज्ञान आधारित प्रशिक्षण, मानसिक मजबूती, पोषण विज्ञान, मनोविज्ञान और आधुनिक

तकनीक का समन्वय नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षण के इसी समग्र मॉडल को अपनाकर विद्यार्थियों के लिए एक सुदृढ़ खेल-पारिस्थितिकी तैयार की है।उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में 61 पदक, जिनमें 13 स्वर्ण पदक शामिल हैं, प्राप्त करने पर छात्रों और प्रशिक्षकों को बधाई दी। राज्यपाल ने इन उपलब्धियों को विश्वविद्यालय की उच्च गुणवत्ता, अनुशासन और छात्रों की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण बताया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा खेल विश्वविद्यालय देश के अग्रणी खेल शिक्षा संस्थानों में शामिल होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और जल्द ही यह देश का तीसरा सबसे बड़ा खेल विश्वविद्यालय बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार खेलों के लिए व्यापक और सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 'मिशन ओलंपिक 2036' का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य जहाँ कुल 7 से बढ़ाकर 70 पदक हासिल करने का है, वहीं हरियाणा भी अपनी ओर से 4 पदकों से बढ़ाकर 36 पदक दिलाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा खेल विश्वविद्यालय इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नशा मुक्ति के लिए डीएलएसए द्वारा दिसंबर में जागरूकता अभियान शुरू

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशों के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनीपत द्वारा नशा मुक्त हरियाणा मिशन के तहत दिसंबर माह में जिले के विभिन्न गांवों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि 9 दिसंबर को अधिवक्ता गौरव कुमार अंतिल के नेतृत्व में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुंडली में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस विभाग के सहयोग से शिविर लगाया जाएगा। इसी दिन अधिवक्ता रेखा कौशल की अगुवाई में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राठधना में भी नशा उन्मूलन शिविर आयोजित होगा। 10 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भटगांव में अधिवक्ता मंजू मलिक के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा शिविर लगाया जाएगा। 11 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय झुंडपुर में अधिवक्ता मानस्वी तथा जेपी जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अधिवक्ता अनुराधा पूनिया के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम होंगे। 12 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बैंयापुर ललहाड़ा में अधिवक्ता रीटा धनखड़ तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मलिकपुर में अधिवक्ता विनोद शर्मा द्वारा स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के सहयोग से शिविर लगाए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों और नागरिकों को नशे के दुष्प्रभाव, परिवार और समाज पर इसके दुष्परिणाम तथा नशा छोड़ने के उपायों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क कानूनी सेवाओं की जानकारी भी साझा की जाएगी। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा तीन लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले व्यक्तियों को निःशुल्क पैनल अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाते हैं।

बड़ौदी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य जोरों पर, खर्च होंगे 185 करोड़ रुपये

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि विकास कार्यों व सीएम घोषणाओं को पूरा करने में लापरवाही व कोताहि किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही की जाएगी। विकास कार्य गुणवत्ता के साथ और तय समय में करवाए जाएं। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा शहर के विकास कार्यों व सीएम घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट को लेकर जिला अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। डिप्टी स्पीकर ने एक-एक कर सभी विभागों से विकास कार्यों की जानकारी हासिल की और निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता को लेकर किसी तरह की कोताहि बर्दाश्त नही की जाएगी। इसके साथ ही सीएम घोषणाओं को भी जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि इन विकास परियोजनाओं का लाभ आमजन को मिल सके। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि बड़ौदी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य जोरों पर है। इस जलघर पर 185 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। जींद शहर में 18 बूस्टिंग स्टेशन बनाए जाने हैं और चार बुस्टिंग स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। कलस्टर योजना के तहत पांच गांवों जाजवान, संगतपुरा, जलालपुर खुर्द, ईंटल

कलां एवं ईंटल खुर्द में भी नए जलघर बनाए जाएंगे और गलियों में पाइप लाइन बिछाई जाएगी। जिस पर 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस विकास कार्य की भी सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही इस कार्य को शुरू करवा दिया जाएगा। इतना ही नहीं क्षेत्र में सीवरेज तथा पाईपलाईन व्यवस्था के और अधिक सुदृढ़ीकरण के लिए 17 करोड़ रुपये की राशि मंजूर करवाई गई है। जींद में बनने वाले अधिकारियों के अवासीय मकानों के टैंडर भी जल्द होंगे। जिससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर आवासीय सुविधा मुहैया होगी। डिप्टी स्पीकर ने जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि वे एकलव्य स्टेडियम का रखरखाव करना सुनिश्चित करें और इस स्टेडियम में जो भी आवश्यक चीजें दुरूस्त करनी हैं, उनका तुरंत अस्टिमेट बना कर भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एकलव्य स्टेडियम में करोड़ों रुपये की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बिछाया जा रहा है।

यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें : एसडीएम जितेंद्र गर्ग

एजेंसी

तावडू। उपमंडल अधिकारी तावडू जितेंद्र गर्ग की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में सड़क सुरक्षा समिति एवं विद्यालय सुरक्षित वाहन नीति को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला नगर योजनाकार नूंह बिनेश कुमार, लोक निर्माण विभाग के एसडीई तपेश कुमार, जेई नवाब सिंह, यातायात थाना प्रभारी के.एम.पी. धुलावट, शहर थाना प्रभारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में एसडीएम ने धुलावट के पास के.एम.पी. मार्ग पर चढ़ने-उतरने वाले मुख्य रास्ते की खराब स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने एचएसआईआईडीसी व लोक निर्माण विभाग सोहना के अधिकारियों को सड़क की तुरंत मरम्मत कर यातायात सुचारू बनाने के निर्देश दिए। साथ ही तावडू - सोहना मार्ग को भी प्राथमिकता से ठीक कराने को कहा।

एसडीएम ने दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम तावडू के अधिकारियों को केएमपी क्षेत्र में लगे अवैध बिजली कनेक्शन तुरंत काटने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन को बिना हेल्मेट वाहन चलाने वालों, असुरक्षित ड्राइविंग करने वालों और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त चालान अभियान चलाने को कहा गया। आवश्यकता पड़ने पर वाहनों व

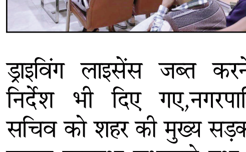

ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करने के निर्देश भी दिए गए,नगरपालिका सचिव को शहर की मुख्य सड़कों की प्रकाश व्यवस्था सुधरवाने तथा स्ट्रीट लाइट समय पर चालू-बंद करवाने के निर्देश दिए गए। आने वाले धुंध वाले मौसम को देखते हुए सभी थाना प्रभारी को वाहन मालिकों को रिफलेक्टर टेप लगाने के लिए जागरूक करने के लिए कहा गया, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। अंत में एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने सभी विभागों को सरकार की हिदायतों के अनुरूप सड़क सुरक्षा नियमों व विद्यालय सुरक्षित वाहन नीति का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वर्ष 2025-26 में विकास कार्यों पर खर्च किए जाएंगे 23 करोड़ 89 लाख 50 हजार रुपए

डी-प्लान के तहत के तहत कराए जाएंगें विकास कार्य

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। जिला में योजना वर्ष 2025-26 के लिए सरकार से 23 करोड़ 89 लाख 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। जिला योजना के तहत जिला गुरुग्राम को स्वीकृत हुई राशि में से 30 प्रतिशत राशि रास्तों व नालियों के विकास कार्यो पर खर्च की जानी है। 70 प्रतिशत राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक भवन, जलापूर्ति व सिंचाई, खेल सुविधाओं, आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण व अन्य सामाजिक विकास कार्यों में खर्च की जानी है। इसे लेकर उपायुक्त अजय कुमार ने लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हाल में बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि डी प्लान के तहत विकास कार्यों के लिए मिली राशि किसी भी सूरत में लैप्स नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ कार्य गुणवत्ता की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उपरोक्त राशि को विभिन्न खंडों व नगरपालिकाओं में जनसंख्या

के आधार पर वितरित किया जा चुका है। एडीसी वत्सल वशिष्ठ ने बताया कि कुल 186 विकास कार्यों में से छह विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। शेष 64 पर अभी कार्य प्रगति पर है। डीसी अजय कुमार ने योजना अधिकारी से विस्तृत प्रगति रिपोर्ट लेने उपरान्त विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़े संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिला में डी-प्लान के तहत करवाए जाने वाले विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी डी प्लान के तहत पिछले एवं मौजूदा वित्त वर्ष के जिन विकास कार्यों का काम प्रगति पर है। उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा करवाना सुनिश्चित करें। नए विकास कार्यों में केवल उन्हीं कार्यों को शामिल किया

Public Notice

I Avishek Paul C/o Sunil Kumar Paul R/o F 161, 1st Floor, Central Park Flower Valley, Block F, Flamingo Floor, K. R. Mangalam University, Village Dhunela, Sector 32/33, Dhunela (182), Gurgaon, Haryana -122103 That in the Birth Certificate of my minor son aged 8 years his name has been wrongly written as Hrihaan Saha Paul instead of Hrrihaan Paul Saha which may be amended accordingly.

ऑनलाइन ठगी से बचने को डीजीपी ने लॉन्च किया पीवीआर मॉडल

एजेंसी

गुरुग्राम। ऑनलाइन ठगी और ठगों से बचने के लिए हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ.पी. सिंह ने यह पीवीआर फार्मुला गुरुग्राम में लॉन्च किया। रविवार की देर शाम गुरुग्राम के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने लोगों को स्कैमर्स यानी ठगों, घोटालेबाजों से सावधान रहने के लिए जागरुक किया। साइबर सिक्योरिटी पर आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पहुंचे डीजीपी ओ.पी. सिंह ने एक नया और बेहद सरल नागरिक सुरक्षा फॉर्मूला पी.वी.आर. के रूप में पेश किया। पी.वी.आर...पी-मतलब पोज (रुकिये), वी मतलब-वेरिफाई (जांचिये)और आर-मतलब रिपोर्ट (1930 नंबर पर सूचित करें)। अगर हम इन तीनों को याद रखते हैं तो काफी हद तक ऑनलाइन ठगी से बच सकते हैं। पी.वी.आर. शब्द सिनेमा के रूप में हर किसी को याद रहता है। इसलिए डीजीपी ने इसी शब्द को साइबर ठगी से बचने का एक हथियार ही बना दिया। उन्होंने कहा कि पोज, वेरिफाई, रिपोर्ट का मॉडल ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल स्कैम से बचने के लिए तुरंत अपनाया जा सकने वाला तीन-स्टेप का हथियार है। डीजीपी ने कहा कि आज के स्कैमर्स तकनीक से ज्यादा मानव भावनाओं को हैक करते हैं। हर धोखाधड़ी अक्सर छह ट्रिगर्स पर खेलती है। जो कि-डर, जल्दबाजी, भरोसा, जिज्ञासा, लालच और लापरवाही हैं। पी.वी.आर. मॉडल स्कैम रोकने का नया मंत्र है। उन्होंने कहा कि पी.वी.आर. मतलब रुकिये, जांचिये और 1930 पर रिपोर्ट करें। साइबर ठगी होने पर इसी पी.वी.आर. मंत्र से ही मिनटों में ठगी के पैसे फ्रीज करा सकते हैं। डीजीपी ओ.पी. सिंह ने कहा कि स्कैमर आपकी घबराहट पर निर्भर करता है। दो सेकंड रुक जाए तो ठगों का खेल खत्म हो जाएगा। अपने मोबाइल, ई-मेल पर आने वाले नंबर, लिंक और मैसेज की असलियत चेक करें। कोई असली संस्था आपसे भाग-दौड़ में जानकारी नहीं मांगती। डीजीपी ओ.पी. सिंह ने पी.वी.आर. फार्मुला को तीन गाने, तीन स्टेप से भी समझाया, ताकि लोगों को यह प्रक्रिया आसानी से याद हो जाए। उन्होंने पोज पर कहा कि-जिसका मुझे था इंतजार, वेरिफाई पर कहा-कौन है वो, बोलो बोलो कौन है और 1930 पर रिपोर्ट को-चक दे इंडिया गीत से पी.वी.आर. को याद करने की तकनीक समझायी।

स्टारलिंक ने भारत में सेवा की कीमतों पर दी सफाई, सही दरें अभी घोषित नहीं

- वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं

मुंबई । अमेरिकी सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी सेवा की कीमतों को लेकर स्पष्ट किया है कि वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 रुपए और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं। कंपनी ने बताया कि यह सिर्फ एक तकनीकी गड़बड़ी थी। स्टारलिंक इंडिया की वेबसाइट अभी लाइव नहीं है और ऑर्डर भी स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बिजनेस ऑपरेशंस अे धिकारी ने कहा कि टीमें अंतिम सरकारी मंजूरी और सुरक्षा परीक्षणों के बाद ही सेवा चालू करेंगी। बांग्लादेश में स्टारलिंक की मासिक योजनाएं 40-50 (3,400-4,300 रुपए) और उपकरण 300-400 डॉलर (25,800-34,400 रुपए) हैं। वहीं श्रीलंका में मासिक 100-125 डॉलर (8,600-10,750 रुपए) और उपकरण 900-1,000 डॉलर (77,400-86,000 रुपए) हैं। डाउनलोड स्पीड 190-360 एमबीपीएस के बीच है। ईलॉन मस्क का कहना है कि स्टारलिंक घनी आबादी वाले शहरों के बजाय ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के लिए अधिक लाभकारी होगी। शहरों में सेल टावर पर्याप्त हैं, लेकिन गांवों में ब्रॉडबैंड बिछाना महंगा और मुश्किल है। भारतीय दूरसंचार कंपनियों को डर है कि स्टारलिंक के आने से 5जी और फिक्स्ड

वायरलेस एक्सेस योजनाओं पर असर पड़ सकता है। स्टारलिंक जियो-एसईएस और भारती समर्थित यूटेलसेट वनवेब जैसी सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। कंपनी को उपयोगकर्ताओं के टर्मिनल और उपग्रहों के बीच सिग्नल भेजने के लिए कई गेटवे अर्थ स्टेशन स्थापित करने होंगे। एयरटेल और जियो के साथ साझेदारी से इन कंपनियों के रिटेल नेटवर्क के माध्यम से स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इस्पात-सीमेंट उद्योग में कार्बन उत्सर्जन घटाने की पहल

भारत और स्वीडन ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात और सीमेंट क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए टाटा स्टील, जेके सीमेंट, अंबुजा सीमेंट्स और जिंदल स्टील जैसी अग्रणी कंपनियों ने स्वीडिश प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों के साथ मिलकर सात नई परियोजनाओं की शुरुआत की है। ये पहल भारत के 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। इन परियोजनाओं में रोटरी भट्टों में हाइड्रोजन का उपयोग करके इस्पात निर्माण, 'स्टील स्लैग' के पुनर्चक्रण से हरित सीमेंट का उत्पादन, और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से सीमेंट के कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे उपाय शामिल हैं। इन सभी पहल का उद्देश्य कठिन-उद्योग क्षेत्रों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाना है। सात प्री-पायलट परियोजनाओं को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्वीडिश ऊर्जा एजेंसी से वित्तीय समर्थन प्राप्त होगा। प्रमुख भागीदारों में प्रौद्योगिकी कंपनियां कंथल और स्वेरिम, तथा भारतीय शैक्षणिक संस्थान आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी-आईएसएम धनबाद, आईआईटी

भुवनेश्वर, आईआईटी हैदराबाद और दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग शामिल हैं। ये परियोजनाएं न केवल भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को समर्थन देंगी, बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

चावल कंपनियों के शेयर लड़खड़ाए, 10 फीसदी तक फिसले

ट्रंप के बयान से निवेशक चिंतित, सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई

मुंबई । भारतीय चावल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही तेज गिरावट के साथ खुले। केआरबीएल, एलटी फूड्स और जीआरएम ओवरसीज़ जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर 3 से 10 फीसदी तक फिसल गए। सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई, जो 8 फीसदी गिरकर 362 रुपए के इंट्रा-डे लो पर आ गया। कोहिनूर फूड्स के शेयर 10 फीसदी तक घट गए, जबकि चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का शेयर 5 फीसदी नीचे गया। इसके अलावा कावेरी सीड कंपनी और जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड के शेयर भी प्रभावित हुए। हालांकि दिन के दौरान कुछ शेयरों में रिकवरी भी देखी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारत से आयातित चावल और कनाडा से आने वाले फर्टिलाइज़र पर नए टैरिफ लगा सकता है। उनका कहना था कि ये आयात अमेरिकी किसानों के लिए चुनौती बन रहे हैं और अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम से सस्ते चावल आने से अमेरिकी किसानों की उपज की कीमतें दब रही हैं और इसे लेकर कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने अमेरिकी किसानों के लिए 12 अरब डॉलर का सहायता पैकेज भी घोषित किया। ट्रंप के बयान के बाद भारतीय चावल निर्यातकों के शेयरों में पैनिक सेलिंग हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका चावल पर टैरिफ लागू करता है, तो इसका दीर्घकालीन असर निर्यातकों की आय और शेयर बाजार पर पड़ सकता है। निवेशकों के लिए सतर्क रहना और बाजार की चाल पर ध्यान देना जरूरी है।

भारत बनेगा चिप मैन्युफैक्चरिंग हब : इंटेल-टाटा की साझेदारी से सेमीकंडक्टर क्रांति तेज

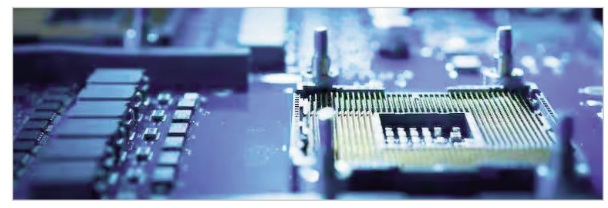

1.18 लाख करोड़ निवेश से गुजरात और असम में तैयार होंगी अत्याधुनिक चिप फैक्ट्रियां

नई दिल्ली । भारत अब केवल मोबाइल और कंप्यूटर उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में अमेरिकी चिप दिग्गज इंटेल और देश के प्रमुख औद्योगिक समूह टाटा समूह ने एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इस समझौते के तहत भारत में चिप्स की मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग और असेम्बली की जाएगी, जिससे देश के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को नई मजबूती मिलेगी। टाटा समूह के अनुसार, इंटेल के उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के धोलेरा में बन रही टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की सेमीकंडक्टर फैक्ट्री में होगी, जबकि उनकी पैकेजिंग और टेस्टिंग असम में स्थापित किए जा रहे टाटा के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्टिंग प्लांट (ओएसएटी) में की जाएगी। इन दोनों अत्याधुनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए टाटा समूह लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है। यह निवेश भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक माना जा रहा है।

साझेदारी का एक बड़ा फोकस एआई सक्षम कंप्यूटर सिस्टम तैयार करना भी होगा, जिसकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक भारत दुनिया के टॉप-5 पीसी मार्केट्स में शामिल होगा। ऐसे में इस पहल से घरेलू बाजार में न केवल बड़े पैमाने पर उत्पादन को गति मिलेगी, बल्कि आयात पर निर्भरता भी कम होगी। इंटेल एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसे भारत के बढ़ते कंप्यूटिंग बाजार के लिए रणनीतिक फैसला बताते हुए कहा कि एआई और पीसी की बढ़ती मांग भारत को एक महत्वपूर्ण टेक डेस्टिनेशन बना रही है।

ओला इलेक्ट्रिक ने तैनात की 250 सदस्यीय स्पेशल टीम

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने बढ़ते सर्विस बैकलॉग, रिपेयर में देरी और स्पेयर पार्ट्स उपलब्धता की समस्या को देखते हुए 250 सदस्यों की एक स्पेशल रैपिड-रिस्पॉन्स टीम पूरे देश में तैनात की है। कंपनी ने ग्राहकों की सर्विस से जुड़ी शिकायतों को दूर करने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस टीम का मिशन पेंडिंग रिपेयर को तेज करना, सर्विस नेटवर्क को मजबूत बनाना और ग्राहकों को भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट देना है।

ओला ने बताया कि हायपरसर्विस मॉडल के तहत सर्विस सिस्टम को पूरी तरह नए ढंग से तैयार किया जा रहा है। इस मॉडल का मकसद उन सामान्य समस्याओं को खत्म करना है, जिनका सामना ग्राहकों को अक्सर करना पड़ता है जैसे लंबी वेटिंग, रिपेयर में देरी और पार्ट्स की कमी। कंपनी का दावा है कि बेंगलुरु में इसे पहले ही सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है और अब इसे कई बड़े शहरों में विस्तार दिया जा रहा है। नई 250-सदस्यीय टीम में अनुभवी टेक्नीशियन, ऑपरेशनल और मैनेजमेंट विशेषज्ञ शामिल हैं, जो विशेष रूप से बैक-लॉग रिपेयर, बैटरी रिप्लेसमेंट और स्पेयर पार्ट्स सप्लाई को तेज करने पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कई मेट्रो शहरों में सर्विस देरी में स्पष्ट कमी देखने को मिली है। इसके अलावा, ओला ने इन-ऐप सर्विस बुकिंग फीचर भी लॉन्च किया है, जिसके जरिए ग्राहक सीधे ऐप से सर्विस स्लॉट बुक कर सकते हैं और जरूरी पार्ट्स ऑर्डर कर सकते हैं। इससे सर्विस सेंटर जाने की जरूरत कम होगी और समय की बचत होगी। 2023 में रिकॉर्ड बिक्री के बाद स्कूटरों की संख्या तेजी से बढ़ी, जिसके चलते सर्विस नेटवर्क पर भारी दबाव पड़ा।

बीज प्रमाणीकरण न कराया तो होगी वसूली: कृषि मंत्री

- बीज विकास निगम से विक्रय में देरी पर जताई नाराजगी

लखनऊ ।

कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने 27 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को चेतावनी दी है, जिन्होंने अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण नहीं कराया। मंत्री ने कहा कि यदि एफपीओ तुरंत पंजीकरण नहीं कराएंगे तो सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। उन्होंने 32 एफपीओ के उत्पादित बीज के उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा अब तक न खरीदने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि निदेशालय में प्रदेश के 100 एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें 24 एफपीओ ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और निगम को विक्रय किया। मंत्री ने कहा कि एफपीओ केवल गेहूं और धान ही नहीं, बल्कि ढैंचा के बीज भी प्रमाणित कर निगम को बेचेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि, निदेशक कृषि, निदेशक बीज विकास निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भारत की संप्रभुता संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर निर्भर- अदाणी

- अदाणी ने खनन को नई अर्थव्यवस्था की नींव बताया

धनबाद । अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मंगलवार को धनबाद में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) के 100वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि भारत की संप्रभुता उसके प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर नियंत्रण पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक देश केवल अपने स्वार्थ में काम कर रहे हैं, ऐसे में भारत को अपना विकास मार्ग स्वयं निर्धारित करना होगा। अदाणी ने इतिहास का उदाहरण देते हुए बताया कि बख्तियार खिलजी और ब्रिटिश शासन ने भारत की स्वतंत्रता और शक्ति को कमजोर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत सपने नहीं बेचता, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलता है। उन्होंने कथात्मक उपनिवेशीकरण की ओर भी ध्यान दिलाया और कहा कि भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विश्व में सबसे कम है। अदाणी ने आईआईटी (आईएसएम) के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और अदाणी 3एस माइनिंग एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना की घोषणा की। अदाणी ने खनन को नई अर्थव्यवस्था की नींव बताया और जोर दिया कि भारत को संसाधनों, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में संप्रभु क्षमताएं विकसित करनी चाहिए।

हिमाचल में कृषि सेवाओं के लिए दरें तय, छोटे किसानों को राहत

ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों से सेवाओं के लिए मनमाने दाम वसूलने पर लगेगी रोक

हमीरपुर । हिमाचल प्रदेश कृषि विभाग ने हमीरपुर जिले में छोटे किसानों की शिकायतों के बाद फसलों की बुवाई, कटाई और 'थ्रेसिंग' के लिए दरें तय की हैं। इससे पहले कई क्षेत्रों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों से सेवाओं के लिए मनमाने दाम वसूले जा रहे थे। कृषि विभाग के एक अे धिकारी ने बताया कि ट्रैक्टर से जुताई और बुवाई की दर 1,200 रुपये प्रति घंटा, रोटावेटर से जुताई की दर 1,320 रुपये प्रति घंटा और कटाई तथा थ्रेसिंग की दर भी 1,320 रुपये प्रति घंटा तय की गई है। इसके अलावा, पावर टिलर से बुवाई 500 रुपये प्रति घंटा, रीपर से कटाई 1,300 रुपये प्रति घंटा और ब्रश कटर से कटाई 400 रुपये प्रति घंटा होगी। अे धिकारी ने कहा कि निर्धारित दर से अधिक वसूलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थ्रेसिंग में भूसे और तिनकों से अनाज अलग किया जाता है। इस फैसले से छोटे किसानों को उचित मूल्य पर कृषि सेवाएं मिलेंगी और उन्हें मनमाने दाम वसूलने की परेशानी से राहत मिलेगी।

भारत में एआई प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य कॉपीराइट लाइसेंस का प्रस्ताव

- कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा

नई दिल्ली । उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एआई और कॉपीराइट से जुड़े नए नियामक दृष्टिकोण के लिए एक आठ सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति में कानूनी विशेषज्ञ, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य एआई प्रशिक्षण में कॉपीराइट-संरक्षित सामग्री के उपयोग और मौजूदा कानून की समीक्षा करना था। समिति ने एआई डेवलपर्स को सभी वैध रूप से उपलब्ध कॉपीराइट सामग्री तक पहुंच देने के लिए अनिवार्य लाइसेंस की सिफारिश की है। इसके साथ ही कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा। इस हाइब्रिड मॉडल के तहत व्यक्तिगत बातचीत की आवश्यकता समाप्त होगी और लेनदेन लागत घटेगी। मॉडल का उद्देश्य एआई नवाचार को बढ़ावा देना, प्रशिक्षण के लिए डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करना, और स्टार्टअप एवं एमएसएमई के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। कॉपीराइट धारकों को न्यायिक रूप से तय रॉयल्टी, आसान भुगतान प्रक्रिया और उचित मुआवजा मिलेगा। समिति ने यह भी स्वीकार किया कि एआई प्रशिक्षण में बड़ी मात्रा और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा की आवश्यकता है, और इसके लिए संतुलित नियामक ढांचा बनाना आवश्यक है। इससे न केवल मानव निर्मित कार्यों की सुरक्षा होगी, बल्कि एआई नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। डीपीआईआईटी ने 30 दिनों में हितधारकों से प्रतिक्रिया मांगी है।

पीएम मोदी के पुतिन को केसर भेंट करने से जम्मू-कश्मीर के किसानों की उम्मीदें बढ़ीं

अनंतनाग।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक दर्शाने वाले विशेष तोहफे भेंट किए। इन उपहारों में कश्मीर का मशहूर केसर और भगवद्गीता का रूसी संस्करण शामिल रहा। यह उपहार न केवल भारत की कला, आध्यात्मिकता और परंपरा को दर्शाते हैं बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं।

कश्मीर के बुरहान दीन ने इस कदम पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को कश्मीरी केसर उपहार में दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से विशेष लगाव है। वह चाहें तो कोई कीमती वस्तु भेंट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कश्मीर की पहचान केसर को चुना। यह हमारे लिए सम्मान की बात है। मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केसर की पैदावार बढ़ाएं, क्योंकि अब यह दुनिया के शीर्ष नेताओं तक पहुंच चुका है। सामाजिक कार्यकर्ता सईद अख्तर हुसैन ने कहा कि कश्मीर की हर वस्तु अनमोल है और उसी अनमोलता का प्रतीक यहां का केसर है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कश्मीरी केसर को विश्व पटल पर और प्रख्यात कर दिया है। यदि किसान इसकी खेती को बढ़ावा दें तो यह वैश्विक स्तर पर और बड़ी पहचान बना सकता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और बेरोजगारी कम होगी। जम्मू-कश्मीर में केसर की सबसे अधिक पैदावार होती है और प्रधानमंत्री द्वारा इसका चयन करना हमारे लिए गर्व की बात है।

कश्मीर घूमने आए पर्यटकों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। एक पर्यटक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा पुतिन को कश्मीरी केसर भेंट करने से हमारी जिज्ञासा और बढ़ गई है। हम यहां का असली केसर खरीदकर अपने साथ ले जाना चाहते हैं। यहां के किसान मेहनती हैं और केसर की खेती को बढ़ावा देना चाहिए।

जेएसडब्ल्यू स्टील का नवंबर में कच्चा इस्पात उत्पादन 5 फीसदी बढ़ा

- उत्पादन वृद्धि से मजबूत हुई कंपनी की स्थिति

नई दिल्ली ।

उद्योगपति सज्जन जिंदल की अगुवाई में जेएसडब्ल्यू स्टील ने नवंबर में अपने एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन में 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने बीएसई को बताया कि नवंबर में उत्पादन 24.39 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 23.23 लाख टन था। इस वृद्धि को कंपनी के निरंतर विस्तार और प्रतिस्पर्धी इस्पात उद्योग में मजबूती का संकेत बताया गया है। नवंबर में जेएसडब्ल्यू स्टील के भारतीय परिचालन का उत्पादन भी 5 प्रतिशत बढ़कर 23.61 लाख टन पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 84 प्रतिशत रहा। यह कम उपयोग विजयनगर संयंत्र में 'ब्लास्ट फर्नेस' को बंद करने के कारण हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील, 23 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य वाले जेएसडब्ल्यू समूह का प्रमुख कारोबार है। समूह की उपस्थिति ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, सीमेंट, पेंट, रियल एस्टेट, ई-प्लेटफॉर्म, परिवहन, रक्षा, खेल और उद्यम पूंजी जैसे क्षेत्रों में है। इस उत्पादन वृद्धि से जेएसडब्ल्यू स्टील की देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थिति और प्रगाढ़ हुई है।

इंडिगो की 4,500 उड़ानें रद्द होने से विमानन राजस्व प्रभा वित

नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी से मुआवजे पर किया जा रहा है विचार

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह इंडिगो ने लगभग 4,500 उड़ानें रद्द कीं, जिससे देश के प्रमुख निजी हवाई अड्डा संचालकों का विमानन राजस्व प्रभावित हुआ। वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी से मुआवजे पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, हमारी आपसी समझ और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए संकट के स्थिर होने तक अंतिम निर्णय टाला गया है। हवाई अड्डों का बड़ा हिस्सा राजस्व विमानन गतिविधियों से आता है, जिसमें लैंडिंग और पार्किंग शुल्क शामिल हैं। ये शुल्क विमानन कंपनियों द्वारा भुगतान किए जाते हैं, लेकिन अक्सर टिकट की कीमतों में शामिल कर यात्रियों पर आंशिक या पूर्ण रूप से डाल दिया जाता है। हालांकि, गैर-विमानन राजस्व जैसे खुदरा बिक्री, ड्यूटी-फ्री, लाउंज सेवाएं और अन्य सुविधाएं बढ़ रही हैं, लेकिन उनका योगदान अभी भी कुल राजस्व में विमानन के मुकाबले कम है। हवाई अड्डे सीधे यात्रियों से यात्री सेवा शुल्क भी लेते हैं, जो सुरक्षा, सुविधा और अन्य सेवाओं में उपयोग होता है। कुछ हवाई अड्डों पर उपयोगकर्ता विकास शुल्क भी लिया जाता है,

जिसका उपयोग हवाई अड्डे के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए किया जाता है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डे इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि सभी उड़ानें सामान्य होने के बाद ही नुकसान के आकलन और मुआवजे के निर्णय पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को दी 1.2 अरब डॉलर की नई ऋण सहायता

- पिछले साल पा किस्तान को 7 अरब डॉलर की मदद मिली थी

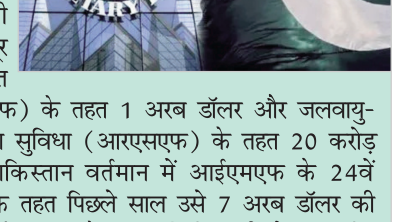

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत करीब 1.2 अरब डॉलर की नई ऋण सहायता मंजूर की है। इसमें विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत 1 अरब डॉलर और जलवायु-केंद्रित टिकाऊ स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत 20 करोड़ डॉलर शामिल हैं। पाकिस्तान वर्तमान में आईएमएफ के 24वें कार्यक्रम में है, जिसके तहत पिछले साल उसे 7 अरब डॉलर की मदद मिली थी। आईएमएफ के एक अे धिकारी ने कहा कि पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाली मध्यम अवधि की वृद्धि हासिल करने के लिए विवेकपूर्ण नीतियों और सुधारों को तेज करना होगा। इस्लामाबाद के अधिकारियों ने इसे आर्थिक सुधारों और व्यापक प्रबंधन में विश्वास का प्रतीक बताया। आईएमएफ ने पिछले महीने वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया था।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है।

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

संपादकीय

बाबरी बनाम राम मंदिर

तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने कुछ मुस्लिम चेहरों के साथ बाबरी मस्जिद की नींव रखी, तो दूसरी तरफ बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, बाबा बागेश्वर और कई साधु-संतों ने, एक व्यापक जन-सैलाब के साथ, 'गीता पाठ' किया। बाबरी मस्जिद से 11 किमी की दूरी पर 'बहरामपुर' में राम मंदिर बनाने का उद्घोष किया गया। इन दोनों फैसलों और कर्मकांडों का धार्मिक आस्था से कोई सरोकार नहीं है। ये सांप्रदायिक, हिंदू बनाम मुसलमान, जमावड़े थे, जिनकी मानसिकता में अप्रैल-मई, 2026 के विधानसभा चुनाव उमड़-घुमड़ रहे थे। बेशक प्रभु श्रीराम समूचे भारत के जनमानस के सबसे अधिक स्वीकार्य और पूजनीय आराध्य हैं। राम के जीवन-चरित पर सबसे अधिक, प्रमुख भाषाओं में, 'रामायण' का सृजन किया गया है। यदि हमारे आराध्य का एक और मंदिर बनाया जाता है, तो वह विवादास्पद नहीं हो सकता, क्योंकि बहुसंख्यक हिंदू 'मूर्ति पूजक' हैं, लेकिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में आराध्य का भव्य मंदिर बन चुका है। मंदिर के शिखर पर सनातन की प्रतीक 'धर्म-ध्वजा' भी सुशोभित की जा चुकी है। देश भर से लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य श्रीराम के दर्शन करने और मत्था टेकने अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर का सम्मान किसी तीर्थ-स्थान से कमतर नहीं है, लिहाजा एक और राम मंदिर के उद्घोष का औचित्य क्या है? देश में आज भी प्रभु राम के असंख्य मंदिर हैं, जहां अनवरत पूजा-पाठ जारी है। बेशक राम के नाम पर ध्रुवीकरण और सामुदायिक लामबंदी जरूर की जा सकती है। चुनाव के मद्देनजर उनका महत्व भी निर्णायक है। यकीनन हिंदुओं अथवा ऐसे आस्थावानों के ध्रुवीकरण से भाजपा को चुनावी फायदा सर्वाधिक होता रहा है। स्वतंत्र भारत में बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं के स्मारक के तौर पर मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत अब एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है, उसमें बाबर का स्मारक स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिम मस्जिद बनाना चाहते हैं, तो सरकार से बाकायदा इजाजत लें और पैगंबर मुहम्मद के नाम पर मस्जिद बनाएं। किसे आपत्ति होगी? हालांकि राजधानी दिल्ली में 'बाबर रोड' आज भी मौजूद है। ऐसे और भी स्मारक बाबर के नाम पर देश में होंगे, लेकिन नए प्रयास, नए शिलान्यास, नए निर्माण को नहीं होने देना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कथित बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने देनी चाहिए थी। भाजपा के जो चेहरे चीखा-चिल्ली कर बाबरी का विरोध कर रहे थे, उन्हें भी नींव का पुरजोर विरोध करना चाहिए था। मुख्यमंत्री को अपने ही बागी विधायक को गिरफ्तार कराना चाहिए था, लेकिन बाबरी मस्जिद की प्रतीकात्मक नींव रख दी गई और वह तबका अपनी सांप्रदायिकता में कामयाब रहा। ममता को मुर्शिदाबाद की 24 विधानसभा सीटों पर 65 फीसदी से ज्यादा मुसलमानों के वोट की चिंता थी, तो ममता हिंदुओं के वोट भी छोड़ नहीं सकती थी। बंगाल में 35-40 फीसदी हिंदू वोट ममता की पार्टी के पक्ष में भी जाते हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री ने विधायक को निलंबित ही किया।

चिंतन-मनन

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है। पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ?सा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ?सी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफ जो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

75 साल बाद संसद में वंदे मातरम की राजनीति?

सनत जैन

नई पीढ़ी जानेगी वंदे मातरम का इतिहास, मां किसी से भेदभाव नहीं करती...

स्वतंत्र भारत की संसद में 75 वर्षों के बाद 'वंदे मातरम' पर हुई चर्चा पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक राजनीतिक प्रयास के रूप में शुरू हुई। वंदे मातरम की यह चर्चा एक गीत या नारे तक सीमित नहीं रही। यह बहस प.बंगाल के चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण, उसकी सांस्कृतिक चेतना और एकता के भाव को समझने का अवसर भी बन गई। संसद में सभी राजनीतिक दलों और सभी सांसदों ने एकजुट होकर वंदे मातरम के पक्ष में बढ़-चढ़कर अपने विचार व्यक्त किये।वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है। बल्कि वह स्वर है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्योति जगाई थी। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसके बोल हर किसी को राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कर देते हैं।संसद में इस विषय पर हुई चर्चा का सबसे बड़ा महत्व यह है, नई पीढ़ी को वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और तकनीक की दुनिया में व्यस्त है। ऐसे विषय पर संसद में जो सार्थक बहस हुई है। वर्तमान पीढ़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से बेहतर तरीके से स्वतंत्रता के इतिहास और वर्तमान में प.बंगाल के चुनाव में इस नारे का क्या महत्व है। यह जानने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी यह जान सकेगी राष्ट्र की पहचान केवल वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके गौरवपूर्ण अतीत से भी बनती है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को इस नारे ने विफल कर दिया था। धर्म, भाषा, प्रांत, गरीब और अमीर सब इस नारे से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। संसद में बहस के दौरान यह बात भी उभरकर सामने आई। 'मां' किसी से भेदभाव नहीं करती है। वंदे मातरम में जिस मां की वंदना की गई है। वह भारत माता है।जो अपने सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के समान दृष्टि से देखती है। चाहे वह किसी भी भाषा, धर्म, जाति या किसी भी क्षेत्र से हो। यह गीत किसी एक वर्ग, समुदाय या धर्म का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का है। वंदे मातरम को संकीर्ण नजरिये से देखना ना केवल इसके भाव को सीमित करता है। बल्कि राष्ट्रीय एकता अखंडता और भारतीय संस्कृति को भी चोट पहुंचाता है।

हाल के वर्षों में वंदे मातरम को लेकर समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़े होते रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे विवाद का विषय बना रहे हैं। संसद में जिस तरह से सभी राजनीतिक दलों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वंदे मातरम के इस नारे ने स्वतंत्रता की जो लो आम जनमानस के बीच में जगाई थी। सबने बढ़ चढ़कर इस नारे के औचित्य को समझाया।संसद में हुई बहस ने यह स्पष्ट किया, देशभक्ति किसी पर थोपी नहीं जा सकती है, अभिव्यक्ति के माध्यम अलग-अलग भी हो सकते हैं। यह दिल से उपजने वाली भावना है। वंदे मातरम का सम्मान करना और उसके भाव को समझना सभी नागरिक अच्छी तरह से जानते हैं। कोई भी अपनी जन्मभूमि को छोड़ना नहीं चाहता है। हां अभिव्यक्ति के तरीके जरूर अलग-अलग हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले इसे विवाद का विषय बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत इस बात की है, हम वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीति से ऊपर उठकर देखें। यह गीत सारे भारत को एक साथ जोड़ता है। इसका एक-एक शब्द सारे भारत का प्रतिनिधित्व करता है। संसद में हुई बहस नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका, संघर्ष और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने में संसद की यह चर्चा सार्थक साबित होगी। वंदे मातरम के नारे का जन्म पश्चिम बंगाल से हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में इसके नारे देश के सभी प्रांतों मे गूंजे। दुनिया में सैकड़ो रामायण विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित हुई हैं। सब में अलग-अलग तरीके से राम का वर्णन किया गया है। ठीक उसी तरह स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में वंदे मातरम गीत को प्रत्येक भाषा में अलग-अलग तरह से इसे विभिन्न बोल और विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग संगीत की धुन में गाया गया है। वंदे मातरम में प्रत्येक गीत और संगीत में एक सा भाव है। वंदे मातरम के इस नारे से हमने स्वतंत्रता पाई है। अंग्रेजों के फूट डालो और राज करो की नीति को सफल नहीं होने दिया। जैसे ही इस नारे ने भारत को एकजुट किया। अंग्रेजों को देश छोड़कर भागना पड़ा। संसद में वंदे मातरम विषय पर जो बहस हुई है। प्रत्येक सांसद ने वंदे मातरम के पक्ष में बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा। वंदे मातरम को लेकर जो राजनीति पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के तारतम्य में प्रयास किया जा रहा है। उसमें कितनी सफलता मिलेगी, यह तो भविष्य ही तय करेगा। संसद में जिस तरह से सांसदों ने वंदे मातरम को लेकर ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत किए हैं। संसद में हुई बहस ने नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन और वंदे मातरम के महत्व को समझाने में जरुर मदद की है। प. बंगाल में धार्मिक धुव्रीकरण का जो प्रयास वंदे मातरम के माध्यम से करने के प्रयास को कितनी सफलता मिलेगी? यह कहना मुश्किल है।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'उच्च स्तरीय जांच की जाएगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है। हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरूआत बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : भीषण आग से दो राज्यों में 40 घरों तबाह, एक दमकल कर्मी की मौत

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दो राज्यों में लगी भीषण आग ने 40 घरों को तबाह कर दिया और एक दमकल कर्मी की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ग्रामीण दमकल सेवा आयुक्त ट्रंट कर्टिन ने बताया कि न्यू साउथ वेल्स के बुलाहडेह शहर के पास लगी आग को काबू में करते समय रविवार को 59 वर्षीय दमकल कर्मी की मौत हो गई। इस आग में 3,500 हेक्टेयर जंगल और चार घर नष्ट हो गए।

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति सुबिआंतो आज से पाकिस्तान के दौरे पर

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो सोमवार से पाकिस्तान की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा शुरू करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मामलों के कार्यालय ने बताया कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रही है। सुबिआंतो पीएम शहबाज शरीफ के निमंत्रण पर उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आ रहे हैं। वह शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी व सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मिलेंगे।

पाकिस्तान : पानी और सफाई पर सिंध विधानसभा में हंगामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सिंध विधानसभा में परिवहन, पानी और सफाई पर तीखी बहस हुई, जहां विपक्ष ने कराची और हैदराबाद में बिगड़ते यातायात की आलोचना की, जबकि सरकार ने प्रमुख मार्गों पर सार्वजनिक परिवहन विस्तार का वादा दोहराया। इस दौरान जनरल आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनने की बधाई देने पर राजनीतिक दल बंटे नजर आए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थित सदस्यों ने शर्म करो के नारे लगाए। हंगामे को देख स्पीकर सैयद अवैस कादिर शाह कादिर शाह ने सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी।

बांग्लादेश में छात्रों की पार्टी एनसीपी ने किया गठबंधन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले छात्रों के नेतृत्व वाली पार्टी एनसीपी ने रविवार को जमात-ए-इस्लामी से अलग हुए दल अमर बांग्लादेश पार्टी और राष्ट्र संस्कार आंदोलन के साथ मिलकर एक नया गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन का नाम गणतांत्रिक संस्कार जोते रखा गया है।

ब्रिटेन : 171 डिलीवरी राइडर गिरफ्तार, कई भारतीय भी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार ने बताया है कि ब्रिटेन भर में चलाए गए एक अभियान में 171 डिलीवरी राइडरों को अवैध रूप से काम करते हुए पकड़ा गया है, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। इन सभी को देश से निर्वासित करने के लिए हिरासत में लिया गया है। गृह ऑफिस की इमिग्रेशन एनफोर्समेंट टीमों ने पिछले महीने ऑपरेशन इक्वलाइज चलाया था। इसके तहत न्यूहैम (पूर्वी लंदन) और नॉर्विच समेत कई शहरों में छापे मारे गए।

नेपाल में एयरपोर्ट के निर्माण में भ्रष्टाचार पर चीनी कंपनी पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की भ्रष्टाचार विरोधी संस्था, कमीशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथॉरिटी (सीआईएए) ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर चीनी कंपनी सहित 55 आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। एक विशेष अदालत में मुकदमा दर्ज करते हुए सीआईएए ने चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग और 54 अन्य को आरोपी बनाया है। सीएमसी इंजीनियरिंग, चीनी कंपनी सिनोमैक के निर्माण प्रभाग की कंपनी है। आरोप है कि ठेकेदार और कंपनी ने गलत इरादे से काम किया।

छिड़ गई एक और जंग, थाईलैंड ने कंबोडिया पर कर दिया हवाई हमला; धरा रह गया ट्रंप का समझौता

बैंकॉक, एजेंसी। दुनियाभर में कई जगहों पर चल रहे युद्ध के संकट के बीच एशिया में एक जंग और छिड़ गई है। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद दोनों देशों में जबरदस्त गोलीबारी चल रही है। थाईलैंड ने अमेरिकी की मध्यस्थता में चल रहे सीजफायर एग्रीमेंट की वार्ता भी रोक दी है। थाई सेना के मुताबिक कंबोडिया की तरफ से हुई गोलीबारी में उनका एक सैनिक मारा गाय था। इसके बाद इधर से भी जवाबी कार्रवाई की गई।

मेजर जनरल विंथाई सुवारी ने कहा कि चोंग अन मा पास के करीब कंबोडियाई सेना गोलीबारी करती है। वहीं कंबोडिया का कहना है कि थाईलैंड के सैनिकों ने पहले उकसावे की कार्रवाई की थी। थाईलैंड ने कहा है कि सीमा से सटे गांवों से करीब 70 फीसदी लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। अक्टूबर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कराए गए एक संघर्षविराम समझौते के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवादों ने जुलाई में पांच दिनों तक चले संघर्ष को जन्म दिया था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाई सेना ने ही सबसे पहले कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि कंबोडिया ने सोमवार को शुरुआती हमलों के दौरान जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा,

''कंबोडिया अनुरोध करता है कि थाईलैंड तुरंत सभी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को रोक दे, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। अमेरिका द्वारा कराए गए संघर्षविराम पर पिछले महीने थाई सैनिकों के बारुदी सुरंग की चपेट में आने के बाद खतरा पैदा हो गया था। इसमें थाई सैनिक घायल हो गए थे। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रोक दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। युद्ध में उलझने वाले देशों के बारे लेकर लोगों की जिज्ञासा सबसे ज्यादा उनकी सेना को लेकर होती है। आखिर किसकी सेना कितनी ज्यादा शक्तिशाली है और वायुसेना में कितना दम है, तो चलिए आइए जानते हैं कि आखिर थाईलैंड और कंबोडिया में से कौन किसके ऊपर भारी पड़ता है।

बजट और जमीनी सेना : रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कंबोडिया का रक्षा बजट करीब 1.3 अरब डॉलर था। उसके पास करीब 1.24 लाख सक्रिय सैनिक है। कंबोडिया की सेना की स्थापना 1993 में देश की पूर्व कम्युनिस्ट सेना और दो विद्रोही दलों से मिलकर बनी है। इसके अलावा इनके इनके पास करीब 200 सैन्य टैंक और 480 आर्टिलरी गन हैं। वहीं, दूसरी और थाईलैंड के ऊपर अमेरिका का हाथ रखा हुआ है। कंबोडिया के सामने इसका 5.7 अरब डॉलर का भारी भरकम सैन्य बजट हय् अमेरिका के नॉन नाटो सहयोगी के रूप में पहचान रखने वाले थाईलैंड की सेना में 3.60 लाख सक्रिय सैन्य कर्मी हैं। इनके पास 400 टैंक, 1200 से ज्यादा बख्तरबंद गाड़ियां और करीब 2600 आर्टिलरी हथियार हैं। इसके अलावा इनकी सेना के पास विमानन की भी एक अलग शाखा है।

वायुसेना में भी थाईलैंड ताकतवर : कंबोडिया की वायुसेना में 1500 सैन्य कर्मी शामिल हैं। इनके पास एक छोटा वायुसैनिक बेड़ा है। इसमें 10 ट्रांसपोर्ट जहाज और 10 ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इनके पास कोई फाइटर जेट नहीं है लेकिन 16 अन्य हेलीकॉप्टर हैं, जिनमें 6 सोवियत कालीन एमआई-17 और 10 चीनी जेड-9 विमान शामिल हैं। वहीं, दूसरी तरफ थाईलैंड की वायुसेना दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे मजबूत वायुसेना मानी जाती है। इसके पास वायुसेना में करीब 46 हजार सैनिक हैं और 112 विमान युद्ध के लिए तैयार हैं। इनमें से 28 एफ-16, 11 स्वीडिश ग्रिपन जेट और दर्जनों हेलीकॉप्टर शामिल हैं।

नौसेना भी थाईलैंड आगे : रिपोर्ट के मुताबिक थाईलैंड की नौसेना में करीब 2800 कर्मचारी हैं, जिनमें 1500 नौसैनिक इन्फ्रेंट्री शामिल हैं। इसके अलावा 13 गश्ती और तटीय पोत और एक लैंडिंग क्राफ्ट है। वहीं, दूसरी ओर थाईलैंड की नौसेना के पास जबरदस्त हथियार प्रणाली है। इसकी नौसेना में 70 हजार कर्मचारी हैं, जिनमें नौसैनिक विमानन, मरीन कोर और तटीय रक्षा और अनिवार्य सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा इनके पास एक एयरक्राफ्ट कैरियर, 7 फ्रिगेट, 68 गश्ती और तटीय युद्धपोत शामिल हैं। इसके अलावा इनकी नौसेना की अपनी एक अलग वायु शाखा भी है, जिसके पास कई विमान और हेलीकॉप्टर मौजूद हैं।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सैकड़ों साल से विवाद : थाईलैंड और कंबोडिया का इतिहास लंबे समय तक खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) और सियाम साम्राज्य (थाईलैंड) के बीच टकरावों से जुड़ा रहा है। फ्रांस और ब्रिटिश शासन के दौरान भी दोनों देशों की सीमाओं को तनाव था।

ऑस्ट्रिया की बर्फीली चोटी पर ठंड में जमकर महिला की मौत, बॉयफ्रेंड पर लापरवाही का आरोप

वियना, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंचे पहाड़ ग्रॉसग्लॉकनर पर 33 साल की एक महिला कर्स्टिन गर्टनर की ठंड में जमकर मौत हो गई। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, कर्स्टिन साल्जबर्ग की रहने वाली थीं और सोशल मीडिया पर खुद को 'विंटर चाइल्ड' और 'माउंटेन पर्सन' कहती थीं।

जनवरी में वह अपने बॉयफ्रेंड थॉमस प्लामबेर्गर के साथ चढ़ाई करने गई थीं। थॉमस 39 साल के हैं और एक अनुभवी माउंटेन गाइड हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने अपनी चढ़ाई दो घंटे देरी से शुरू की और ऊपर पहुंचते-पहुंचते मौसम बेहद खराब हो गया। तापमान -20डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और हवाएं तूफानी रफ्तार से चल रही थीं। चोटी से सिर्फ करीब 150 फीट नीचे कर्स्टिन बहुत थक गई, उनका शरीर ठंड से सुन्न होने लगा और वह उलझन में दिख रही थीं।

सरकारी वकील का आरोप है कि इतनी खराब हालत में होने के बावजूद थॉमस रात करीब 2 बजे कर्स्टिन को वहीं छोड़कर मदद लेने निकल गए। उन्होंने न तो उनके ऊपर इमरजेंसी ब्लैंकेट डाला, न ही उनके पास मौजूद सेफ्टी कवर का इस्तेमाल किया।

यहां तक कि थॉमस ने तुरंत रेस्क्यू टीम को कॉल नहीं किया और फोन साइलेंट पर रख दिया, जिससे रेस्क्यू टीम की कॉल्स मिस हो गईं। पहाड़ की वेबकैम फुटेज में भी सिर्फ एक हेडलैंप दिखाई दिया, जो शिखर से दूर जाता हुआ दिखा। तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू टीम सुबह वहां पहुंच सकी। तब तक कर्स्टिन की मौत हो चुकी थी। थॉमस पर अब ग्रॉस नेग्लिजेंस (गंभीर लापरवाही) से हुई हत्या का आरोप है, और दोषी पाए जाने पर उन्हें तीन साल तक की जेल हो सकती है। उनके वकील का कहना है कि यह बस एक हादसा था। यह केस 19 फरवरी 2026 को इनसब्रुक रीजनल कोर्ट में सुना जाएगा।

इंसानों सी मानवीयता: मां के बाद बहन का सहारा बना ऑरंगउटान

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के गुनुंग पलुं नेशनल पार्क के घने वर्षावनों में रहने वाले दो मादा ऑरंगउटानों रोसा और रॉनी को वैज्ञानिक लंबे समय तक मां-बेटी समझते रहे। दोनों साथ घूमतीं, एक ही घोंसले में सोतीं और बड़े प्यार से फल साझा करतीं। पर नेशनल ज्योग्राफिक में प्रकाशित नई स्टडी बताती है कि यह रिश्ता असल में मां-बेटी का नहीं, बल्कि बड़ी और छोटी बहन का था। बड़ी बहन रोसा ने मां की मौत के बाद छोटी रॉनी को गोद लेकर पाला। यह ऑरंगउटानों में गोद लेने का पहला विस्तृत वैज्ञानिक दस्तावेज है, जो इन एकाकी जीवों के सामाजिक व्यवहार की नई परतें खोलता है। दुनिया को पहली बार पता चला कि ऑरंगउटान परिवार के बच्चों को गोद देते हैं। बोस्टन यूनिवर्सिटी की मानवविज्ञानी चेरिल नॉट ने डीएनए विश्लेषण कराया तब जाकर दोनों बहनों का सच सामने आया।

दोनों की उम्र में रहा करीब सात साल का फासला : सगी मां वेली थी, जो 2016 के बाद जंगल में नहीं दिखी। वेली की छोटी बेटी वाना को अंतिम बार 4 साल की उम्र में देखा गया था। बाद में पता चला कि वाना ही आगे चलकर रॉनी बनी। यानी मां की मौत के बाद बड़ी बहन रोसा ने उसे अपना लिया। 2017 में जब रोसा पहली बार रॉनी के साथ दिखी, वह लगभग 12 वर्ष की थी और रॉनी 5 वर्ष की।

चीन ने जापानी फाइटर जेट्स को निशाने पर लिया:दो बार फायर-रडार लॉक किया; बीजिंग का आरोपों से इनकार

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने चीन पर उसके फाइटर जेट्स को निशाने पर लेने का आरोप लगाया है। जापानी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक घटना शनिवार की है। आरोप है कि चीनी फाइटर जेट्स ने ओकिनावा द्वीप के पास इंटरनेशनल वॉटर्स में जापान की एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के विमानों पर दो बार फायर-कंट्रोल रडार लॉक किया। यह वह स्टेज है जब कोई फाइटर जेट अपने हथियारों वाला रडार सीधे टारगेट पर लॉक कर देता है। फायर-कंट्रोल रडार को मिसाइल दागने से ठीक पहले लॉक किया जाता है। जापान ने घटना पर चीन को कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पीएम साने तकाइची ने इसे खतरनाक बताते हुए चीन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ भविष्य में ऐसी घटना को रोकने के लिए कहा है। हालांकि चीन ने जापान के आरोपों से इनकार किया है।

चीन ने जापान को जिम्मेदार ठहराया : चीनी सेना ने इस घटना के लिए जापान को जिम्मेदार ठहराया है। PLA ने कहा है कि जापानी विमानों ने चीनी ट्रेनिंग एरिया में बार-बार घुसपैठ की। इससे अभ्यास बाधित हुआ और उड़ान सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ। घटना के वक्त चीनी कैरियर और तीन मिसाइल डिस्ट्रॉयर अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान जापान ने संभावित हवाई सीमा उल्लंघन को रोकने के लिए एफ-15 विमानों को तैनात किया था। जबाव में चीनी जे -15 फाइटर जेट्स ने लिआनिंग एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरते हुए एएसडीएफ के एफ-15 विमानों को रडार से निशाना बनाया। जापानी रक्षामंत्री शिंजिरो कोइजुमी के मुताबिक घटना में कोई विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ।

ताइवान के मुद्दे पर चीन-जापान में तनाव बढ़ा : चीन और जापान के पिछले महीने ताइवान को लेकर जापानी पीएम साने ताकाइची के बयान के बाद तनाव बढ़ गया था। दरअसल ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला बताया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब जापान में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है।

ताइवान को अपना हिस्सा मानता है चीन : चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले छात्र-नेतृत्व वाली नई पार्टी ने जमात से हाथ मिलाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हाल में गठित छात्र नेतृत्व वाली पार्टी एनसीपी ने रविवार को जमात-ए-इस्लामी और एक अन्य समूह के साथ मिलकर फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले 'गणतांत्रिक संगस्कार जोट' नामक गठबंधन बनाया। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रोत्साहन से इस वर्ष फरवरी में गठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी), स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक राजनीतिक संगठन है, जिसने पिछले साल हिंसक प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। प्रदर्शन के परिणामस्वरूप पांच अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से बाहर

होना पड़ा था। एनसीपी ने दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी की शाखा अमर बांग्लादेश (एबी) पार्टी और 'राष्ट्र संगस्कार आंदोलन' के साथ गठबंधन बनाया। एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारे गठबंधन को 'गणतांत्रिक संगस्कार जोट' कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दो साल से अधिक के दीर्घकालिक प्रयासों का परिणाम है। इस्लाम सहित तीन छात्र नेता उस सलाहकार परिषद का हिस्सा थे जिसे यूनुस ने आठ अगस्त, 2024 को मुख्य सलाहकार का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद गठित किया था। हालांकि, इस्लाम ने एनसीपी के गठन के लिए अपना पद छोड़ दिया। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी, जमात-ए-इस्लामी ने फरवरी में होने वाले चुनावों के लिए समान विचारधारा वाले राजनीतिक संगठनों के बीच एकजुटता बनाने के अपने प्रयासों के तहत हाल में आठ इस्लामी दलों का गठबंधन बनाया। यूनुस की सरकार ने हसीना की अवामी लीग को भंग कर दिया था। इस कारण से पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) देश के राजनीतिक क्षेत्र में अग्रणी बन गई थी। जिया वर्तमान में गंभीर रूप से बीमार हैं। जिया की बीएनपी का संचालन उनके बड़े बेटे और पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान द्वारा किया जा रहा है, जो 2008 से लंदन में रह रहे हैं।

'आपको आईसीई के एजेंटों का आदेश न मानने का हक..', छापेमारी के बीच प्रवासियों से बोले जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के अगले मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने बताया कि प्रवासियों को अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) के एजेंटों से बात न करने या उनके आदेशों का पालन न करने का अधिकार है। यह वीडियो ऐसे समय में जारी किया गया है, जब आईसीई ने मैनहैटन में हाल ही छापेमारी की है।

वीडियो में ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का वादा किया। उन्होंने कहा, 'अगर आप अपने अधिकार जानते हैं, तो आप आईसीई का सामना कर सकते हैं। ममदानी ने कहा कि अमेरिका में लोग संघीय आव्रजन एजेंटों से बात करने से इनकार कर सकते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाए बिना उनका वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं और उन्हें किसी निजी स्थान में प्रवेश करने से मना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आईसीई एजेंट किसी जज के हस्ताक्षर वाले वारंट के बिना किसी घर, स्कूल या कार्यस्थल में प्रवेश नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, आईसीई आपसे झूठ बोल सकता है, लेकिन आपको चुप रहने का अधिकार है। अगर आपको रोका जा रहा है, तो आप बार-बार पूछ सकते हैं- क्या मैं जा सकता हूं? जब तक वे जवाब न दें। ममदानी एक जनवरी को मेयर पद

की शपथ लेंगे। उनकी यह टिप्पणी उस घटना के एक सप्ताह बाद आई, जब प्रदर्शनकारी चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर उस समय एकत्र हो गए थे। आईसीई एजेंट लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश कर रहे थे। पिछले अक्तूबर में भी इसी इलाके में ऐसी ही कार्रवाई के दौरान विरोध प्रदर्शन हुआ था। ममदानी ने रविवार के वीडियो में कहा, न्यूयॉर्क हमेशा प्रवासियों का स्वागत करेगा और मैं हर दिन उनकी सुरक्षा, सहयोग और सम्मान के लिए लड़ता रहूंगा। कुछ हफ्ते पहले ममदानी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भी व्हाइट हाउस में बैठक की थी। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में न्यू ऑरलियन्स सहित कई अमेरिकी शहरों में अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू की है।

जेलेंस्की ने पढ़ा तक नहीं यूएस का प्रस्ताव, ट्रंप कैसे रुकवा पाएंगे युद्ध; किस मूड में है रूस

कीव, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए 'तैयार नहीं हैं'। इसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। दोनों मुल्कों के बीच फरवरी 2022 से ही सैन्य संघर्ष जारी है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं। ट्रंप ने कहा, 'मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। उनकी टीम को यह पसंद है लेकिन वह तैयार नहीं हैं।' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है। वास्तव में पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप के प्रस्ताव के कई पहलू अव्यावहारिक हैं। हालांकि, प्रस्ताव का मूल मसौदा मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ था। जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उन अमेरिकी अधिकारियों के साथ 'फोन पर महत्वपूर्ण बातचीत' की है, जो फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वार्ता की प्रगति के बारे में फोन पर जानकारी दी गई। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'यूक्रेन अमेरिका के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वास्तविक शांति हासिल की जा सके।' ट्रंप ने

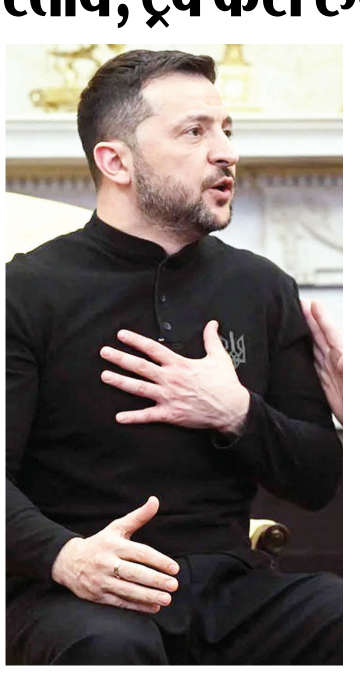

जेलेंस्की की आलोचना ऐसे वक्त में की है जब रविवार को रूस ने ट्रंप प्रशासन की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का स्वागत किया। इसी बीच, अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के नेता सोमवार को लंदन में जेलेंस्की के साथ बैठक करेंगे। हमले जारी रूस द्वारा रविवार रात को किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी चेर्निहिव क्षेत्र में शनिवार रात हुए ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई। इस बीच, केंद्रीय शहर क्रेमेन्चुक में बुनियादी ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन के संयुक्त हमले से बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। यह शहर यूक्रेन की प्रमुख तेल रिफाइनरियों और औद्योगिक केंद्रों में से एक है। कीव और उसके पश्चिमी सहयोगियों का कहना है कि रूस लगातार चौथी बार सर्दियों में यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली को निशाना बनाकर नागरिकों को गर्मी, रोशनी और पानी से वंचित करने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे 'ठंड को हथियार बनाना' बताया। हमलों के बीच, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने फ्लोरिडा में चल रही वार्ता में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा,'यूक्रेन अमेरिकी पक्ष के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने और शांति बहाल के लिए दृढ़ संकल्पित है।' यूक्रेन के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निवर्तमान दूत कीथ केलॉग ने कहा कि वार्ता 'अंतिम चरण' में है और इसका समाधान भूभाग, मुख्य रूप से डोनबास, तथा जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र से जुड़े मुद्दों पर निर्भर करता है।

बीमार हैं तो न लें अपने बच्चों की पप्पियां

डॉक्टरों ने उन लोगों को अपने बच्चों को किस यानी की पप्पी करने के लिए मना किया है, जो खुद को अस्वस्थ महसूस करते हैं। डॉक्टरों ने ये चेतावनी इसलिए दी है ताकि संभावित रूप से खतरनाक संक्रमण को रोका जा सके। यूटी हेल्थ ईस्ट टेक्सास की बाल (रोग) चिकित्सक टिफनी हिल का कहना है कि छह महीने से कम उम्र के शिशु विशेष रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसे रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस कहते हैं। खासकर ये संक्रमण बच्चों में अक्टूबर से मार्च के बीच में होते हैं।

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेनशन(सीडीसी) के मुताबिक, कुछ लोग को नाक बहना, छींकना खासी जैसी दिक्कतें रहती हैं। इन तरह की संक्रमणों गंभीर भी हो सकते हैं। इससे सांस लेने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, जिसे जल्द ठीक करना चाहिए नहीं तो यह आपके शरीर में और भी रोग पैदा कर सकता है। सीडीसी के मुताबिक, दो साल तक के ज्यादातर बच्चे रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस के शिकार हो सकते हैं। इसके साथ ही एक साल या एक साल से कम उम्र के बच्चे अगर रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस की चपेट में आते हैं तो उनके लिए यह एक गंभीर बीमारी भी बन सकती है। बच्चों में निमोनिया का खतरा भी बढ़ जाता है। बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी इसकी चपेट में आने का खतरा हो सकता है।

पीडियाट्रिशियन हिल ने बताया की जैसा कि आप जानते है की वायरस का कोई तोड़ नहीं। इसलिए बच्चे के माता-पिता को बच्चे पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए, साथ ही बच्चे को भांप दें जिससे की बच्चे को सांस लेने में कुछ हद तक आाराम मिल सके और वह अपने आप को थोड़ा अच्छा महसूस करे।

सीडीसी के मुताबिक, अगर कोई रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस की चपेट में आ गया है तो उसे अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। अगर किसी 6 महीने के बच्चे को इसका शिकार होना पड़ता है और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही है तो उसे भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं है। हिल ने बताया की कुछ मामले ऐसे भी आते हैं, जिनमें बच्चे ब्रिथिंग ट्यूब के साथ ठीक रहते हैं।

अगर किसी को रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस है तो यह किसी और को भी हो सकता है। यह वायरस काफी आसानी से फैल सकता है। पीड़ित के बार-बार नाक बहना, छींकना और खासी जैसी चीजों से यह किसी भी दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। यह कई बार एक-दूसरे को छुने से भी फैल जाता है। अगर किसी को रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस है तो वह बच्चों को किस न करें। ऐसा करने से बच्चों में यह वायरस जा सकता है। इसलिए सीडीसी ने चेतावनी दी है की कोई भी बच्चों को खासी, छींक या फिर नाक के बहते समय किस न करें। इसके साथ ही बच्चों को बार-बार छुने से या उनके साथ खेलने से भी बच्चों में वायरस फैल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है की जिन लोगों को खासी, छींक या फिर नाक बहने जैसी चीजें हो तो आप किसी से भी हाथ मिलाने से बचें, बच्चों से दूर रहें। जिसे वायरस है वह हाथ से नाक न साफ करें। वो या तो रूमाल का प्रयोग कर सकते हैं। साथ ही वह हाथ को भी साबून से धोएं।

बच्चे के माता-पिता को इस बात का ध्यान देना चाहिए कि अगर कोई आपके बच्चे के ज्यादा नजदीक जा रहा है तो क्या वह खासी या नाक बहना जैसी चीजों से पीड़ित तो नहीं। अगर ऐसा है तो आप अपने बच्चे को उनसे दूर रख कर अपने बच्चे को इसका शिकार होने से बच्चा सकते हैं। यह आपके बच्चे के लिए और उसके स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा।

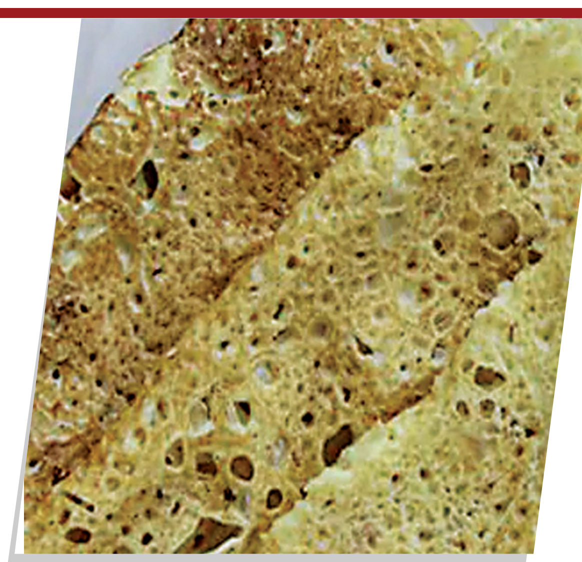

चिल्का रोटी

सामग्री

- चावल: 1 1/2 कप
- चना दाल: 3/4 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

रोटी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल और चने की दाल को रातभर भिगोकर रख दें। सुबह पानी निकालकर छान लें। सुबह इसे ग्राइंडर जार में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बर्तन में पेस्ट डालें और इसमें नमक मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करने के लिए रख दें। अब हल्का-सा तेल लगाकर तवे को चिकना कर लें। अब पेस्ट का एक चम्मच तवे पर फैला दें और हल्का ब्राउन होने तक सिंकने दें। इसी तरह से दूसरी तरफ भी हल्का तेल लगाकर सेंक लें। इसी तरह सारी रोटियां सेंक लें। तैयार है चिल्का रोटी। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

एंटी पॉल्यूशन सूप

सामग्री

- 4 आंवला
- 1 ब्रोकली
- 1 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- मूली: 1/2 कप
- 1 टमाटर
- कच्ची हल्दी: 2 टेबलस्पून / हल्दी पाउडर: 1/2 टीस्पून (ऑप्शनल)
- अलसी पाउडर: 2 टेबलस्पून
- काला नमक: 2 टेबलस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून

विधि

Anti Pollution Soup बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद सब्जियों को काटकर रख लें। मीडियम आंच पर प्रेशर कुकर में सारी सब्जियां, हल्दी पाउडर, अलसी पाउडर, काली मिर्च पाउडर, काला नमक, ऑलिव ऑयल और 4 कप पानी डालकर 2 सीटी आने तक पका लें। अब कुकर खोलकर छलनी से सूप को छान लें। सूप को कटोरी में डालकर सर्व करें। उबली हरी सब्जियों से मनपसंद सब्जी बना लें या फिर पराठे भी बना सकते हैं। आप चाहें तो पुलाव में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हरी सब्जियों को वेजिटेबल सलाद के तौर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

काकुरो पहेली - 2672

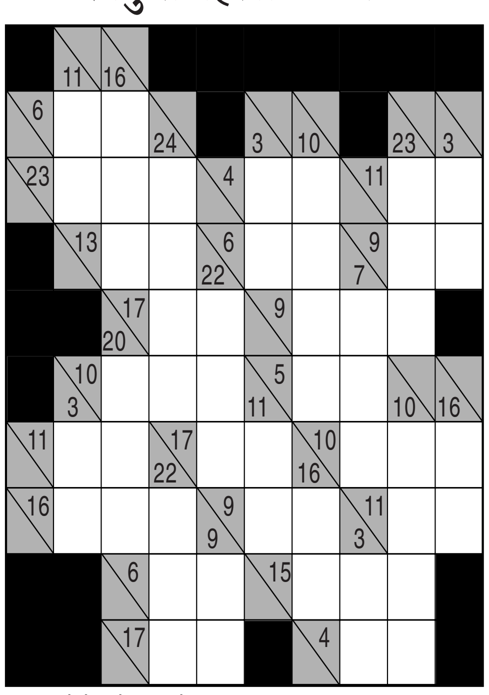

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

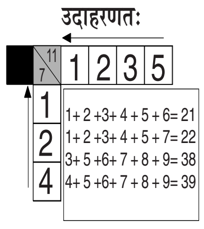

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2671 का हल

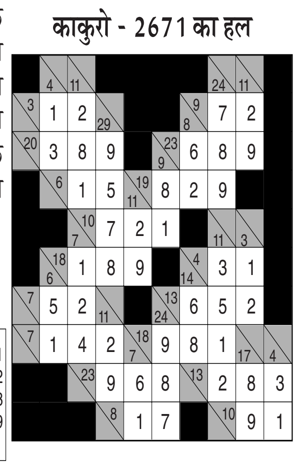

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

□ □ □

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है,कुंवारी बोली.

□ □ □

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा- मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

□ □ □

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

□ □ □

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2672

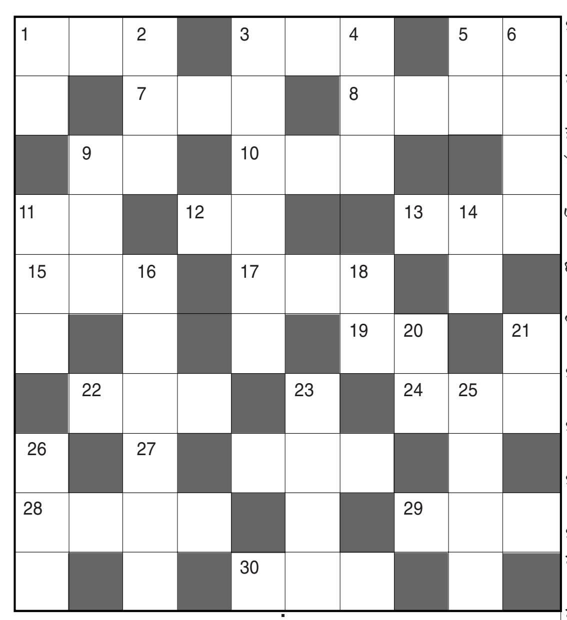

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2671

सूडोकु -2672

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2671 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली -2672

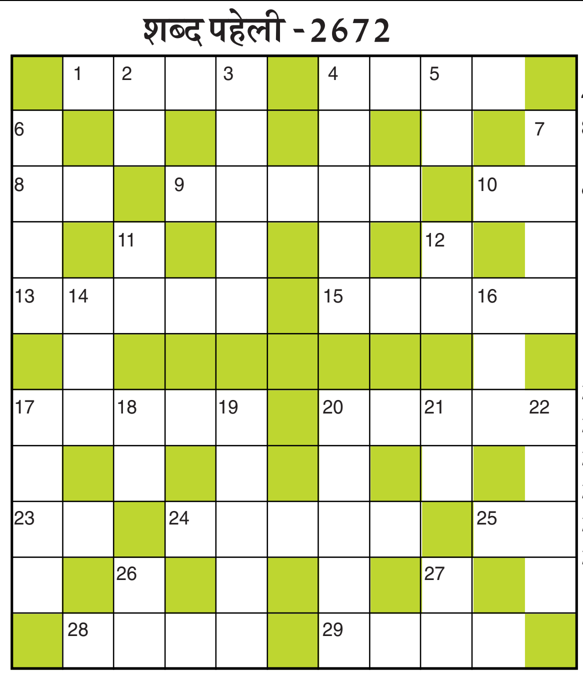

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -2671 का हल

रबी सीजन में बिजली आपूर्ति की मेंटेन हो ब्लॉक ऑवर सप्लाईः ऊर्जा मंत्री

एजेंसी

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने निर्देश दिए हैं कि ब्लॉक ऑवर सप्लाई को मेंटेन कर रबी सीजन में कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को व्यवधान रहित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सप्लाई की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए मुख्यालय से निचले स्तर तक अधिकारी भेजे जाएं, जो कि ट्रिपिंग वाले ग्रिड सब स्टेशनों तथा फीडर को चिन्हित कर उनमें लोड प्रबंधन की बेहतर प्लानिंग करें। नागर रबी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की मंगलवार को विद्युत भवन में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। साथ ही प्रसारण निगम के स्तर पर भी बढ़े हुए लोड के अनुरूप पावर ट्रांसफार्मर्स की क्षमता वृद्धि के उपाय अभी से कर लिए जाएं। बैठक में प्रमुख शासन सचिव (ऊर्जा) अजिताभ शर्मा ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं तथा आरडीएसएस के अन्तर्गत कृषि एवं गैर कृषि फीडर सेग्रीगेशन कार्य को गति देने के निर्देश दिए। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने मांग एवं इसके अनुरूप वितरण निगमों द्वारा की जा रही आपूर्ति की जानकारी दी।

मध्य प्रदेश में शिक्षा, कुपोषण सहित अन्य स्थितियों में सुधार : राजेंद्र शुक्ल

भोपाल। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का दावा है कि कांग्रेस सिर्फ आरोप लगाती है, जबकि सच्चाई यह है कि राज्य की शिक्षा, कुपोषण सहित अन्य स्थितियों में सुधार आया है। भाजपा द्वारा पार्टी कार्यालय में मंत्रियों के नियमित तौर पर मौजूद रहने की व्यवस्था के क्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल दफ्तर में मौजूद रहे और उन्होंने कार्यकर्ताओं की बात सुनी। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा एवं कुपोषण सहित प्रत्येक क्षेत्र में हमारी सरकार स्थितियों को बेहतर करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का काम केवल आरोप लगाना है और आरोप लगाते जरूर हैं, लेकिन वह यह समझ रहे हैं कि इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि मातृ मृत्यु दर 175 से 142 पर आ गई है और शिशु मृत्यु दर 50 से अधिक थी, वह अब 37 पर आ गई है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार भी यह मानती है कि स्वास्थ्य विभाग में सुधार हो रहा है। कुपोषण को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री खाद्यान्न योजना जैसी अनेकों योजनाएं चल रही हैं और स्थितियां पहले से बेहतर हो रही हैं।

देशभर में SIR के दूसरे चरण की रफ्तार तेज, 98.69 प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइज

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एसआईआर के दूसरे चरण का नया अपडेट जारी किया, जिसमें देशभर के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची पुनरीक्षण की तेज प्रगति दिखाई दी है। आयोग द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन में बताया गया कि 4 नवंबर से शुरू हुआ एन्यूमरेशन चरण 11 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न राज्यों में मतदाता-विशिष्ट एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण और डिजिटाइजेशन का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। लक्षद्वीप (जहां कुल 57,813 मतदाता दर्ज हैं) ने 100 प्रतिशत फॉर्म वितरण और डिजिटाइजेशन पहले ही पूरा कर लिया है। इसी तरह गोवा और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह ने भी लगभग पूरा लक्ष्य हासिल कर लिया है। पुडुचेरी (जहां 10.21 लाख मतदाता हैं) ने 99.98 प्रतिशत फॉर्म वितरित कर दिए हैं और 99.90 प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइज भी हो चुके हैं।मध्य प्रदेश (जहां मतदाताओं की संख्या 5.74 करोड़ से अधिक है) ने लगभग 100 प्रतिशत फॉर्म वितरण और 99.97 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया है। गुजरात ने 99.99 प्रतिशत वितरण जबकि 99.68 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हुआ है। देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश (जिसमें 15.44 करोड़ से अधिक मतदाता हैं) ने भी 99.95 प्रतिशत फॉर्म वितरित कर दिए हैं।

वंदे मातरम के 150 साल पर सबसे बड़ा तोहफा पीओके और चीन से जमीन वापस लाना होगा : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष और ग्रेटर कैलाश के पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर सरकार पर तीखा हमला बोला। सौरभ भारद्वाज ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी सचमुच 'वंदे मातरम' को देश की जनता को सबसे बड़ा उपहार देना चाहते हैं तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में वापस लाएं और चीन द्वारा भारतीय जमीन हथियाई है, उसे भी छुड़वाएं। उन्होंने कहा कि थोड़ी देर टीवी पर प्रधानमंत्री बोल दें, विपक्ष कुछ बोल दे, बहस हो जाए इससे क्या होता है? 'वंदे मातरम' तब असली अर्थों में सार्थक होगा जब ये सारी जमीनें देश में वापस आएंगी। जब ये वादे पूरे नहीं हो सकते तो उन्हें वापस लिया जाए, ऐसे तो बाकी सभी खोखली बातें हैं।

सड़क बनाना ही पर्याप्त नहीं, आमजन को सुरक्षित सड़क मार्ग उपलब्ध करवाना भी हमारी जिम्मेदारी : दिया कुमारी

एजेंसी

जयपुर। सड़क आमजन की सुविधा के लिए बनाई जाती है ताकि उन्हें सुगम एवं त्वरित परिवहन मिल सकें। इसलिए सड़कें बनाने के साथ ही उन्हें आमजन के लिए सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें सार्थक प्रयास करने होंगे और सड़क निर्माण के लिए निर्धारित मानकों का पालन पूर्ण निष्ठा से करवाना होगा। निर्माण भवन में आयोजित रोड सेफ्टी ऑडिट पर सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने यह बात कही। दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के मिशन में इन्फ्रा, कनेक्टिविटी और रोड सेफ्टी प्रमुख स्थान रखते हैं। सड़क सुरक्षा के लिए नियम और गाइडलाईन्स पहले से बनी हुई है लेकिन उनका क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो रहा है। हम सब को योजनाबद्ध तरीके से ऐसे प्रयास करने होंगे कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तभी सार्थक होगा, जब अधिकारी यहाँ से प्राप्त ज्ञान का प्रयोग सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए करेंगे। सर्टिफिकेशन कार्यक्रम की अवधि 8 से 23 दिसंबर– भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी (आईएएचआई) द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए रोड सेफ्टी ऑडिट का 15 दिवसीय

सर्टिफिकेशन कार्यक्रम 8 से 23 दिसंबर तक निर्माण भवन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें विभाग के 55 अभियंता भाग ले रहे हैं। इसके अन्तर्गत मौजूदा सडकों ओर पुलों की एक चरण में तथा नई सड़कों और पुलों की तीन चरणों (डिजाईन, निर्माण और प्री ओपनिंग स्टेज) पर ऑडिट का प्रशिक्षण दिया जायेगा। गौरतलब है यह प्रशिक्षण 'रोड सेफ्टी ऑडिट कोर्स विशेषज्ञ टीम' द्वारा दिया जा रहा है। इस टीम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एडीजी संजीव कुमार, अधीक्षण अभियंता मनीष असाती, आईटीएस विशेषज्ञ मनोहर मीणा, आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर गीतम तिवारी, एनएचएआई के रोड सेफ्टी एडवाईजर एस के पोपली, परवेज आलम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस कोर्स के बाद प्रशिक्षित अभियंता फील्ड में जाकर रोड सेफ्टी ऑडिट करेंगे। इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता ने उद्घाटन सत्र को सम्बोधित किया।

मणिपुर में हथियार-गोलाबारूद के साथ चार उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस तथा सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े चार कैडरों को गिरफ्तार किया गया। इन अभियानों के दौरान हथियार, गोलाबारूद, संचार उपकरण तथा पहचान संबंधी दस्तावेज भी बरामद हुए। पहले अभियान में विष्णुपुर थाना क्षेत्र के नाइखोंग खुलेन अवांग लाइकै से प्रीपाक के सक्रिय कैडर लमाबम रोशन सिंह उर्फ केथम उर्फ अथौबा (24) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी में दो स्टैलियन प्रो गन, 12-बोर के 13 जिंदा कारतूस, एक नंबर-36 हैंड ग्रेनेड, दो वॉकी-टॉकी सेट, दो चार्जर, एक बीपी जैकेट और एक टिन का ट्रंक बरामद हुआ। उधर, इंफाल पूर्व में लामलाई थाना क्षेत्र के खरसोंम अवांग लाइकै से सुरक्षा बलों ने केवाईकेएल के कैडर लोंगजाम मोचा मैतेई उर्फ राज (41) को उसके निवास से पकड़ा।

एक अन्य कार्रवाई में लमसांग थाना क्षेत्र के कदांगबंद मायाई लाइकै से यूएनएलएफ (के) के उग्रवादी एवं रंगदारी वसूली में सक्रिय युमखैबम ब्रोजेन सिंह (50) को गिरफ्तार किया गया। उससे दो मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक एयरटेल एयरफाइबर उपकरण बरामद किए गए। इसी दिन, विष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग मथक लाइकै से केसीपी (नौंगद्रेनखोम्बा) गुट के सदस्य हाओबिजाम निंगतंबा मैतेई (31) को भी सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक वोटर आईडी कार्ड मिला। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि ये गिरफ्तारियां राज्य में उग्रवादी नेटवर्क और रंगदारी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की लगातार जारी मुहिम का हिस्सा हैं।

केंद्र सरकार आम लोगों के बारे में नहीं सोचती : ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंदे मातरम पर दिए गए वक्तव्य की आलोचना की। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कवि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंदे मातरम के सिर्फ एक हिस्से को भारतीय राष्ट्रीय गीत के तौर पर शामिल करने की बात कही थी। ममता ने दावा किया कि भाजपा इस मामले का बेवजह राजनीतिकरण कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूचबिहार जाने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा, 'यह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर थे, जिन्होंने राष्ट्रीय गीत के लिए वंदे मातरम के हिस्से को चुना था। भाजपा को उस पर भी आपत्ति थी। उन्हें हर बात पर आपत्ति है। कभी वे गुरुदेव का विरोध करते हैं, और कभी वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस का विरोध करते हैं।' दूसरी तरफ, इंडिगो संकट पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय की योजना की कमी यात्रियों की परेशानी के लिए जिम्मेदार है। मैंने देखा है कि पिछले कुछ दिनों से फ्लाइट में गड़बड़ी के कारण यात्रियों को बहुत मुश्किलों का सामना करना

पड़ रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि योजना की बिल्कुल कमी थी। मुझे लगता है कि यात्रियों को हुई दिक्कतों के कारण कोर्ट जाने का उनका अधिकार है, अगर केंद्र सरकार सही से काम करती तो आज यात्रियों को परेशान न होना पड़ता।

उन्होंने यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए दूसरे विकल्प चुनने के सुझाव पर भी सवाल उठाया और पूछा कि यह कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि असल में, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार आम लोगों के बारे में नहीं सोचती। वे हमेशा चुनाव नतीजों के बारे में सोचते हैं। दरअसल, वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने लोकसभा में कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि पार्टी ने मुस्लिम लीग के दबाव में राष्ट्रीय गीत को तोड़ा और उनके सामने घुटने टेक दिए।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज, जब हम वंदे मातरम के 150 साल मना रहे हैं, तो हमें नई पीढ़ी को सच्चाई बतानी चाहिए कि कांग्रेस ने एक बार मुस्लिम लीग के दबाव और अपनी हमेशा की तुष्टीकरण की नीति के आगे झुककर इस भजन को बांट दिया था। ऐसा दोबारा कभी नहीं होना चाहिए। '

पीएम मोदी ने घोषणा की और संसद से आग्रह किया कि उस गीत में गौरव बहाल किया जाए जिसने कभी देश को औपनिवेशिक शासन के खिलाफ एकजुट किया था।

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार ने की पीएम मोदी की सराहना, बंगाल सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार ने संसद में इस प्रतिष्ठित गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पहल की सराहना की है। परिवार का कहना है कि यह सम्मान लंबे समय से अपेक्षित था और इससे बंकिमचंद्र की ऐतिहासिक भूमिका को उचित स्थान मिला है। 'वंदे मातरम्' नवंबर 1875 में लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत देशभक्तों का प्रेरणास्रोत बना। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के पौत्र सजल चट्टोपाध्याय ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस महान साहित्यकार की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि जो कुछ हो रहा है वह बंगाल और हिन्दू समाज के लिए बेहद शर्मनाक है। मैं केंद्र सरकार को सलाम करता हूं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय देश के पहले स्नातक थे, लेकिन उनके नाम पर कुछ भी नहीं है, सिर्फ उनकी संपत्ति ही उनकी पहचान बनी हुई है। मेरा मानना है कि जैसे रवीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर विश्वविद्यालय हैं, वैसे ही हर राज्य में एक विश्वविद्यालय बंकिमचंद्र के नाम पर होना चाहिए। संसद में विरासत को आगे बढ़ाने वाला कोई भवन नहीं है। संसद में 'जन गण मन' पहले स्वरूप में और अंत में 'वंदे मातरम्' वाद्य-संगीत में बजता

है। हम चाहते हैं कि 'वंदे मातरम्' भी स्वरूप में बजाया जाए। ' प्रधानमंत्री मोदी ने उनके बारे में जो कहा, वह अत्यंत सम्मानजनक है। '

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पर संसद में चर्चा शुरू करने के बाद चट्टोपाध्याय परिवार की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। सजल चट्टोपाध्याय ने यह भी मांग की कि पश्चिम बंगाल में 'रविन्द्र भवन' की तरह 'बंकिम भवन' भी स्थापित किए जाए। उन्होंने कहा कि रविन्द्र भवनों में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, लेकिन बंकिमचंद्र की

उल्लेखनीय है कि, पिछले माह प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि 1937 में उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में कांग्रेस ने अपने अधिवेशन के दौरान 'वंदे मातरम्' के महत्वपूर्ण अंशों को हटा दिया था। पीएम मोदी ने कहा था कि ऐसी ही गलतियों ने देश के बंटवारे की जमीन तैयार की और राष्ट्रीय गीत को टुकड़ों में बांट दिया।

आईआईटी खड़गपुर में पांच दिवसीय नवाचार महोत्सव एसआईएच-2025 का आगाज

एजेंसी

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2025 - हार्डवेयर संस्करण के ग्रैंड फिनाले का विधिवत शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही 8-12 दिसंबर तक चलने वाली पांच दिवसीय राष्ट्रीय नवाचार यात्रा की शुरुआत हुई।

उद्घाटन समारोह में अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। डीन (प्रशासन) प्रोफेसर कमल लोचन पाणिग्राही तथा प्रौद्योगिकी छात्र व्यायामशाला (जिमखाना) के अध्यक्ष प्रोफेसर जितेन्द्र महाकुद ने नवाचार को बढ़ावा देने एवं युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने पर अपने विचार व्यक्त किए।

एसआईएच 2025 की संयोजिका प्रोफेसर विद्या कोचट एवं सह-संयोजक प्रोफेसर आदित्य

बन्द्योपाध्याय ने विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागियों, मार्गदर्शकों और विशेषज्ञों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जमशेदपुर के जिलाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने युवाओं को सृजनात्मकता और तकनीकी कौशल की नई सीमायें छूने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अर्पन पाल (मुख्य वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रमुख– टीसीएस अनुसंधान) और डॉ. रजत पाल ने उद्योग-अकादमिक साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। एआईसीटीई नोडल केंद्र प्रमुख जोएल एंड्रयूज, मनव चेतन तथा आईआईटी खड़गपुर के कुलसचिव कैप्टन (सेवानिवृत्त) अमित जैन की उपस्थिति से समारोह की गरिमा और बढ़ गई। उल्लेखनीय है कि, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन आज विश्व का सबसे बड़ा मुक्त नवाचार मंच बन चुका है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को मंत्रालयों, सरकारी विभागों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

नासिक में कार गहरी खाई में गिरने से छह लोगों की मौत, एक घायल

एजेंसी

मुंबई। नासिक जिले कलवण तहसील इलाके में सप्तश्रृंग गढ़ घाट क्षेत्र में एक कार के 600 फुट गहरी खाई में गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। घायल व्यक्ति का इलाज नजदीकी अस्पताल में हो रहा है। सुबह तक खाई से सभी मृतकों के शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना में मृतकों के परिजनों को प्रत्येक पांच लाख रुपये आर्थिक मदद की घोषणा की है। इस घटना की छानबीन जारी है। नासिक जिले के उपजिलाधिकारी रोहित कुमार राजपूत ने बताया कि कलवण के घाट क्षेत्र में एक कार रविवार शाम को गहरी खाई में गिर गई थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और डिस्ट्रिक्ट डिज़ास्टर मैनेजमेंट की टीम मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरु किया। आज सुबह तक खाई में गिरी कार में से छह लोगों के शव निकाल लिया गया है और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त कार में कुल सात लोग सवार थे। इनमें से एक घायल है, उसका इलाज नजदीकी अस्पताल में हो रहा है। इस घटना में मृतकों की पहचान कीर्ति पटेल (50), रसीला पटेल (50), विन पटेल (70) के रुप में की गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को दुःखद बताते हुए मृतक आश्रितों को पांच लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। उन्होंने कहा, नासिक जिले के सप्तश्रृंगी गढ़ में एक गाड़ी के गिरने से हुए हादसे में 6 श्रद्धालुओं की जान जाने की घटना बहुत दुखद है।

काशी तमिल संगमम् के चतुर्थ समूह ने किया विश्वनाथ धाम का दर्शन-भ्रमण, अन्नक्षेत्र में ग्रहण किया प्रसाद

एजेंसी

वाराणसी। काशी तमिल संगमम् के अंतर्गत आए चतुर्थ समूह का काशी विश्वनाथ धाम में परंपरागत और भव्य स्वागत किया गया। मंदिर पहुँचने पर काशी विश्वनाथ मंदिर के शास्त्रियों ने फूल-वर्षा, डमरू वादन और वेदध्वनि के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया। इस दिव्य वातावरण में सभी अतिथि 'हर हर महादेव' और 'वणक्कम काशी' के उद्घोष के साथ बाबा विश्वेश्वर के चरणों में नमन करते हुए दर्शन-पूजन में सम्मिलित हुए।

धाम के भव्य कॉरिडोर का विशेष भ्रमण

स्वागत के उपरांत मंदिर प्रशासन द्वारा चतुर्थ समूह के सभी सदस्यों को काशी विश्वनाथ धाम के विशाल और भव्य कॉरिडोर का विस्तृत भ्रमण कराया गया।

भ्रमण के दौरान अतिथियों ने–
धाम के ऐतिहासिक स्वरूप
प्राचीन स्थापत्य कला
नवनिर्मित सुविधाओं
श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और
धाम के आधुनिकीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सदस्यों ने आधुनिकता और आध्यात्मिकता के अद्भुत समन्वय की सराहना की।

अन्नक्षेत्र में ग्रहण किया श्री विश्वेश्वर का प्रसाद

दर्शन-पूजन और भ्रमण के पश्चात मंदिर द्वारा संचालित अन्नक्षेत्र में सभी अतिथियों के लिए दोपहर के भोजन (प्रसाद) की विशेष व्यवस्था की गई।

अन्नक्षेत्र में परोसे गए प्रसाद ने अतिथियों को काशी की अतिथि-देवो भवः परंपरा, सेवा-भाव और सरलता का सजीव अनुभव कराया।

तमिल और काशी परंपराओं का आध्यात्मिक संगम

चतुर्थ समूह का यह दर्शन एवं भ्रमण कार्यक्रम काशी और तमिलनाडु के बीच सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंधों को और सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। इस अवसर ने दोनों समुदायों के बीच सदियों पुराने संबंधों को पुनः जीवंत किया और परंपराओं के संगम की गहराई को पुनर्स्थापित किया।

यह पूरा दिवस काशी की सनातन परंपरा, आध्यात्मिक ऊर्जा और तमिल संस्कृति के बीच गहरे जुड़ाव का प्रतीक बनकर उपस्थित रहा। अतिथियों के लिए यह अनुभव अविस्मरणीय रहा और काशी तमिल संगमम् के इस चरण ने पुनः सिद्ध किया कि काशी और तमिलनाडु का नाता आत्मिक और सांस्कृतिक रूप से अटूट है।

पुलिस ने डकैती के मामले में छह आरोपितों को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस टीम ने जहांगीरपुरी थाना क्षेत्र में हुई डकैती की गुत्थी सुलझाते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 10,40,000, वारदात में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलें, पीड़ित की स्कूटी, और लूटी हुई रकम से खरीदी गई स्विफ्ट डिजायर कार व दो महंगे आई-फ़ोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपित हत्या, आर्म्स एक्ट, वाहन चोरी और झपटमारी जैसे संगीन मामलों में पहले भी शामिल रह चुके हैं।

उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 28 नवंबर की शाम करीब 7:45 बजे, शिकायतकर्ता रोशन लाल अपने कंपनी मालिक लक्ष्य लांबा के लिए 36 लाख नकद लेकर स्कूटी से रोहिणी की तरफ जा रहे थे। जब वह मुकुंदपुर फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तभी दो मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने उनकी स्कूटी को धक्का देकर गिरा दिया। एक आरोपित ने चाकू से उन पर 3-4 बार हमला किया। घायल रोशन लाल किसी तरह जान बचाकर भाग निकले।

मप्र के पन्ना नेशनल पार्क में मुख्यमंत्री ने दिखाई 10 नई कैंटर बसों को हरी झंडी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने की तैयारी तेज हो गई है। पन्ना नेशनल पार्क में महत्वपूर्ण बन गया, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मड़ला गेट से 10 नई वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन नई बसों के माध्यम से अब पर्यटकों को जंगल सफारी का अनुभव और भी रोमांचक, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पन्ना नेशनल पार्क से पर्यटकों की जंगल सफारी के लिए 10 वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये कैंटर बसें बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, पन्ना, परसिली (सीधी) सहित प्रदेश के अन्य नेशनल पार्कों और पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुविधा के लिए संचालित की जाएंगी। गौरतलब है कि इन नई बसों के संचालन से पन्ना नेशनल पार्क में एवं अन्य नेशनल पार्कों में भी सफारी प्रबंधन बेहतर होगा।

अब एक साथ बड़ी संख्या में पर्यटकों को सफारी का अवसर मिल सकेगा और पर्यटकों की भीड़ को प्रभावी तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा। पर्यटन विभाग का मानना है कि नई सुविधाओं के जुड़ने से प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और राज्य वन्यजीव पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। पन्ना नेशनल पार्क में शुरू की गई ये 10 कैंटर बसें इस दिशा में एक बड़ा कदम साबित होंगी और आने वाले समय में पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोलेंगी।

उल्लेखनीय है कि पन्ना नेशनल पार्क देश-विदेश के वन्यजीव प्रेमियों का प्रमुख आकर्षण केंद्र है। यहां प्रतिवर्ष हजारों पर्यटक बाघों, तेंदुओं और अन्य दुर्लभ जीवों के प्राकृतिक आवास को करीब से देखने आते हैं। बढ़ती पर्यटक संख्या के कारण सफारी वाहनों की उपलब्धता और उनकी गुणवत्ता को बेहतर बनाना जरूरी हो चुका था। नई कैंटर बसों की विशेषता है कि इनमें एक साथ 19 पर्यटक बैठ सकते हैं। ये कैंटर बसें अधिक लंबी और ऊँची बनाई गई हैं। उनकी ऊँचाई और संरचना इस प्रकार है कि पर्यटक बिना किसी बाधा के जंगल में दूर तक फैले वन्यजीवों के विचरण को देख सकते हैं। बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को विशेष तौर पर ध्यान में रखते हुए इन बसों में सुरक्षा के प्रावधान बेहतर किए गए हैं। इन बसों की उपलब्धता से उन पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी, जो अक्सर ऑनलाइन बुकिंग न होने के चलते सफारी का अवसर गंवा देते थे। पहले सफारी के स्लॉट काफी जल्दी भर जाते थे और कई बार पर्यटक नेशनल पार्क पहुँचकर भी सफारी नहीं कर पाते थे। लेकिन अब नई व्यवस्था के तहत पर्यटक नेशनल पार्क के एंट्री गेट पर ही बुकिंग करा सकेंगे।

हमारा असली सामर्थ्य हमारे गाँवों की मिट्टी में निहित हैः कपड़ा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हमारा असली सामर्थ्य हमारे गाँवों की मिट्टी में निहित है, जिसे कारीगरों के हुनर और पुरातन कला की विरासत ने संजोया है। गिरिराज सिंह ने यह बात आज से शुरू हुए राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के शुभारंभ पर कही। इस विशेष सप्ताह का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, कला का संरक्षण करना, महिला शक्ति का सम्मान देना, भारत की समृद्ध हस्तकला विरासत को सम्मान देना और उसे बढ़ावा देना है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, यह सप्ताह भारतीय कारीगरों के अद्वितीय कौशल, सदियों पुरानी परम्पराओं और देश की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव मनाने के लिए समर्पित है। सभी नागरिक इस सप्ताह को हैंडमेड भारत के रूप में मनाएं और कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को अपने जीवन, घरों की सजावट तथा आगामी उत्सवों में प्राथमिकता दें। मंत्री ने कहा, हमारे

कारीगर, विशेष रूप से महिला कारीगर और ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी रचनात्मकता सदियों से भारत की कला और संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं। हस्तशिल्प केवल वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हजारों वर्षों की कला, कठोर श्रम, और अटूट विश्वास की कहानी बयां करते हैं। उन्होंने देशवासियों से अपील की है कि वे केवल दर्शक न बनें, बल्कि सक्रिय भागीदार बनें। आइए, हम सब मिलकर इस राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह को सफल बनाएं। कारीगरों से खरीदें, उनकी मेहनत और कला की सराहना करें, और मिलकर इस अद्भुत भारतीय विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। उल्लेखनीय है कि यह पहल केंद्र सरकार के 'लोकल फॉर वोकल' मिशन को भी मजबूती प्रदान करती है। हस्तशिल्प उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो लाखों लोगों, विशेष रूप से ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों, को आजीविका प्रदान करता है।

आईपीएल 2026 की नीलामी सूची घोषित; 350 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने 2026 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आईपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में 350 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन पर 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आगामी नीलामी में बोली लगाई जाएगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 1,390 खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 224 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो इस साल की नीलामी में नई प्रतिभा और गहराई ला रहे हैं।

फ्रैंचाइज़ी कुल 77 उपलब्ध स्लॉट के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से 31 विशेष रूप से विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने खुद को अधिकतम आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई केवल दो भारतीय हैं। नीलामी मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे (यूएई समयानुसार दोपहर 1:00 बजे) शुरू होगी। 40 खिलाड़ियों ने अपनी आरक्षित कीमत 2 करोड़ रुपये रखी है, जबकि 9 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये की श्रेणी में हैं। चार खिलाड़ियों ने 1.25 करोड़ रुपये और 17 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत चुनी है। 75 लाख रुपये की श्रेणी में 42 खिलाड़ी हैं और चार खिलाड़ियों ने 50 लाख रुपये की श्रेणी चुनी है।

इसके अलावा, सात खिलाड़ियों का आरक्षित मूल्य 40 लाख रुपये है, और 227 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह 30 लाख रुपये के वर्ग में है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिनके सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने की उम्मीद है, क्योंकि कई टीमें एक आक्रामक ऑलराउंडर की तलाश में होंगी, ने बल्लेबाज के रूप में पंजीकरण कराया है और पहले सेट में शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, जॉर्ज लिंडे और श्रीलंका के डुनिथ वेल्लालेज, जो पहले सूची में नहीं थे, को अंतिम रोस्टर में शामिल किया गया है।

दुर्गेश्वरी राठौर का अर्न्त विश्वविघालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

धार (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविघालय इन्दौर के अर्न्त विश्वविघालय हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेवश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविघालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पूणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन में भाग लेगी।

दुर्गेवश्वरी राठौर की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी, राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष, छोटु शास्त्री, रक्षित निरीक्षक, पुरूषोत्तम बिश्नोई, खेल अधिकारी उमंग अग्रवाल ने बधाई दी।

दुर्गेवश्वरी राठौर हॉकी फीडर सेंटर धार के प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। उक्त जानकारी हॉकी प्रशिक्षक मनीष सोलंकी ने दी।

विराट स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 बेचकर एजिलिटास में हिस्सेदारी खरीदेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स बेच रहे हैं। विराट इससे मिलने वाली 40 करोड़ रुपये की रकम जिलिटास स्पोर्ट्स में ही निवेश करेंगे। अभिषेक गांगुली की एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। विराट इसमें एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में इस कंपनी ने स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली कंपनी मोचिको शूज को खरीदा था। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता बढ़ी थी।

वहीं वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट इसके सह-संस्थापक रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज से जुड़ा हुआ है। एजिलिटास की ओर से कहा गया है कि कोहली और गांगुली के बीच पिछली कुछ समय में साझेदारी बढ़ी है। इसी के तहत ही वन8 को लेकर करार हुआ है। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास अब तक केवल वन8 में निवेश करने का विकल्प था पर एजिलिटास की उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और वितरण क्षमता को देखते हुए उन्होंने इसका शेयरधारक बनना तय किया है।

विराट का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला भविष्य की योजनाओं के तहत ही है। वहीं विराट ने कहा, अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, चलो करते हैं और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस ही मेरे लिए सब कुछ हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट के क्षेत्र में जाना चाहता था।वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत से स्पोर्ट्स में एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बनाना है।

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम उनका पूरा रिहैब प्लान तैयार करेगी। हल्के कंडीशनिंग से लेकर क्रिकेट-विशेष ट्रेनिंग तक का फैसला होगा। अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी वापसी में किसी भी तरह की जल्दबाज़ी से बचना चाहती है औरा 100 फीसदी फिट होने पर ही उन्हें खेलने दिया जाएगा। अय्यर पिछले कुछ वर्षों से एकदिवसीय टीम के मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और एकदिवसीय विश्वकप में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी गैरमौजूदगी के कारण अब भारतीय टीम को नए विकल्पों को आजमाना पड़ा है पर कोई भी सफल नहीं रहा है। वहीं गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल ने बताया कि अय्यर ने शुरुआती रिहैब शुरू कर दिया है और वे लगातार प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका खेलना लगभग संभव नहीं है।

हेजलवुड एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हुए, अब अगले साल वापसी करेंगे : मैकडोनाल्ड

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड जैसे शीर्ष स्तर के गेंदबाज का टीम से बाहर होना मेलबान टीम के लिए करारा झटका कहै। अब हेजलवुड नये साल में ही खेल में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि हेजलवुड अब अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'वह सीरीज से बाहर रहेंगे और अब उनका लक्ष्य विश्वकप में खेलना होगा। एशेज से उनका बाहर होना काफी निराशाजनक है। हमें उम्मीद थी कि वह सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे पर बदकिस्मती से वह चोटिल हो गये।' गौरतलब है कि हेजलवुड पिछले एक दशक से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते रहे हैं। वहीं राहत की बात ये है कि कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस फिट हो गये हैं और वह 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कमिंस ने अभ्यास भी किया है और इस दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। अब तीसरे टेस्ट में कमिंस एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के नहीं रहने पर पहले दोनो ही मैचों में स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई एकादश की कप्तानी संभाली थी।

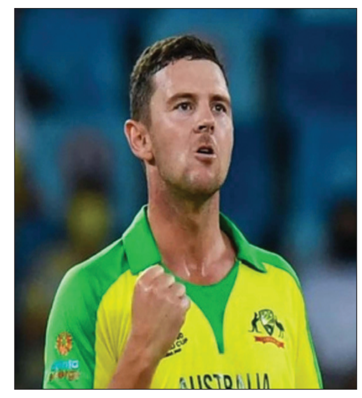

वेंकटेश अय्यर को लेकर ये क्या बोल गए केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर?

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद, वेंकटेश अय्यर 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी-नीलामी में वापस आ गए हैं। डीडी स्पोर्ट्स पर द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में बोलते हुए, केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने बताया कि कैसे ट्रायल के दौरान वेंकटेश अय्यर के आँकड़ों की बजाय उनके रवैये ने उनका ध्यान खींचा।

द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, नायर ने कहा कि मैंने उन्हें उनके रवैये के कारण चुना था।

पहले दिन, वेंकटेश अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्होंने कभी हमारी तरफ देखा या किसी को खुश करने की कोशिश नहीं की। मुझे लगा कि उनमें बहुत ज़्यादा रवैया है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे दिन, हमने उसे खेलने का मौका दिया। आखिरी ओवर में, जब हमारे गेंदबाज़ को ऐंठन हुई, तो वेंकी बाउंड्री से चिल्लाया, %मैं आखिरी ओवर डालूँगा। उसने गेंदबाजी की और 18 रन दिए, लेकिन मुझे उसकी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की तत्परता बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा कि उसके लिए यह परीक्षा कम मायने रखती थी, खुद को यह साबित करने से ज़्यादा कि वह सही काम कर रहा है। यह विश्वास मेरे साथ रहा।

2021 में, वेंकटेश ने तूफानी शुरुआत की और अपने पहले सीज़न में दस मैचों में 370 रन बनाए, जिससे केकेआर फाइनल में पहुँच गया, लेकिन वे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार गए। 2024 में अपने खिताब जीतने वाले वर्ष में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने फिर से 370 रन बनाए। 2025 में हालात मुश्किल लग रहे थे, क्योंकि उन्होंने 11 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 20.28 की औसत से 142 रन बनाए।

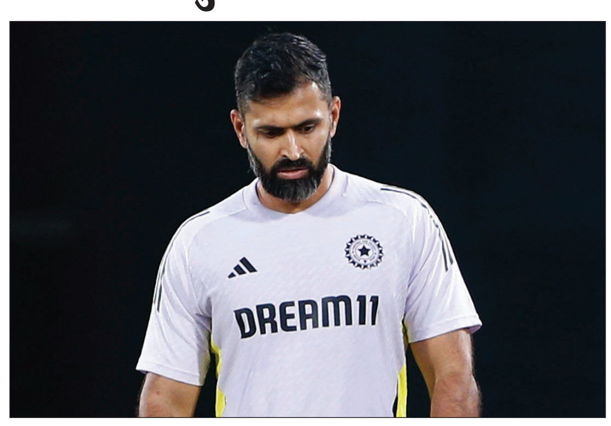

पांड्या जैसे ऑलराउंडर का टीम में होना जरुरी : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है भारतीय टीम के पास अभी हार्दिक पांड्या से बेहतर ऑलराउडर कोई नहीं है। पांड्या की हालांकि फिटनेस एक समस्या है और इसी कारण वह कई अवसरों पर टीम से बाहर रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'उस तरह का ऑलराउंडर बनने के लिए आपको अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में से किसी भी एक के बल पर टीम में जगह बनाने में सक्षम होना चाहिए।' बांगड़ ने कहा, 'टीम प्रबंधन को उनके जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना चाहिए। हार्दिक जैसा खिलाड़ी अगर पूरी तरह से फिट हो तो वह संतुलन पैदा करता है और उसकी मौजूदगी से टीम मनचाहा संयोजन तैयार कर सकती है। इसलिए उनका टीम में होना बेहद जरुरी है।' बांगड़ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट के सभी ऑलराउंडरों को देखें तो अभी इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसा कोई अन्य खिलाड़ी तैयार है। वहीं हार्दिक पांड्या के साथ भी यही स्थिति है।' पांड्या अकेले अपनी बल्लेबाजी के बल पर शीर्ष पांच में जगह बना सकते हैं। वहीं गेंदबाजी में भी वह किसी भी टीम के शीर्ष तीन तेज गेंदबाजों में से एक हो सकते हैं।'वहीं हार्दिक के कार्यभार प्रबंधन पर बात करते हुए बांगड़ ने कहा कि उन्हें तीन मैच ही खेलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि वह हालातों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। विश्व कप से पहले उन्हें कितने मैच खेलने चाहिये। ये अभी तय नहीं किया जा सकता है।' वहीं शुभमन गिल को लेकर बांगड़ ने कहा कि टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की प्रगति से उन्हें अन्य प्रारूपों में भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में टेस्ट क्रिकेट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शुभमन का आत्मविश्वास बढ़ा है, उससे भी उन्हें लाभ हुआ है। वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट कप्तान के रूप में अतिरिक्त ज़िम्मेदारी लेने से वह एक बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं।'

तीसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

–कमिंस की वापसी से गेंदबाजी मजबूत होगी : मैकडोनाल्ड

एडिलेड (एजेंसी)। एशेज में पहले दो टेस्ट मैचों में जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अब 17 दिसंबर से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले दोनो ही मैच में इंग्लैंड टीम किसी भी क्षेत्र में उसके सामने टिक नहीं पायी। ऐसे सें तीसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। कमिंस एक बेहतरीन तेज गेंदबाज और उनके आने से इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। कमिंट फिट नहीं होने के कारण पहले दोनो ही मैचों से बाहर थे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं पर एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड फिट नहीं होने से सीरीज से बाहर हो गये हैं।

मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। उन्होंने पिछले चार माह से क्रिकेट नहीं खेली है पर इसके बाद भी वह लय में हैं। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए हमें लगता है कि वह तैयार हैं।वहीं उन्होंने कहा कि पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है पर वह सलामी नहीं मध्यक्रम के बल्लेबाजी के तौर पर उतरेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा रहा है, इसलिए वे दोनो ही पारी शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना तय है। उन्हें दूसरे मैच में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब ठीक है और तीसरे मैच में खेलेंगे।

दूसरे टेस्ट में मैट हैनरी सहित तीन अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरेगी न्यूजीलैंड

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड को बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। न्यूजीलैंड टीम को इस मैच में मैच तीन अनुभवी खिलाड़ियों मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर के बिना ही उतरना पड़ेगा। ये तीनों ही पहले टेस्ट में घायल हो गये थे और अभी तक नहीं उबरे हैं। ये तीनो ही स्टार खिलाड़ी तीसरे ओर अंतिम मैच में भी नहीं खेलेंगे। जिसकी वजह से वह कैरेबियन जायंट्स के खिलाफ दूसरे और तीसरे हेनरी और स्मिथ के चोटिल होने के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज माइकल रे को न्यूजीलैंड ने शामिल किया है। वहीं क्रिस्टियन क्लार्क को अपनी टीम में जगह मिली है। रे ने वारविकशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेला है, जिसमें उन्होंने 30.28 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। कुल मिलाकर दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 69 फर्स्ट-क्लास मैचों में 205 विकेट लिए हैं। 30 साल के इस खिलाड़ी के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में आठ बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट हॉल हैं। वहीं फर्स्ट-क्लास में 24 साल के क्लार्क ने 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 की औसत से 77 विकेट लिए हैं।

इस सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची। हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है। महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, 17 और 19 साल की युवा प्लेयर्स को मौका

नई दिल्ली। गुनालन कमालिनी और वैष्णवी शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला टीम में पहली बार शामिल किया गया। यह श्रृंखला 21 से 30 दिसंबर तक खेली जाएगी जिसके शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में और बाकी तीन मैच तिरुवनंतपुरम में होंगे। 17 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज कमालिनी ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) में मुंबई इंडियन्स के लिए नौ मैच खेले हैं लेकिन 19 साल की वैष्णवी को WPL नीलामी में शामिल नहीं किया गया था। कमालिनी और वैष्णवी को राधा यादव और उमा छेत्री के स्थान पर टीम में जगह दी गई है जो पिछले महीने एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। कमालिनी और वैष्णवी के अलावा टीम में सभी जाने-पहचाने नाम शामिल हैं। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी कर रही हैं जबकि स्मृति मंधाना उप कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में जगह बनाने वाली आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। भारत और श्रीलंका नौ जनवरी को नवी मुंबई में डब्ल्यूपीएल 2026 शुरू होने से ठीक पहले पांच मैच की श्रृंखला खेलेंगे। इस द्विपक्षीय श्रृंखला का कार्यक्रम भारत और बांग्लादेश के बीच दिसंबर में भारत में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के पिछले महीने स्थगित होने के बाद घोषित किया गया था। भारत और श्रीलंका ने पिछली बार अक्टूबर 2024 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय टीम – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष, जी कमालिनी, श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा।

पहले दो नाम ये होने चाहिए, भारत की 2027 विश्व कप टीम पर बोले हरभजन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि इन दोनों के लिस्ट में 'पहले दो नाम' होने चाहिए। रोहित और विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर ODI सीरीज खेली। रोहित ने पहले और आखिरी ODI में दो शानदार हाफ-सेंचुरी लगाई जबकि विराट ने रांची और रायपुर में लगातार दो शतक बनाए और इसके बाद विशाखापत्तनम में अर्धशतक लगाया।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हरभजन ने कहा कि अगर कोई 'युवाओं के पीछे अनुभव खो देता है', तो यह बड़े मैचों में महंगा पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़े और बेहतर खिलाड़ी हैं? इसलिए आपको उन्हें साइडलाइन नहीं करना चाहिए, बल्कि यह सोचना चाहिए कि उनके आस-पास टीम कैसे बनाई जाए। अगर आप युवाओं को आगे बढ़ाने के चक्कर में अनुभव खो देते हैं, तो बड़े मैचों में समय-समय पर यह एक समस्या हो सकती है। इसलिए उन्हें खेलना चाहिए और यह एक बड़ा वर्ल्ड कप होगा क्योंकि उसके बाद हो सकता है कि वे कभी दूसरा वर्ल्ड कप न खेलें।'

हरभजन ने कहा, 'जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली बैटिंग कर रहे हैं, और उनके साथ बैटिंग ऑर्डर जैसा दिख रहा है, वह इतना सॉलिड लग रहा है कि उन्हें खेलना चाहिए। वे अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। लेकिन यह सवाल कि वे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, युवा खिलाड़ियों की ओर देखना ठीक है, लेकिन उन खिलाड़ियों को नजरअंदाज़ न करें जो पहले से ही बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।' पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'पिछले वर्ल्ड कप में भी वे फाइनल में चूक गए थे, क्योंकि पिच बहुत धीमी थी। अगर पिच तेज होती, तो इंडिया जीत जाता। बहुत प्रेशर था, इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से बेहतर खेला और जीता। लेकिन रोहित शर्मा की लीडरशिप में भारत जिस तरह खेला, वह अविश्वसनीय था। इसलिए पहले दो नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली होने चाहिए और बाकी टीम उसके बाद बननी चाहिए।'

विराट ने सीरीज में 151.00 के एवरेज और 117 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाकर टॉप रन-गेटर रहे जिसमें दो शतक और एक फिफ्टी शामिल थी। रोहित ने भी तीन इनिंग्स में 48.66 के औसत से 148 रन बनाए, जिसमें 110 से ज़्यादा का स्टाइक रेट और दो फिफ्टी शामिल थी। 'रो-को' इस साल ODI में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले दो खिलाड़ी रहे। विराट ने 13 मैचों और इनिंग्स में 65.10 के औसत से 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार फिफ्टी शामिल हैं, उनका बेस्ट स्कोर 135 और स्ट्राइक रेट 96 से ज़्यादा रहा। दूसरी और रोहित ने 14 इनिंग्स में 50.00 के औसत और 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार फिफ्टी तथा 121* का बेस्ट स्कोर रहा।

छोरी 2 के बाद अब छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं नुसरत भरुचा

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान नुसरत भरुचा ने छोरी 2 के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया। इसमें दो राय नहीं है कि नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। छोरी के बाद छोरी 2 के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है। अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए नुसरत ने कहा, छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है। नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को रोम-कॉम एक्ट्रेस ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल छोरी 3 के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

रश्मिका मंदाना से लेकर नयनतारा तक, साउथ की इन अभिनेत्रियों ने जीता बॉलीवुड के दर्शकों का दिल

भारत एक ऐसा देश है जहां पर प्रतिभा की कद्र की जाती है। इसका एक उदाहरण है साउथ अभिनेत्रियों का बॉलीवुड में काम करना। साउथ की कई अभिनेत्रियों ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड के दर्शकों का दिल जीता है। अब वह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा मशहूर अभिनेत्रियों में शामिल हैं। इस खबर में हम साउथ की उन अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिन्हें हिंदी पट्टी के दर्शक खूब पसंद करते हैं।

रश्मिका मंदाना

साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने साल 2023 में फिल्म मिशन मजनू से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी से इस तरह पहचान बना ली है, मानो वह शुरू से ही बॉलीवुड में काम करती रही हों। बॉलीवुड में डेब्यू के साथ उन्होंने साबित कर दिया कि भावनाओं को जाहिर करने के लिए भाषा बाधा नहीं बनती है।

तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया को हिंदी पट्टी का लगभग हर व्यक्ति जानता है। उन्होंने साल 2005 में फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। शुरू से ही उन्होंने अपने अभिनय का जलवा दिखाया। अब वह बॉलीवुड का चमकता सितारा हैं। वह रोमांस से लेकर ड्रामा तक, सभी तरह की फिल्मों में अच्छा अभिनय करती हैं।

कीर्ति सुरेश

साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन से कीर्ति सुरेश ने बॉलीवुड में कदम रखा। वह आसानी से अलग-अलग तरह की भूमिकाओं को करती हैं। बॉलीवुड के दर्शक उनकी शालीनता से आकर्षित होते हैं। यही वजह है कि हिंदी पट्टी में उन्हें कम वक्त में काफी शोहरत मिली है।

नयनतारा

नयनतारा साउथ में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। साल 2023 में उन्होंने फिल्म जवान से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने शाहरुख खान के साथ ऐसी अदाकारी कि दर्शक उनके कायल हो गए। उनकी अदाकारी कई दूसरी अभिनेत्रियों के लिए प्रेरणा है।

सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2012 में फिल्म एक दीवाना था से बॉलीवुड में कदम रखा। साउथ में अपनी पहचान बनाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड में भी पहचान बना ली है। अपने अभिनय की वजह से फिल्हाल वह भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं।

अपने तेलुगु डेब्यू को तैयार गुलशन देवैया

सामंथा के बैनर तले बन रही फिल्म में आएंगे नजर

हिंदी फिल्मों में अपने अभिनय से प्रभावित करने के बाद अब अभिनेता गुलशन देवैया पैन इंडिया एक्टर बनने की ओर अग्रसर हैं। बीते दिनों वो ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' में ऋषभ शेट्टी के साथ नजर आए थे। इस फिल्म में गुलशन निगेटिव रोल में दिखे थे। अब गुलशन देवैया अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। तेलुगु में गुलशन अभिनेत्री व प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। वो सामंथा स्टारर और उनके प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के अंतर्गत बन रही फिल्म 'मां इंति बंगारम' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं।

माधवन और सामंथा भी निभाएंगे प्रमुख भूमिकाएं

'मां इंति बंगारम' में गुलशन देवैया के साथ सामंथा रुथ प्रभु और आर माधवन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। सामंथा रुथ प्रभु की त्रालाला मूविंग पिक्चर्स ही इस फिल्म का निर्माण भी कर रही है। हाल ही में गुलशन देवैया हैदराबाद में हुए फिल्म के आधिकारिक मुहूर्त समारोह में भी शामिल हुए थे।

फिल्म को लेकर उत्साहित हैं गुलशन

गुलशन अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस दौरान फिल्म को लेकर गुलशन देवैया का कहना है कि मैं सामंथा के साथ कुछ करने के लिए एक अच्छे मौके का इंतजार कर रहा था। अब ऐसा लगता है कि यह फिल्म सही समय पर आई है। हालांकि, गुलशन ने अपने किरदार को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी। उनका कहना है कि मैं अपने किरदार या फिल्म के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन यह किरदार निभाना काफी चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल गुलशन अपने किरदार की तैयारियों में जुटे हैं।

'कांतारा चैप्टर 1' में नजर आए थे गुलशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो गुलशन देवैया आखिरी बार ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कंतारा चैप्टर 1' में नजर आए थे। इस फिल्म में गुलशन ने निगेटिव किरदार निभाया था। उनके काम को पसंद भी किया गया था। फिल्म में उनके किरदार का नाम कुलशेखर है, जो एक राजा है जो कंतारा के जंगलों को नष्ट करने की योजना बनाता है। इसके अलावा वो हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' में भी नजर आए हैं।

इक्कीस में अपने किरदार को लेकर अगस्त्य नंदा ने की बात

हाल ही में मुंबई के नेवी नगर में हुए एक कार्यक्रम में अगस्त्य नंदा ने अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म इक्कीस को लेकर कई बातों का खुलासा किया। इस फिल्म में अगस्त्य ने सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। अपने किरदार को लेकर जानें क्या है अभिनेता की राय।

दुनिया बदलने के लिए उम्र की सीमा नहीं होती

अगस्त्य नंदा ने अपने किरदार को लेकर कहा, हम तीन साल से इस फिल्म के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। अरुण खेत्रपाल सिर्फ 21 साल के थे, फिर भी उन्होंने जो बहादुरी दिखाई, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है। मुझे उम्मीद है कि युवा इस फिल्म को देखकर समझेंगे कि दुनिया बदलने के लिए कभी भी कम उम्र नहीं देखी जाती।

कब सामने आई थी फिल्म की कहानी

श्रीराम राघवन ने बताया कि यह कहानी उन्हें 7 साल पहले पता चली थी। वे अरुण खेत्रपाल की पुण्यतिथि पर चंडीगढ़ भी गए थे। उन्होंने कहा, यह फिल्म बनाना बहुत मुश्किल था, लेकिन मैंने दिल से कोशिश की है कि उनकी बहादुरी की कहानी सही तरीके से दिखे।

फिल्म को लेकर भावुक हुए दिनेश विजन

इस फिल्म के निर्माता दिनेश विजन ने कहा, हमने बहुत सारी फिल्में बनाई हैं, लेकिन 'इक्कीस' हमारे लिए सिर्फ फिल्म नहीं, एक भावना है। यह हमारी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म है। यह फिल्म हमें इंसान बनना सिखाती है। एक 21 साल का जवान जो कर सकता है, वह हम सोच भी नहीं सकते।

इक्कीस के बारे में

अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म इक्कीस में अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बसंतर की लड़ाई में 21 साल की उम्र में शहीद हुए अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी है। फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने किया है। दिनेश विजन ने फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म में अगस्त्य नंदा के साथ जयदीप अहलावत, धर्मेंद्र, सिकंदर खेर समेत कई कलाकार हैं। यह धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

ट्रोल्स ने मुझे बहुत प्रभावित किया, मगर अब कोई फर्क नहीं पड़ता

एक समय मिस इंडिया रही नेहा धूपिया के करियर में एक ऐसा वक्त भी आया, जब मां बनने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इंडस्ट्री में 22 साल बिता चुकी नेहा पिछली बार अ थर्सडे में दिखी थीं। रोडीज और अपने शो नो फिल्टर नेहा से हमेशा चर्चा में रहने वाली यह एक्ट्रेस आज ट्रोल्स को धता बताकर अपने मदरहुड और काम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे अपनी नई सीरीज परफेक्ट फैमिली से खबरों में हैं। उनसे एक बातचीत।

तीन साल बाद आपने अभिनय में वापसी की। किरदारों को लेकर इतनी चूजी क्यों हैं?

मैं इतनी चूज़ी हूं नहीं। मुझे इतने कम ऑफर्स मिलते हैं कि मुझे उन्हीं में से चुनना पड़ता है। मुझे भी लगता है कि मुझे काफी कम किरदारों का प्रस्ताव मिलता है। कई बार जब मैं कोई रोल देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे इसमें क्यों नहीं लिया गया? मगर इसके बावजूद मेरे अंदर एक बहुत बड़ी खुशी भी है कि इस इंडस्ट्री में मुझे 22 साल का एक लंबा अरसा हो गया।

अ थर्सडे में मैं 8 महीने की प्रेग्नेंसी में थी

जब मैंने अ थर्सडे साइन की थी, तब मैं गर्भवती नहीं थी। असल में बीच में लॉकडाउन आ गया था, तो जब शूटिंग शुरू हुई तो मैंने उनसे जाकर कहा, सॉरी मैं 6 महीने की गर्भवती हूं, तो उनका जवाब था कि क्या पुलिस अधिकारी प्रेग्नेंट नहीं हो सकती? आप अगर कंफर्टेबल हैं, तो ये रोल कीजिए। कहने का अर्थ ये है कि बेहजाद खंबाटा और रॉनी स्क्रूवाला जैसे फिल्मकारों ने अ थर्सडे जैसी महिला प्रधान फिल्म बनाई और मुझे गर्भवती होने के बावजूद मौका दिया।

क्या आप इस बात को मानती हैं कि एक महिला को हर जगह पर खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है?

जी मैं मानती हूं। हमारे पेशे में तो फिजिकल पहलू भी काफी मायने रखता है। आप एक मां होते है, पत्नी होते हैं, आपकी जिम्मेदारियों में इजाफा होता है। मां बनने के बाद एक महिला को ब्रेक लेना ही पड़ता है। मेल एक्टर्स कितना ब्रेक लेते हैं? एक मां होना सबसे सुखद अनुभूति है, मगर एक औरत के लिए मां बनने के बाद करियर में रुकावट तो आती ही है। पर हां, हमारे मदरहुड के समय मौके बेहतर हो गए थे। मगर हमसे पहले की जनरेशन तो मदरहुड के समय 5-10 साल पीछे चली जाती थीं। उनको फिर नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ती थी। मेरे केस में मैं रोडीज़ कर रही थी, अपना शो नो फिल्टर नेहा कर रही थी। इवेंट्स में भाग ले रही थी और इससे ज्यादा मैं मैनेज भी नहीं कर पाती। आज हम महिलाओं के पास सोशल मीडिया है। जैसे मैंने अपने सोशल मीडिया में एक पैरेंटिंग कम्युनिटी बना ली है, जहां हम प्रेग्नेंसी, पोस्टपार्टम, ब्रेस्ट फीडिंग जैसे कई मुद्दों पर बात करते हैं। इस कम्युनिटी से 80 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। देखिए, हम औरतों में अपने अंदर भी एक एक्सपेटेंस होनी चाहिए कि हमसे कितना बदलाव आया है। अब मेरे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, तो मेरे पास समय है, जिसका मैं फायदा उठा रही हूं। महिलाओं को अपने लिए मौके बनाने पड़ते हैं।

सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग या ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

पहले-पहले तो ये सब कुछ बहुत चुभता था। जब मैं पहली बार मां बनी, तब ट्रोल्स ने मुझे बहुत ज्यादा प्रभावित किया। मां बनना दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है, उसका कोई मोल नहीं, मगर उसके बाद आपकी जिंदगी 360 डिग्री बदल जाती है। आपकी बॉडी और हॉर्मोन्स चेंज होने लगते हैं, आप आईने में खुद को पहचान नहीं पाते। पहली डिलीवरी के बाद मैं बहुत ही सीवियर पोस्टपार्टम से गुजरी। मेरे बारे में जब भद्दे-भद्दे कमेंट्स आते, तो लगता कि लैपटॉप पर बैठ कर इस तरह के ट्रोल्स की ऐसी-तैसी कर दूं। मगर अब मैं मोटी चमड़ी की हो गई हूं। अब तो मैं अब्यूज, सेक्सुअल कोनोटेशन, फैट शेमिंग, गंदे-गंदे कमेंट्स, हर किसी से गुजर चुकी हूं और इससे उबर चुकी हूं। अब कोई फर्क नहीं पड़ता।

परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज का हिस्सा बनने को क्यों प्रेरित हुईं?

तीन साल के अंतराल के बाद अगर आप किसी प्रॉजेक्ट में अभिनय करते हैं, तो जरूरी हो जाता है कि आप ऐसे विषय से जुड़ें, जो सामयिक भी मगर मनोरंजन भी दे। यही बात मुझे परफेक्ट फैमिली में दिखी। बाहर से हर फैमिली परफेक्ट लगती है, मगर अंदर से हर परिवार में कलेश होता है। जहां तक थेरेपी लेने की बात है, तो हर परिवार मानता है कि मानसिक रूप से बीमार या पागल होने पर ही थेरेपी ली जा सकती है। इस टैबू को तोड़ती है ये सीरीज। इसीलिए मैं इसका हिस्सा बनी।

दुनिया के सबसे रोमांचक एडवेंचर
सीडार प्वाइंट

अमेरिका में ओहियो राज्य के सेंडस्की स्थित लेक ऐली प्रायद्वीप में सीडार प्वॉइंट 364 एकड़ में बना विशाल अम्यू जमेंट पार्क है। तरह-तरह की मनोरंजक विशेषताएं लिए यह पार्क वर्ष 1870 में खुला था। यह दुनिया का दूसरा सबसे पुराना अम्यूजमेंट पार्क है। इससे पहला पार्क लेक कंपाउंस है। इसका निर्माण सीडार फेयर इंटरटेनमेंट कंपनी द्वारा किया गया जो इसका संचालन करती है। यही कंपनी इसकी मालिक भी है।

सीडार प्वाइंट को अमेरिका का रोलर कोस्ट भी कहा जाता है क्योंकि यहीं दुनिया के सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर और झूले (राइड्स) हैं। इनकी संख्या 72 है जो कि एक विश्व कीर्तिमान है। इसमें 17 रोलर कोस्टर्स भी शामिल हैं जो इसे दुनिया का सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर्स वाला तीसरा पार्क बनाता है। चार रोलर कोस्टर्स की ऊंचाई 200 फुट से भी ज्यादा है।

मुख्य सीडार प्वाइंट को देखने के लिए एक पूरा दिन चाहिए। यदि यहां मौजूद सभी आकर्षणों को देखना हो तो कम से कम दो दिन जरूरी हैं। हर साल सीडार पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या करोड़ से भी ऊपर है।

सीडार प्वाइंट में दुनिया के कई सबसे ऊंचे और तेज झूले भी हैं जैसे कि टॉप थ्रिल ड्रैगस्टर और मिलेनियम फोर्स। इनके बारे में कहा जाता है कि इनसे मिलने वाला अनुभव और कहीं नहीं मिलता। जो लोग रोमांच और एडवेंचर की तलाश में रहते हैं, उनके लिए सीडार प्वाइंट से बेहतर जगह और कोई नहीं।

सीडार प्वाइंट को अकसर दुनिया का सबसे बड़ा अम्यूजमेंट पार्क भी कहा जाता है। वर्ष 2008 में इसे लगातार 11वें वर्ष भी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ अम्यूजमेंट पार्क का खिताब दिया गया। हालांकि सीडार प्वाइंट का मुख्य आकर्षण यहां मौजूद रोलर कोस्टर्स का विशाल संकलन है। बावजूद इसके, यहां झूले और अन्य आकर्षण भी कम नहीं है जैसे कि किड्डी राइड्स, वाटर राइड, म्यूजिकल शोज, आइस स्केटिंग शो आदि। इस पार्क का एक विशेष आकर्षण ऐरी झील का 1.6 किलोमीटर लंबा शानदार तट है जो यहां शुरू से ही पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।

खून का प्यासा पिस्सू

पिस्सू बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परों के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बग़लों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। बहादुर से बहादुर आदमी भी मामूली-सा पिस्सू देखकर पसीना-पसीना हो जाएगा क्योंकि प्लेग महामारी इसी तुच्छ कीट की सवारी पर चढ़कर मनुष्यों में तांडव मचाती है। पिस्सू की सैंकड़ों जातियां ज्ञात हैं। ये बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परों के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बग़लों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। इस कारण वे दो बालों के बीच के कम फासले में से भी आसानी से गुजर सकते हैं। उनके शरीर पर बहुत से कांटे होते हैं जो बालों अथवा परों में उलझकर पिस्सू को मेजबान जीव के शरीर से गिरने नहीं देते। उनका चपटा शरीर अत्यंत कठोर होता है जो उन्हें मेजबान जीव द्वारा काटे या खुजलाए जाने से बचाता है। उनका मुंह त्वचा को भेदने और खून चूसने के लिए बना होता है। पिस्सुओं का जीवन-चक्र काफी रोचक होता है। मादा पिस्सू मेजबान जीव के मल-मूत्र या उसकी मांद में इकट्ठी गंदगी में अंडे देती है। ये अंडे दो-चार दिनों में फूट जाते हैं। उनसे निकले डिंभक अंधे होते हैं। वे मल-मूत्र और गंदगी खाकर बढ़ते हैं। मौका मिलने पर अन्य छोटे कीटों का भी वे शिकार कर लेते हैं। समय आने पर ये डिंभक रेशम जैसे धागे से एक कोष बुनकर उसमें प्रविष्ठ हो जाते हैं। इस निष्क्रिय अवस्था में उनका आगे का विकास होता है। वयस्क कीट कोष से बाहर तभी निकलते हैं जब उन्हें कोई जीवित प्राणी का संकेत मिले। यह संकेत है उस प्राणी के चलने-फिरने से होनेवाले कंपन। इसे सुनते ही पिस्सू झट से कोष से निकल आते हैं और उस अभागे प्राणी का खून चूसने लगते हैं। इसी कारण से बहुत दिनों से खाली पड़े मकान में घुसने पर एकाएक पिस्सू निकल आते हैं। आप सोचते होंगे कि खाली मकान में पिस्सू कहां से आए। वास्तव में पिस्सू अपने कोषों में आपके ही इंतजार में बैठे थे!

पिस्सुओं की सबसे अधिक वीभत्स पहलू प्लेग जैसी भयंकर महामारियां फैलाने में उनकी भूमिका है। प्लेग महामारी से मनुष्य बड़ी तादाद में मरे हैं। चौदहवीं सदी में यूरोप में प्लेग ने ढाई करोड़ लोगों की जान ली थी। परंतु प्लेग मनुष्य पर आश्रित पिस्सुओं के कारण नहीं फैलता। प्लेग के लिए जिम्मेदार हैं चूहों के पिस्सू। प्लेग बीमारी सबसे पहले चूहों में फैलती है। इस बीमारी से जब चूहे बड़ी संख्या में मर जाते हैं, तब उनके पिस्सुओं को मजबूरन अन्य प्राणियों का खून चूसना पड़ता है। इन अन्य प्राणियों में मनुष्य भी होता है, क्योंकि मनुष्यों के मकानों में चूहे अनिवार्यत: पाए जाते हैं। पिस्सुओं की एक खासियत है कूदने की उनकी अद्भुत क्षमता। दो मिलीमीटर लंबा पिस्सू 35 सेंटीमीटर लंबी और 20 सेंटीमीटर ऊंची कूद लगा सकता है, यानी अपनी लंबाई से 125 गुना दूर अथवा 100 गुना ऊंचा कूद सकता है। इसीलिए प्लेग के समय लोगों को दो फुट ऊंचे पलंग पर सोने की सलाह दी जाती है, ताकि पिस्सू उन तक न पहुंच पाएं। अपनी लंबी-लंबी टांगों और नदारद पंखों की मांसपेशियों की सहायता से पिस्सू यह आश्चर्यजनक कलाबाजी करता है। अधिकांश विकसित देशों में पिस्सुओं का सफाया कम-से-कम घरों में से लगभग पूर्णत: हो गया है।

पी-50 खिलौने जैसी कार

पील पी50, पुराने जमाने के डिजाइन वाली कार है। इसमें छोटे-छोटे पहिए हैं, एक हेडलाइट, एक दरवाजा और यहां तक कि इसमें खिड़की के शीशे को साफ करने वाला एक वाइपर भी है। यह महज 54 इंच लंबी है। यह पहली सबसे छोटी कार है, जो सड़कों पर दौड़ी। पी50 कार इतनी छोटी है कि अगर इसे पीछे ले जाना हो तो दरवाजा खोलकर बाहर आना पड़ता है और इसे हाथ से खींचकर पीछे कर सकते हैं। इसे कोवेंट्री यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मिलकर बनाया। पील पी50 कार और पील ट्राइडेंट कार, बिल्कुल बच्चों के खिलौने की तरह दिखती है। यह भरोसा करना मुश्किल होता है कि यह सडम्क पर भी चलती है। ब्रिटेन और अमेरिका में इसे सड़क पर देखा जा सकता है। जब पी50 को पहली बार 1960 के दशक में पेश किया गया था तो तब किसी ने यह नही सोचा था कि कभी यह लोगों के आकर्षण का केंद्र होगी। पी50 कार को दुनिया की कुछ अनोखी कारों में शामिल किया गया है। इसे बनाने वाली पील इंजीनियरिंग लिमिटेड नामक कंपनी ने फाइबर ग्लास की नाव (बोट) और मोटरसाइकिल भी बनाई हैं। कंपनी ने वर्ष 1962 में पहली पील पी50 कार पेश की थी। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि एक आदमी खरीदारी बैग को लेकर कहीं भी आसानी से आ-जा सके।

बर्फ में बर्फ-सा खरगोश

बच्चों, जब हम आर्कटिक की बात करते हैं तो हमारे के जेहन में दूर-दूर तक फैला बर्फ और पेंगुइन, ध्रुवीय भालू और डॉलफिन जैसे पानी और समतल दोनों पर रहनेवाले जीवों के नाम याद आते हैं, पर क्या आपने कभी सोचा है कि माइनस 40 डिग्री की ठंड में कोई प्यारा-सा, छोटा खरगोश भी रह सकता है। चौंक गये न कि बर्फ में खरगोश! आओ, हम तुम्हें बताते हैं खरगोश की ऐसी ही प्रजाति के बारे में, जो आर्कटिक के ध्रुवीय प्रदेश में रहता है। यह ध्रुवीय खरगोश देखने में तो अन्य खरगोशों की तरह ही दिखता है, पर शरीर की बनावट और इसका रहन-सहन इसे विपरीत परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रखता है। ध्रुवीय खरगोश के बाल काफी मोटे और घने होते हैं, जो इसके लिए कंबल का काम करते हैं।

साथ रहने की कला

ध्रुवीय खरगोश बर्फ के अंदर गड्ढा खोद कर रहते हैं। सर्दी से बचने के लिए, ये एक-दूसरे से सटकर रहते हैं, जिससे इनका शरीर एक दूसरे को ताप दे सके। इनके कान अन्य खरगोशों की अपेक्षा छोटे होने के कारण बर्फीली हवाओं से ये बच जाते हैं। ऐसे तो ये आपको अकेले मिल जाएंगे, पर आप इन्हें दर्जन या सैकड़ों के झुंड में देख सकते हैं। इनका झुंड कुछ आपके स्कूल की सुबह के प्रार्थना के जैसा ही होता है। एक नर खरगोश एक से अधिक मादाओं के साथ रहता है। मादा खरगोश साल में एक बार लगभग 6-8 बच्चों को जन्म देती है। वसंत ऋतु या गर्मी के शुरुआती दिनों में ये बच्चे देती हैं। सितंबर के महीने तक 2-8 बच्चे बड़े होकर फिर से अगले नस्ल को तैयार करने लायक हो जाते हैं।

क्या खाते हैं ध्रुवीय खरगोश

ध्रुवीय खरगोश ज्यादातर कोंपल, पेड़ों के पत्ते, काई और बेर खाते हैं। सर्दियों में जब खाने की कमी होती है, तो ये समुद्री शैवाल, पेड़ की मुलायम छाल और जड़ भी खा जाते हैं। बच्चों यह बड़े अफसोस की बात है कि बहुत ही कम संख्या में पाए जाने वाले इस प्यारे से जीव का शिकार इंसान इसके गोश्त के लिए करते हैं। अगर इनका शिकार इसी तरह जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब यह प्यारा जीव विलुप्त हो जाएगा।

एंटीक सोवियत वाहनों का विशाल संग्रह

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में सोवियत दौर में बने पुराने वक्त के वाहनों का अनोखा संग्रह मौजूद है जिन्हें अब एंटीक कारों तथा अन्य प्रकार के वाहनों का दर्जा मिल चुका है। वहां ब्रनर परिवार के पास ऐसे वाहनों का सबसे बड़ा संग्रह है जो चाहता है कि उनके संग्रह को किसी विशिष्ट संग्रहालय में स्थान मिले। उनके संग्रह में छोटी कारों से लेकर सोवियत सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बड़े ट्रक भी शामिल हैं। इसमें 75 कारें तथा 90 मोटरसाइकिल भी शामिल हैं। खास बात है कि उनके पास मौजूद सभी एंटीक वाहन चालू हालत में हैं। फिलहाल इन्हें एक पूर्व सोवियत बंकर के प्रांगण में रखा गया है। इस संग्रह की शुरूआत लोथर ब्रनर ने की थी। 1990 में पश्चिम तथा पूर्व जर्मनी के एकीकरण तथा सोवियत संघ के खात्मे के बाद वह इन्हें खरीदने लगे। उनकी मौत के बाद अब उनका परिवार उनके संग्रह की देखभाल कर रहा है। वे चाहते हैं कि इन वाहनों के लिए एक खास संग्रहालय तैयार करवाया जाए जहां लोग इन्हें देख सकें तथा इनका संरक्षण भी सम्भव हो सके।